खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 06 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य–8 रु.। वर्ष–8 । अंक–36

यूपी के प्रत्येक विकास खंड में खुलेंगे पशु औषधि केंद्र : योगी

लखनऊ,05 फरवरी (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश में पशुपालकों को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण पशु औषधियां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पशु औषधि केंद्र स्थापित किए जाएंगे। यह केंद्र प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की तर्ज पर स्थापित होंगे। जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड में एक पशु औषधि केंद्र खोला जाएगा, जिससे पशुओं के उपचार के लिए सस्ती दरों पर दवाएं सुलभ हो सकें।

लखनऊ के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि पशु औषधि केंद्र खोलने के लिए आवेदक को फार्मासिस्ट का नाम एवं उसका वैध पंजीकरण विवरण, दुकान के लिए न्यूनतम 120 वर्ग फुट स्थान का प्रमाण पत्र तथा ड्रग सेल लाइसेंस का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। पशु औषधि केंद्र स्थापित करने के इच्छुक आवेदकों को 5000 रुपए शुल्क अदा करना होगा। आवेदन की प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन होगी। इसके लिए इच्छुक अभ्यर्थी आधिकारिक पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री कृषक समृद्धि केंद्र एवं सहकारी समितियों से जुड़े योग्य लाभार्थियों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। यह योजना भारत सरकार की पशुधन स्वास्थ्य एवं बीमारी नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) के अंतर्गत संचालित की जाएगी। पशु औषधि केंद्रों की स्थापना से पशुपालकों को समय पर सस्ती दवाएं उपलब्ध होंगी, जिससे पशुपालन को और अधिक लाभकारी बनाया जा सकेगा।

वहीं, सीएम योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट 'इंटरनेशनल फिल्म सिटी' ने अब जमीनी रफ्तार पकड़ ली है। गौतमबुद्ध नगर के जेवर क्षेत्र में विकसित की जा रही उत्तर प्रदेश की इस पहली इंटरनेशनल फिल्म सिटी में पहली फिल्म शूटिंग के रूप में 'मॉम-2' का फिल्मांकन होने जा रहा है।

फिल्म सिटी परिसर में शूटिंग को लेकर प्रारंभिक तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। परियोजना का निर्माण कर रहे बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप के ज्वाइंट वेंचर 'बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड' ने जमीन की मैपिंग का कार्य शुरू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, मैपिंग पूरी होने के बाद करीब 20 दिनों के भीतर शूटिंग सेट तैयार कर लिया जाएगा, जिसके बाद फिल्म की शूटिंग शुरू होने की संभावना है।

वहीं, उत्तर प्रदेश में ग्रामीण महिलाओं की आय बढ़ाने और खेती-किसानी को नई ताकत देने के लिए बड़ा कदम उठाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत मधुमक्खी पालन कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसके माध्यम से प्रदेश के स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं शहद उत्पादन के साथ-साथ फसलों की उत्पादकता भी बढ़ाएंगी।

योजना के अंतर्गत आगामी तीन वर्षों में एक लाख महिला मधुमक्खी पालक तैयार की जाएंगी। इसके तहत प्रत्येक महिला उद्यमी की आय में प्रति वर्ष एक लाख रुपए तक की वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है। मधुमक्खियों द्वारा परागण से गेहूं, सरसों, दलहन-तिलहन और बागवानी फसलों की पैदावार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी, जिससे किसानों को भी सीधा लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मिशन विलेज के तहत अब यूपी का शहद वैश्विक पहचान बनाएगा। महिलाएं शहद का अपना ब्रांड विकसित करेंगी और शहद व अन्य उत्पादों के विपणन से प्रदेश के आर्थिक विकास में साझीदार बनेंगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और महिलाओं का आत्मनिर्भरता का सपना साकार होगा।

विपक्ष के नेता को बोलने की इजाजत मिलनी चाहिए : शशि थरूर

नई दिल्ली,05 फरवरी (एजेंसियां) । कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को संसद में बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए। राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान उनकी टिप्पणियों पर उठाई गई आपत्तियों ने एक बड़ा संसदीय मुद्दा खड़ा कर दिया है। हंगामे पर प्रतिक्रिया देते हुए थरूर ने कहा कि विपक्ष के नेता केवल ऐसी बातें कह रहे थे, जो पहले से ही सार्वजनिक थीं। उन्होंने कहा, विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए। वह एक ऐसे मामले का जिक्र कर रहे थे जो पहले ही किसी मैगजीन में प्रकाशित हो चुका था। यह कोई अनपब्लिश्ड चीज नहीं थी। वह बस अपनी बात कहना चाहते थे और फिर राष्ट्रपति के अभिभाषण में अन्य मुद्दों पर चर्चा करना चाहते थे। इतनी बड़ी आपत्ति उठाकर और उन्हें बोलने न देकर एक बड़ी समस्या खड़ी कर दी गई।कांग्रेस नेता ने हाल ही में लगी चोट के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुधवार को संसद परिसर के बाहर गिरने से उन्हें हेयरलाइन फ्रैक्चर हो गया है।थरूर ने कहा, कल, जब मैं संसद से बाहर आया, तो मैं गिर गया। बदकिस्मती से, मुझे हेयरलाइन फ्रैक्चर हो गया।चोट लगने के बावजूद, थरूर ने कहा कि वह संसद और अपना सरकारी काम जारी रखेंगे।

उन्होंने कहा, मैं रोज संसद आऊंगा। मैं अगले हफ्ते भी कमेटी की बैठक में शामिल होऊंगा, हालांकि मुझे बदकिस्मती से व्हीलचेयर का इस्तेमाल करना पड़ेगा।इससे पहले, थरूर ने पार्टी की अंदरूनी चर्चाओं में शामिल न होने के लिए माफी मांगी थी और बताया था कि उन्हें कुछ मेडिकल टेस्ट करवाने थे।उन्होंने कहा, कृपया मुझे माफ करें। मैं यहां नहीं था, क्योंकि मुझे क्लिनिक में एक्स-रे करवाना था और अस्पताल भी जाना पड़ा। इस वजह से मैं हमारी पार्टी की बैठक में चर्चाओं में हिस्सा नहीं ले सका।ये बातें ऐसे समय में आई हैं, जब संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष का विरोध जारी है।

पाकिस्तानी एयरलाइंस के निशान वाला गुब्बारा मिला, जांच शुरू

उधमपुर,05 फरवरी (एजेंसियां) । जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले स्थित लद्दन के केरा इलाके में गुरुवार को एक गुब्बारा मिला, जिस पर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) का लोगो बना हुआ था। इस घटना से स्थानीय लोगों में चिंता फैल गई और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। स्थानीय लोगों ने गुब्बारे को एक खुले मैदान में पड़ा देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंचीं। एहतियात के तौर पर पूरे इलाके को घेर लिया गया और आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। पुलिस ने गुब्बारे को अपने कब्जे में ले लिया है और इसे आगे की जांच के लिए भेज दिया है। सुरक्षा एजेंसियां इस बात की पड़ताल कर रही हैं कि गुब्बारा कहां से आया? इसका मकसद क्या था और क्या इसमें कोई संदिग्ध सामग्री थी या नहीं। हालांकि, बरामदगी के समय गुब्बारे में कोई खतरनाक वस्तु या संदिग्ध सामग्री नहीं मिली।

प्रारंभिक जांच में ऐसा लग रहा है कि यह एक साधारण गुब्बारा हो सकता है, जो हवा के साथ उड़कर यहां पहुंच गया हो। लेकिन, सीमा क्षेत्र होने के कारण सुरक्षा एजेंसियां इसे हल्के में नहीं ले रही हैं। गुब्बारे पर पीआईए का लोगो देखकर स्थानीय लोग हैरान थे और इसे किसी खतरनाक गतिविधि से जोड़कर देख रहे थे।वहीं, पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध वस्तु या गुब्बारे को देखने पर तुरंत सूचना दें और खुद उससे दूर रहें। मामले की गहन जांच जारी है और जल्द ही अधिक जानकारी सामने आने की उम्मीद है।बता दें कि यह घटना सीमा क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर पहले से बनी चिंता को और बढ़ा रही है। उधमपुर जिला पाकिस्तान की सीमा से सटा हुआ है, इसलिए ऐसी घटनाओं पर तुरंत कार्रवाई की जाती है। सुरक्षा एजेंसियां गुब्बारे के स्रोत और उसके पीछे के किसी भी संभावित इरादे का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

बिहार विधानसभा में नीतीश और तेजस्वी के बीच नोकझोंक

पटना,05 फरवरी (एजेंसियां) । बिहार विधानसभा में गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के बीच नोकझोंक देखने को मिली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने तेजस्वी यादव से कहा कि बैठो न, मेरी बात सुनो। दरअसल, विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यपाल के अभिभाषण पर सरकार का पक्ष रख रहे थे। तेजस्वी यादव ने उनके दावे पर टोकने की कोशिश की। नीतीश कुमार ने अपने अंदाज में कहा, बैठो न। सबकुछ हमारा ही तय किया हुआ था। इसके बाद इसको बना दिया। उसके बाद इधर-उधर करने लगा। जब रखे थे तो इधर-उधर करने लगा। छह लोगों को खींचने के लिए पैसा कहां से लाए थे? गड़बड़ करते थे, इसीलिए छोड़ दिया। इस दौरान दोनों पक्षों के विधायक हंसते नजर आए। मुख्यमंत्री ने राजद सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 2005 से पहले बिहार की क्या हालत थी। शाम के बाद लोग घर से नहीं निकलते थे। उन लोगों की सरकार थी तो कोई काम नहीं हुआ। स्कूल, अस्पताल, सड़क, पानी, बिजली सबका बुरा हाल था। हमारी सरकार आई तो सभी क्षेत्रों में सुधार हुआ। उन्होंने कहा कि बिहार में जब से एनडीए की सरकार बनी है, तब से विकास का काम हो रहा है। बिहार में शांति है।उन्होंने कहा कि कब्रिस्तान की घेराबंदी कराई गई और पुराने मंदिरों के लिए चहारदीवारी का निर्माण कराया गया। उन्होंने कहा कि राज्य में गांवों और टोलों को पक्की सड़कों से जोड़ने का काम पूरा हो गया। हर घर नल का जल और हर घर शौचालय का भी काम हुआ। पहले जहां बिजली की समस्या थी, वहीं आज लोगों को 125 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि सात निश्चय के तहत युवाओं को नौकरी और रोजगार देने पर सरकार काम कर रही है। अगले पांच सालों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले जहां राज्य में छह मेडिकल कॉलेज थे, अब उनकी संख्या 12 हो चुकी है और 27 नए मेडिकल कॉलेज और बनवाए जा रहे हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में औसतन आज प्रत्येक महीने 11,600 मरीजों के इलाज हो रहे हैं। पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल को 5400 बेड वाला अत्याधुनिक संस्थान बनाने की भी बात उन्होंने कही।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि दस हजार की राशि महिलाओं को दी गई, ताकि वह अपने पैरों पर खड़ी हो सकें। आगे भी दो लाख रुपए दिया जाएगा। सभी जिलों में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिहार लगातार विकास कर रहा है। अगले पांच साल में विकास के काफी कार्य होंगे। बिहार विकसित राज्यों में शामिल होगा और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण स्थान रखेगा। उन्होंने केंद्र सरकार का पूरा सहयोग मिलने की भी बात कही।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लॉन्च किया 'भारत टैक्सी' ड्राइवरों को मिलेगा मालिकाना हक और सुरक्षा लाभ

नई दिल्ली,05 फरवरी (एजेंसियां) । केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को 'भारत टैक्सी' सर्विस लॉन्च की। यह देश की पहली सहकारिता क्षेत्र की टैक्सी सर्विस है। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी के जरिए ड्राइवरों को मुनाफे में मालिकाना हक दिया जाएगा, साथ ही उनकी आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पेंशन और बीमा के फायदे भी दिए जाएंगे। इसके अलावा, 'सारथी दीदी' पहल महिला ड्राइवरों और महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगी। 'भारत टैक्सी' के लॉन्च के मौके पर अमित शाह ने कहा कि सहकारिता से बहुत सारे लोग मिलकर छोटी-छोटी पूंजी लगाकर कैसे बड़ी शुरुआत कर सकते हैं, 'भारत टैक्सी' इसका उदाहरण है। आज का दिन टैक्सी चालक बहनों-भाइयों के लिए बहुत ही अहम है। चालक बहन-भाई 'भारत टैक्सी' से न सिर्फ अधिक मुनाफा कमा पाएंगे, बल्कि सम्मान के साथ इसके मालिक भी होंगे। तीन साल के अंदर कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका से कामाख्या तक पूरे देश भर में भारत टैक्सी हमारे टैक्सी सारथियों के कल्याण का बहुत बड़ा माध्यम बनने जा रही है। जब मैंने संसद में भारत टैक्सी का मुद्दा रखा था, तब बहुत से लोगों ने यह प्रश्न उठाया था कि सरकार टैक्सी के क्षेत्र में प्रवेश क्यों कर रही है? मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि सरकार नहीं, सहकारिता टैक्सी सर्विस में प्रवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि शायद पूरे विश्व में यह अनूठी कोऑपरेटिव टैक्सी कंपनी अस्तित्व में आ रही है, जिसका मालिक टैक्सी चलाने वाला सारथी भाई-बहन है, कोई और नहीं। इस भारत टैक्सी से जुड़े एक-एक सारथी भाई और सारथी दीदी, सभी इस भारत टैक्सी के मालिक हैं। मैं सभी सारथी बहनों-भाइयों से कहना चाहता हूं कि अभी आपकी टैक्सी का पहिया किसी और के लिए कमाई करता है, अब भारत टैक्सी से आपका पहिया आपकी कमाई कराएगा।उन्होंने कहा कि सहकारिता का क्या अर्थ है? बड़े से बड़ा काम ढेर सारे छोटी-छोटी पूंजी वाले लोग इकट्ठे होकर कर पाएं, यही सहकारिता है। यहां पर आपके दो प्रतिनिधि बैठे हैं। हर पांच साल बाद आपके दो प्रतिनिधि बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में बैठेंगे और आपकी चिंता करेंगे, जिन्हें आप ही चुनेंगे। भारत टैक्सी जो भी मुनाफा कमाएगी, उसमें से 100 रुपए में केवल 20 रुपए ही अपने पास रखेगी, जिसके मालिक भी सारथी ही होंगे, और 80 रुपए हर सारथी के खाते में चले जाएंगे। भारत टैक्सी देश की माताओं-बहनों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगी। हमने 'सारथी दीदी' की जो संकल्पना की है, वह आने वाले समय में भारत टैक्सी ऐप के माध्यम से आपकी सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगी। 'सारथी दीदी' की अलग विंडो होगी, जिस पर रजिस्टर करने से किसी भी माता-बहन को रिसीव करने 'सारथी दीदी' ही आएंगी।

उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी का उद्देश्य भारत टैक्सी की पूंजी बढ़ाना नहीं है, इसका उद्देश्य इसके मालिक सारथी दीदियों और भाइयों का मुनाफा बढ़ाना है। भारत टैक्सी का ग्राहक जो भुगतान करेगा, वह सीधे उसी समय आपके खाते में ट्रांसफर हो जाएगा और बिना सुनवाई के किसी का अकाउंट बंद नहीं किया जाएगा। अब तक बुकिंग फीस, प्लेटफॉर्म फीस और भारी कमीशन जैसे शब्द कंपनी की बैलेंस शीट का मुनाफा बढ़ाते थे और सारथी की बैलेंस शीट का मुनाफा घटाते थे, मगर अब चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

तिरुवनंतपुरम में जीत के बाद भाजपा पार्षदों के लिए पीएम मोदी ने रखी डिनर पार्टी

13 फरवरी को दिल्ली में आयोजन

तिरुवनंतपुरम,05 फरवरी (एजेंसियां) । केरल विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तिरुवनंतपुरम नगर निगम पर ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाएगी। तिरुवनंतपुरम में पहली बार भाजपा को जीत मिली है, जिसने चार दशकों से ज्यादा समय तक चले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के निर्बाध शासन को भी खत्म किया है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी के पार्षदों के लिए खास कार्यक्रम रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेयर वीवी राजेश के नेतृत्व में भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल को 13 फरवरी को अपने आधिकारिक आवास पर डिनर के लिए व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया है। इस कार्यक्रम के तहत भाजपा ने 101 सदस्यीय तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन परिषद के अपने सभी 50 पार्षदों को नई दिल्ली बुलाया है। जानकारी के अनुसार, भाजपा के पार्षद 9 फरवरी को केरल एक्सप्रेस ट्रेन से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। अलग-अलग राज्यों में भाजपा इकाइयां उन स्टेशनों पर स्वागत समारोह आयोजित करेंगी, जहां ट्रेन लंबे समय तक रुकती है।

प्रधानमंत्री मोदी की ओर से आयोजित डिनर के अलावा, प्रतिनिधिमंडल राजधानी दिल्ली में राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों का भी दौरा करेगा। केंद्रीय नेतृत्व ने तिरुवनंतपुरम के नतीजों को (जिसे पार्टी ने केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में 'सुनहरी जीत' बताया है) एक राष्ट्रीय मील का पत्थर बनाने का फैसला किया है।इस यात्रा के दौरान दिल्ली में तिरुवनंतपुरम विकास दस्तावेज का भी अनावरण किए जाने की उम्मीद है।प्रधानमंत्री मोदी ने पहले कॉर्पोरेशन के नतीजों को 'एक नए युग की शुरुआत' और 'सुनहरे अक्षरों में लिखा' एक मील का पत्थर बताया था। उन्होंने चुनाव नतीजों के बाद मेयर राजेश और डिप्टी मेयर आशा नाथ को बधाई देते हुए व्यक्तिगत पत्र भी भेजे थे।भाजपा ने एक निर्दलीय पार्षद के समर्थन से कॉर्पोरेशन में सत्ता हासिल की, जो पहली बार है। नगरपालिका प्रतिनिधियों को ऐसा निमंत्रण मिलना असाधारण माना जाता है और यह इस बात को दिखाता है कि केंद्रीय नेतृत्व इस जीत को कितना राजनीतिक महत्व दे रहा है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव: डीएमके और डीएमडीके के बीच सीट शेयरिंग पर बातचीत जारी

चेन्नई,05 फरवरी (एजेंसियां) । द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने तमिलनाडु विधानसभा चुनावों की शुरुआती तैयारियों में देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कड़गम (डीएमडीके) को एक अहम सहयोगी के तौर पर पाया है। दोनों पार्टियां सीट-शेयरिंग और लंबे समय के राजनीतिक सहयोग को लेकर बातचीत कर रही हैं। डीएमके, जो चुनाव से काफी पहले ही अपनी चुनावी गणित को मजबूत करना चाहती है, उसने कथित तौर पर डीएमडीके को सात विधानसभा सीटों के साथ-साथ एक राज्यसभा सीट की पेशकश की है, जो अप्रैल में खाली होने वाली है। इस प्रस्ताव को सत्ताधारी पार्टी की बड़ी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसका मकसद अपने गठबंधन के आधार को मजबूत करना और अपने लिए ज्यादा सीटों पर कब्जा बनाए रखना है।

हालांकि, डीएमडीके ने कथित तौर पर ज्यादा सीटों की मांग की है। पार्टी ने 14 विधानसभा सीटों तक की मांग की है। साथ ही, पार्टी ने एनडीए के साथ समानांतर बातचीत करके अपने विकल्प खुले रखे हैं, जिससे बातचीत में सस्पेंस का माहौल बन गया है। इसके बावजूद, डीएमके नेताओं को उम्मीद है कि जल्द ही कोई समझौता हो जाएगा।सत्ताधारी पार्टी गठबंधन की व्यवस्था को जल्दी से अंतिम रूप देना चाहती है ताकि वह अपनी संगठनात्मक तैयारियों के साथ आगे बढ़ सके। उसने अपने सहयोगियों के साथ सीटों के बंटवारे को औपचारिक रूप से अंतिम रूप देने से पहले चुनावी सूचियों का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पूरा करने की योजना बनाई है।पार्टी सूत्रों ने बताया कि डीएमके का इरादा 234 विधानसभा सीटों में से कम से कम 170 सीटों पर चुनाव लड़ने का है, जो 2021 के चुनावों में लड़ी गई 173 सीटों से थोड़ी ही कम हैं। यह मौजूदा सत्ता को बनाए रखने में उसके आत्मविश्वास को दिखाता है।

एनसीपी के विलय को लेकर सियासी हलचल तेज संजय राउत ने कहा- अभी हमारी राय तय नहीं

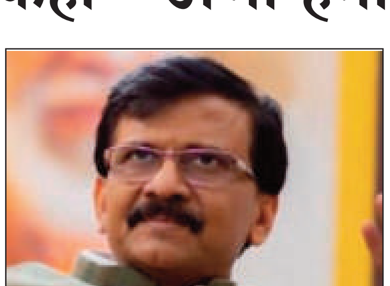

मुंबई,05 फरवरी (एजेंसियां) । महाराष्ट्र में एनसीपी के विलय को लेकर सियासी हलचल तेज है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि अभी बस चर्चा चल रही है। जब पूरा मामला सामने आएगा, तभी ये तय होगा कि इस पर हमारी क्या राय हो सकती है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस, शिवसेना, कम्युनिस्ट या समाजवादी पार्टी का इस मामले में कोई रोल नहीं है। राउत ने कहा कि अजित पवार अब नहीं रहे और शरद पवार हमेशा उनके अभिभावक रहे हैं। जो मूल पार्टी अजित पवार के पास थी, वह शरद पवार की ही है। अमित शाह और चुनाव आयोग ने इस पर मिलकर कुछ निर्णय लिया। अजित पवार के हाथ में पार्टी सौंपी गई, जैसे शिवसेना शिंदे को भी सौंपी गई। इस पूरे मसले में अब दोनों पक्षों के बीच मामला चल रहा है और जब आधिकारिक निर्णय आएगा तभी इस पर खुलकर बात की जा सकती है। संजय राउत ने कहा, शरद पवार महाराष्ट्र विकास अघाड़ी में हैं। उनकी पार्टी अभी भी इंडिया ब्लॉक में है। जब उनका कोई निर्णय होगा और वह आधिकारिक तौर पर सामने आएगा, तब सबको बताया जाएगा और उसके बाद ही लोग रिएक्शन देंगे।राउत का कहना है कि पूरा मामला फिलहाल अभी चल रहा है। किसी तरह का फैसला या राय अभी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई है। जब शरद पवार या उनकी पार्टी कोई बयान देंगे, तभी सही स्थिति समझ में आएगी और उसके बाद ही राजनीतिक हलचल और रिएक्शन को लेकर बात की जा सकती है।इस दौरान उन्होंने दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार के पुत्र पार्थ पवार को मिली क्लीन चीट पर भी प्रतिक्रिया दी।

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 06 फरवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-36

मंदिर, मदिरा और माँस

100 मीटर का नियम तय हो : हाईकोर्ट

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

धार्मिक स्थलों विशेषकर मंदिरों के आस-पास 100 मीटर के दायरे में शराब की दुकानें प्रतिबंधित है, लेकिन मांसाहार (नान वेज) की बिक्री व सेवन पर कोई पाबंदी नहीं है। यही स्थिति अस्पतालों व शैक्षणिक संस्थानों को लेकर भी है। यही कारण है कि स्पष्ट नीति न होने के कारण मंदिरों, अस्पतालों व स्कूलों के करीब मांस बिक्री और नान वेज की होटलों में इसका सेवन बे-रोकटोक जारी है। हाल ही एक मामले की सुनवाई के दौरान तेलंगाना हाईकोर्ट ने सरकार से इस बाबत निती बनाकर दिशा-निर्देश जारी करने का आदेश दिया।

तेलंगाना हाइकोर्ट ने राज्य सरकार और ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम को निर्देश दिया कि वह मंदिरों, शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों के 100 मीटर के दायरे में मांसाहारी और मांस उत्पादों की बिक्री व सेवन को विनियमित करने के लिए एक समग्र नीति तैयार करें। हाइकोर्ट ने यह नीति चार सप्ताह के भीतर बनाने का निर्देश दिया।

जस्टिस बी. विजयसेन रेड्डी ने यह निर्देश एक रिट याचिका का निपटारा करते हुए दिया। यह याचिका एक रेस्तरां संचालक द्वारा दायर की गई, जिसमें पुलिस और नगर निगम अधिकारियों द्वारा कथित उत्पीड़न और उसके परिसर में चल रहे नवीनीकरण कार्य में अनावश्यक हस्तक्षेप का आरोप लगाया गया।

याचिकाकर्ता ने बताया कि उसने हैदराबाद के रेड हिल्स क्षेत्र में एक संपत्ति लीज पर लेकर रेस्तरां खोलने की योजना बनाई थी और इसके लिए नवीनीकरण कार्य शुरू किया गया। उसने यह भी कहा कि उसने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम से व्यापार लाइसेंस और खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण से पंजीकरण भी प्राप्त कर लिया था, जो खाद्य सुरक्षा कानून के अनुरूप है।

याचिकाकर्ता का आरोप था कि चूंकि प्रस्तावित रेस्तरां में मांसाहारी भोजन बेचा जाना था और वह एक हनुमान मंदिर के पास स्थित है, इसलिए पुलिस और अन्य अधिकारी कानून-व्यवस्था और यातायात की समस्या का हवाला देकर उसे बार-बार परेशान कर रहे थे। उसने यह भी आरोप लगाया कि अधिकारियों ने उसके कर्मचारी को जबरन रोका और उसे चुनिंदा रूप से निशाना बनाया जा रहा है, जबकि उसी इमारत में एक अन्य मांसाहारी रेस्तरां बिना किसी बाधा के संचालित हो रहा है।

वहीं राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि याचिकाकर्ता की दुकान सड़क के दूसरी ओर स्थित हनुमान मंदिर से 100 मीटर से कम दूरी पर है। सरकार ने सार्वजनिक उपद्रव से संबंधित प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा कि समुदाय के स्वास्थ्य और शारीरिक सुविधा के लिए हानिकारक वस्तुओं की बिक्री को विनियमित किया जा सकता है और पुलिस को यह सिफारिश करने का अधिकार है कि ऐसे स्थान पर मांस की दुकान के लिए लाइसेंस न दिया जाए।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाइकोर्ट ने कहा कि प्रतिवादी ऐसा कोई कानूनी प्रावधान या नियम नहीं दिखा सके, जो किसी सार्वजनिक पूजा स्थल के आसपास मांस या मांसाहारी भोजन की बिक्री या सेवन पर रोक लगाता हो। हालांकि, अदालत ने यह भी ध्यान दिलाया कि आबकारी नियमों में शराब की बिक्री को लेकर 100 मीटर की सीमा का प्रावधान मौजूद है, लेकिन नगर निगम कानून में मांसाहारी भोजन के लिए ऐसा कोई स्पष्ट नियम नहीं है।

इसके साथ ही हाइकोर्ट ने धार्मिक भावनाओं, मंदिर परिसर की शांति और स्वच्छता, तथा कानून-व्यवस्था और यातायात से जुड़ी चिंताओं को भी महत्वपूर्ण माना। अदालत ने कहा कि मंदिर परिसर के आसपास मांसाहारी भोजन की बिक्री या सेवन से श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हो सकती हैं, विशेष रूप से जब संबंधित मंदिर सौ वर्षों से अधिक पुराना हो। साथ ही मंदिर के आसपास शांति और स्वच्छता बनाए रखना भी आवश्यक है। इन सभी पहलुओं को देखते हुए हाइकोर्ट ने राज्य सरकार और नगर निगम को निर्देश दिया कि वे पूजा स्थलों, स्कूलों और अस्पतालों के 100 मीटर के दायरे में मांस और मांसाहारी भोजन की बिक्री व सेवन को लेकर स्पष्ट और व्यापक दिशा-निर्देश तय करें। अदालत ने कहा कि नीति बनाते समय धार्मिक भावनाओं, शांति, स्वच्छता, कानून-व्यवस्था और यातायात संबंधी पहलुओं को ध्यान में रखा जाए। ▶10पर

हैदराबाद त्रिविभाजन 10 तक

GHMC, GMMC और GCMC

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार द्वारा ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (GHMC) के पुनर्गठन और इसे तीन अलग-अलग नगर निगमों में विभाजित करने की योजना अब अपने अंतिम चरण में है। 10 फरवरी, 2026 को वर्तमान परिषद का कार्यकाल समाप्त होते ही इस संबंध में आधिकारिक घोषणा होने की संभावना है। प्रशासनिक विभाजन और वार्डों के वितरण का विवरण कुछ इस प्रकार हो सकता है। ग्रेटर हैदराबाद का विभाजन- तीन नए नगर निगमों का उदय, प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने और तेजी से बढ़ते शहरी क्षेत्रों के बेहतर प्रबंधन के लिए ऋल्क्ष्वउ को निम्नलिखित तीन स्वतंत्र निगमों में बाँटा जाएगा-

1. ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (GHMC - कोर सिटी)

क्षेत्र: इसमें मुख्य शहर और पुराने हैदराबाद के क्षेत्र शामिल होंगे।

वार्डों की संख्या: 150 वार्ड

मुख्यालय: वर्तमान GHMC हेड ऑफिस (लिबर्टी, खैरताबाद)।

2. ग्रेटर मलकजगिरी नगर निगम (GMMC)

क्षेत्र: इसमें पूर्वी हैदराबाद और राचकोंडा कमिश्नरेट के अंतर्गत आने वाले आवासीय क्षेत्र शामिल होंगे। वार्डों की संख्या: 74 वार्ड।

मुख्यालय: तरनाका स्थित हुडा (HUDA) कार्यालय।

3. ग्रेटर साइबराबाद नगर निगम (GCMC)

नाम विकल्प: इसे ग्रेटर सेरिलिंगमपल्ली नगर निगम के नाम से भी जाना जा सकता है।

क्षेत्र: इसमें आईटी हब, हाई-टेक सिटी और पश्चिमी हैदराबाद के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र शामिल होंगे। वार्डों की संख्या: 76 वार्ड

मुख्यालय: एनओसी बिल्डिंग, माधापुर।

प्रमुख बिंदु और आगामी चुनाव

विस्तार: हाल ही में आउटर रिंग रोड (ORR) के भीतर और आसपास की 27 नगर पालिकाओं का ऋल्क्ष्वउ में विलय किया गया है, जिसके बाद कुल वार्डों की संख्या अब 300 तक पहुँचने की उम्मीद है (150+74+76)।

▶10पर

भाजपा जीती तो 500 करोड़ : बंडी संजय

करीमनगर, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने गुरुवार को घोषणा की कि यदि आगामी नगर निकाय चुनावों में भाजपा की जीत होती है, तो वह तेलंगाना के विकास के लिए केंद्र से 500 करोड़ रुपये का कोष लेकर आएंगे।

करीमनगर जिले के हुजुराबाद में चुनावी अभियान के तहत एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में उनके और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के प्रयासों के चलते केंद्र सरकार ने ग्राम पंचायत चुनावों के लिए 259 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

कांग्रेस पर निशाना और विकास का संकल्प

सत्ताधारी दल कांग्रेस पर प्रहार करते हुए बंडी संजय ने कहा कि कांग्रेस ने नगर पालिकाओं से केवल खोखले वादे किए हैं, जबकि भाजपा अपनी प्रतिबद्धताओं पर अडिग रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि हुजुराबाद नगर पालिका अध्यक्ष का पद भाजपा को मिलता है, तो वह व्यक्तिगत रूप से दिल्ली जाकर फंड सुरक्षित करेंगे और शहर के बुनियादी ढांचे का कायाकल्प करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने रेखांकित किया कि मोदी सरकार ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से हुजुराबाद को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की है। उन्होंने निम्नलिखित निधियों और योजनाओं का उल्लेख किया-वित्त आयोग अनुदान, अमृत और स्वच्छ भारत मिशन, स्वनिधि योजना और शहरी बुनियादी ढांचा विकास कोष (यूआईडीएफ), सीएसआर और ▶10पर

हुसैन सागर पीला-पीला!

बदबू से आसपास के क्षेत्र में रहना दूभर

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पिछले कुछ समय से हुसैन सागर के पानी की गुणवत्ता में भारी गिरावट आई है। पानी का रंग पीला पड़ गया है और इससे निकलने वाली तीव्र दुर्गंध ने पर्यटकों और स्थानीय निवासियों की चिंता बढ़ा दी है। पानी का यह बदला हुआ रंग विशेष रूप से तेलंगाना सचिवालय और लुंबिनी पार्क के बीच, टैंक बंड से लेकर होटल मैरियट के सामने वाले हिस्से में देखा गया है। बुद्ध पूर्णिमा प्रोजेक्ट अथॉरिटी (बीपीपीए) के अधिकारियों ने इस खबर की पुष्टि करते हुए बताया, पिछले कुछ हफ्तों में हुसैन सागर के कुछ हिस्सों में पानी का रंग पीला हो गया है। बीपीपीए के एक अधिकारी ने पानी के रंग में इस बदलाव का मुख्य कारण मौसम की स्थिति को बताया है। उनके अनुसार, सर्दियों के बाद जब गर्मियों की शुरुआत होती है और तापमान धीरे-धीरे बढ़ता है, तो पानी पीला, कभी हरा और कभी-कभी काला हो जाता है। इस परिवर्तन के कारण उठने वाली दुर्गंध नेकलेस रोड, एनटीआर मार्ग, सचिवालय, टैंक बंड और बुद्ध भवन तक जाने वाले यात्रियों और पर्यटकों के लिए असुविधा का सबब बनी हुई है। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भीषण गर्मी के दौरान यह बदबू और भी बढ़ जाती है। अनुपचारित औद्योगिक कचरा, सीवेज, भारी गाद (सिल्टेशन) और रासायनिक अपशिष्टों का अनियंत्रित बहाव इस जल निकाय की खराब स्थिति का मुख्य कारण बताया गया है।

शुभ लाभ
epaper.shubhlabhdaily.com
19 Jan 2026 - Page 1

हुसैन सागर सफाई का श्रीगणेश

शुभ लाभ
हुसैन सागर झील
1,200 करोड़ पानी में

IMPACT

बायोरेमेडिएशन प्रक्रिया के जरिए समाधान की कोशिश

स्थिति से निपटने के लिए बीपीपीए बायोरेमेडिएशन प्रक्रिया का सहारा ले रहा है। इसमें कार्बनिक प्रदूषकों को तोड़ने और दुर्गंध कम करने के लिए एंजाइम घोल का उपयोग किया जाता है। अधिकारी ने बताया, हम प्रभावी सूक्ष्मजीवों (ईएम) का उपयोग कर रहे हैं, जो लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया, यीस्ट और प्रकाश संश्लेषक बैक्टीरिया जैसे लाभकारी रोगाणुओं का एक तरल मिश्रण है। यह पानी के रंग को हल्का करने और बदबू को नियंत्रित करने में मदद करता है।

वर्तमान में, बायोरेमेडिएशन प्रक्रिया के लिए 3,000 लीटर क्षमता वाले एक टैंकर का उपयोग किया जा रहा है, जो प्रतिदिन 10 से 12 फेरे लगाता है। ▶10पर

मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ा

दो गज़ दूरी अब भी जरूरी

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में सर्दियों से गर्मियों की ओर बढ़ते मौसम के संक्रमण के साथ ही शहरवासी मौसमी बीमारियों की लहर की चपेट में हैं। हैदराबाद के सरकारी अस्पतालों, विशेष रूप से नल्लकुंटा स्थित फीवर हॉस्पिटल, गांधी अस्पताल, उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल और स्थानीय बस्ती दवाखानों में वायरल बुखार, विशेष रूप से इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारियों के मामलों में भारी उछाल दर्ज किया गया है।

गांधी और फीवर हॉस्पिटल के रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसरों के अनुसार, ओपीडी में आने वाले अधिकांश मामले ऊपरी श्वसन पथ के संक्रमण से संबंधित हैं।

इन्फ्लुएंजा और श्वसन संक्रमण के बढ़ते मामले

निजी क्लीनिकों और नर्सिंग होम में भी मरीजों की संख्या में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। जिला स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि बस्ती दवाखानों में आने वाले अधिकांश मरीजों में सूखी खांसी, सुस्ती, हल्का बुखार और शरीर में तेज दर्द जैसे लक्षण पाए जा रहे हैं।

वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया, हमें कुछ मरीजों में कोविड जैसे लक्षण भी दिखे हैं, जिनके इन्फ्लुएंजा होने का संदेह है। इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारियों (आईएलआई) और तीव्र श्वसन संक्रमण (एआरआई) में तेजी आई है। शुष्क और ठंडी हवा के कारण एच3एन2 और इन्फ्लुएंजा बी जैसे वायरस तेजी से फैल रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि मौजूदा मौसम परिवर्तन और अधिकतम व न्यूनतम तापमान के बीच बढ़ते अंतर के कारण शरीर का तापमान नियंत्रण बाधित होता है, जिससे प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है। ▶10पर

भारत हिंदू राष्ट्र ही है

अलग से घोषित करने की आवश्यकता नहीं : भागवत

खरगोन, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत हिंदू राष्ट्र है और जो पहले से विद्यमान है, उसकी घोषणा करने की कोई आवश्यकता नहीं होती।

डॉ. भागवत मध्यप्रदेश के खरगोन जिले की कसरावद तहसील के ग्राम लेपा स्थित श्री रामकृष्ण विश्व सद्भावना निकेतन में आयोजित विचार-प्रेरक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन निमाड़ अभ्युदय रूरल मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट एसोसिएशन एवं श्री रामकृष्ण विश्व सद्भावना निकेतन द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने ''मनुष्य निर्माण से राष्ट्र निर्माण'' विषय पर अपने विचार रखे।

उन्होंने कहा कि कई जगह लोग मुझसे कहते हैं कि हिंदू राष्ट्र की घोषणा कीजिए, मेरा मानना है जो पहले से है, उसकी फिर क्या घोषणा करना। सूर्य पूर्व से उदय होता है, यह घोषणा करने की जरूरत ही नहीं है। जैसे सूर्य पूर्व से ही उदय होता है, उसके लिए किसी घोषणा की जरूरत नहीं पड़ती।

उन्होंने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि सेवा, कर्म और सभी के कल्याण पर आधारित एक जीवन-दृष्टि है।

सरसंघचालक ने कहा कि भारतीय संस्कृति में चैरिटी नहीं, बल्कि सेवा का भाव है। सभी मनुष्य परमेश्वर के स्वरूप हैं, इसलिए उपकार नहीं, बल्कि सेवा करना हमारा धर्म है। सेवा से व्यक्ति की शुद्धि होती है और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार समाज के लिए योगदान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मनुष्य देखकर और अनुभव से सीखता है। भारत की सभ्यता की यात्रा यह सिखाती है कि सच्चा सुख बाहर नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर है। भारत की आध्यात्मिक परंपरा ने मनुष्य को आत्म अन्वेषण की दिशा दी, जिससे शाश्वत सुख की प्राप्ति होती है। ▶10पर

एक खूबसूरत प्रेम कहानी से कहीं ज्यादा है 'दो दीवाने सहर में' : संदीपा धर

संजय लीला भंसाली के बैनर तले रोमांटिक ड्रामा 'दो दीवाने सहर में' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह फिल्म आधुनिक रिश्तों, भावनात्मक उलझनों और आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में प्यार की बदलती परिभाषाओं को संवेदनशील तरीके से पेश करती है, जो एक साथ निजी भी हो और बेहद रिलेटेबल भी। ट्रेलर रिलीज होते ही दर्शकों में चर्चा का विषय बन गया है। यह फिल्म मुंबई की चमक-दमक वाली जिंदगी में दो ऐसे लोगों की कहानी बताती है जो अपनी कमियों से जूझते हुए प्यार ढूंढते हैं। ट्रेलर में संदीपा धर की छोटी लेकिन प्रभावशाली एंट्री ने खासा ध्यान खींचा है। भले ही उनका स्क्रीन टाइम कम हो, लेकिन हर फ्रेम में उनका कॉन्फिडेंस और मजबूत प्रेजेंस साफ दिखता है। एक सीन में अभिनेत्री हरे रंग की खूबसूरत ड्रेस में और दूसरे में सिंपल-एलीगेंट लुक में नजर आ रही हैं।

संदीपा ने अपने स्क्रीन प्रेजेंस से उत्सुकता का तड़का लगाया है। उनकी मौजूदगी फिल्म के अर्बन और रोमांटिक मूड के साथ अच्छी तरह घुलमिल गई है। उनकी संयमित और सधी हुई एक्टिंग से लगता है कि संदीपा का किरदार भावनात्मक गहराई वाला है, जो फिल्म में आगे चलकर खुलकर सामने आएगा।

संजय लीला भंसाली जैसे बड़े फिल्ममेकर के साथ काम करना संदीपा के करियर का महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अब तक ऐसे रोल चुने हैं, जो उन्हें एक बेहतर एक्ट्रेस के रूप में आगे ले जाते हैं। इसी कड़ी में 'दो दीवाने सहर में' से उनका जुड़ाव कंटेंट-ड्रिवन और लेयर्ड सिनेमा की ओर उनके सोच-समझकर किए गए कदम को दर्शाता है।

संदीपा ने फिल्म को लेकर कहा, फिल्म 'दो दीवाने सहर में' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा है। मृणाल, मेरी रोशनी, तुम्हारी परफॉर्मेंस में इतनी ईमानदारी और संवेदनशीलता है कि कई बार मैं भूल जाती थी कि तुम अभिनय कर रही हो। वहीं, रवि उदय सर, आप पलों को ऐसे कैद करते हैं कि मैं उन्हें महसूस करती हूं। अभिरूचि आनंद और पूरी टीम को शुक्रिया।

हालांकि, फिल्म में संदीपा के किरदार से जुड़ी जानकारी को गोपनीय रखा गया है, लेकिन ट्रेलर देखकर पता चलता है कि फिल्म में अभिनेत्री को एक फ्रेश, कॉन्फिडेंट और खूबसूरत अंदाज में देखा जाएगा।

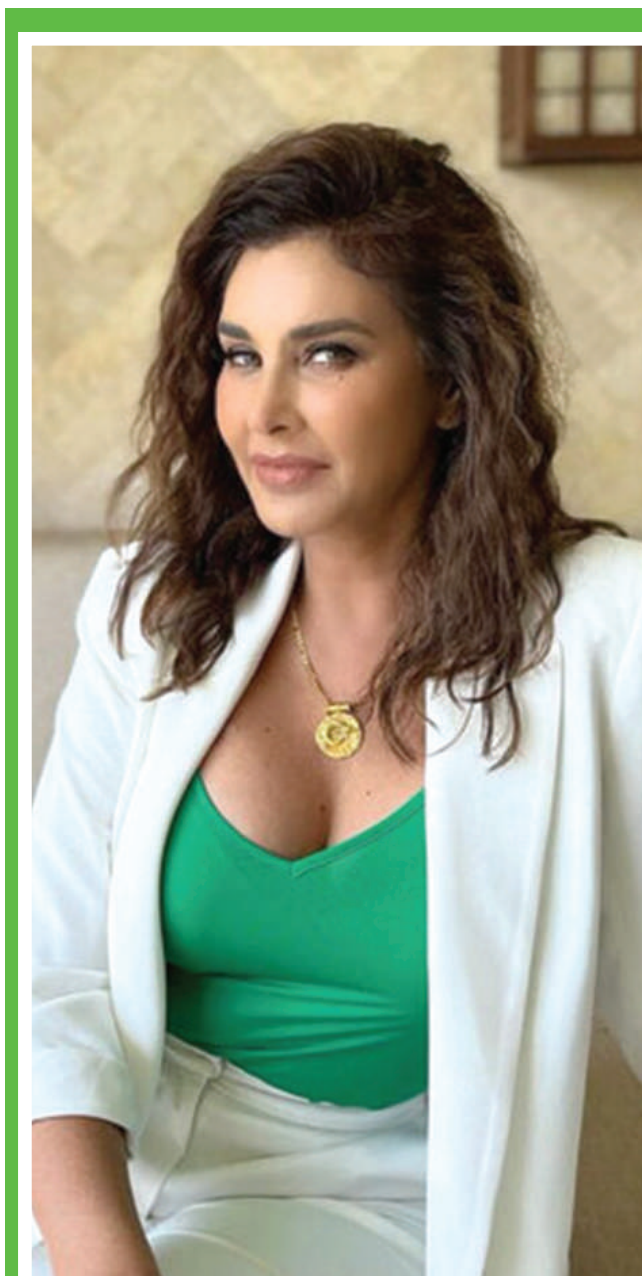

50 की उम्र में लीसा रे ने बदली 'बीच बॉडी' की परिभाषा, बोलीं

अब मंजूरी नहीं आजादी जरूरी

फिल्म और फैशन की दुनिया में फिटनेस और लुक्स काफी मायने रखते हैं। ऐसे में एक्ट्रेसेस के लिए उम्र बढ़ने के साथ यह दबाव और भी बढ़ता जाता है, लेकिन कुछ अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जिन्होंने इन दबावों को नहीं माना और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीती हैं। अभिनेत्री लीसा रे उन्हीं में से एक हैं। 50 साल की उम्र में उन्होंने 'बीच बॉडी' की सोच को नए मायने दिए हैं और इसे आत्मस्वीकृति, आजादी और आत्मसम्मान से जोड़कर देखा है। लीसा रे ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर बीच से अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों के कैप्शन में उन्होंने लिखा, ''एक समय था जब बीच पर खूबसूरत दिखने का मतलब एक तय इमेज से जोड़ा जाता था, रेड स्विमसूट, रेड लिपस्टिक और हर हाल में परफेक्ट दिखने का दबाव। साल 1991 के ग्लैडरैग्स कवर ने मेरी यही छवि लोगों के मन में बसा दी थी और इसी छवि के सहारे मैंने अपना करियर भी बनाया। लेकिन, आज मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने आज रखती है।''

उन्होंने आगे लिखा, ''शरीर समय के साथ बदला है, जिंदगी में उतार-चढ़ाव आए हैं, बीमारियों से लड़ी हूं और खुद को फिर से खड़ा किया है। अब दूसरों की मंजूरी से ज्यादा सुकून अपने आप को स्वीकार करने में मिलता है। उन असंभव सुंदरता मानकों से बाहर निकलना ही मुझे असली राहत है। ये मानक महिलाओं के लिए बनाए ही ऐसे गए थे कि उन्हें पूरा करना मुश्किल लगता है।''

लीसा रे ने हॉलीवुड अभिनेत्री पामेला एंडरसन का जिक्र किया। उन्होंने कहा, पामेला कभी रेड स्विमसूट में दिखाई देने वाली सबसे बड़ी फैंटेसी मानी जाती थीं। लेकिन आज वह खुद उस छवि को तोड़ चुकी हैं और अपनी पहचान खुद गढ़ रही हैं।

लीसा ने कहा, ''मुझे ग्लैमर या मेकअप से कोई परेशानी नहीं है। शूट, रील्स और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए सजना-संवरना मजेदार लगता है। बीच मेरे लिए वह जगह है, जहां मैं पूरी तरह नेचुरल रहना चाहती हूं।''

उन्होंने कहा, ''1990 के दशक में सनस्क्रीन का ज्यादा चलन नहीं था। मैं कई बार धूप में बुरी तरह झुलसी हूं। आज उसकी छाप मेरी त्वचा पर दिखती है। लेकिन यह मेरी कमजोरी नहीं है। यह सब उनकी जिंदगी का हिस्सा है और मैं इसके साथ पूरी तरह सहज हूं।''

अभिनेत्री श्रीलीला ने मां को बताया अपना फुल टाइम एंटरटेनमेंट और सपोर्ट सिस्टम

साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री श्रीलीला बुधवार को अपनी मां का जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उन्होंने खास अंदाज में अपनी मां को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर मां के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह और उनकी मां साथ में मुस्कुराते नजर आ रही हैं। ये तस्वीरें मां-बेटी के गहरे रिश्ते और प्यार को साफ दिखाती हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट के साथ लिखा, जन्मदिन मुबारक हो, अम्मा। आप 24 घंटे मनोरंजन करती रहती हैं और साल के 365 दिन मुझे इमोशनली स्ट्रॉन्ग करती रहती हैं। अभिनेत्री श्रीलीला ने आगे लिखा कि जैसे-जैसे वे दोनों रोज जिंदगी में आगे बढ़ती जा रही हैं, वो समझ रही हैं कि सच्चा और निस्वार्थ प्यार क्या होता है। श्रीलीला ने लिखा, मुझे वो सब बहुत अच्छा लगता है जो हम साथ में शेयर करते हैं। आप मुझे हिम्मत और साहस सिखाती हैं, और मैं आपको थोड़ा हंसी-मजाक के साथ मुश्किल वक्त संभालना सिखाती हूं।

अभिनेत्री ने इमोनशनल पोस्ट में लिखा, मैं ऊपरवाले से प्रार्थना करती हूं कि आप हमेशा मेरी अम्मा बनी रहें, चाहे मैं कितनी भी जिंदगियां क्यों न जी लूं। मुझे इस दुनिया में लाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्रीलीला का यह पोस्ट प्रशंसकों को काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया देने के साथ उनकी मां को जन्मदिन की बधाई भी दे रहे हैं।

अभिनेत्री जल्द ही साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण की 'उस्ताद भगत सिंह' में मुख्य भूमिका निभाती दिखेंगी। इस फिल्म में आशुतोष राणा, प्रथिबन, केएस रविकुमार, रामकी, नवाब शाह, बीएस अविनाश, गौतमी, नागा महेश और टेम्पर वामसी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।'उस्ताद भगत सिंह' का निर्देशन हरीश शंकर कर रहे हैं, वहीं नवीन यरनेनी और वाई. रविशंकर इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह 2016 की तमिल फिल्म 'थेरी' का रीमेक है। इसके साथ ही, वे बॉलीवुड में कार्तिक आर्यन के साथ 'आशिकी 3' से डेब्यू करने को तैयार हैं। हालांकि, फिल्म को लेकर जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

ओवरनाइट ऑडिशन से ओवरनाइट स्टारडम ने कैसे बदली पुलकित सम्राट की ज़िंदगी

भारतीय टेलीविज़न में ओवरनाइट सक्सेस बहुत कम लोगों को मिलती है और उन्हीं बेहद कम लोगों में एक नाम पुलकित सम्राट का भी शामिल है। जी हाँ, एक साधारण से टीवी ऑडिशन, जिसे उन्होंने थोड़ी हिचकिचाहट के साथ स्वीकार किया था, वही आगे चलकर ना सिर्फ उनकी ज़िंदगी का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ, बल्कि उसी ने उन्हें हर घर का चहिता चेहरा भी बना दिया। गौरतलब है कि खुद को वर्सेटाइल एक्टर के तौर पर देखनेवाले पुलकित सम्राट अपने करियर की शुरुआत टीवी नहीं करना चाहते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि डेली सोप्स ज़्यादातर मेलोड्रामा तक ही सीमित रहते हैं। लेकिन शायद किस्मत को कुछ और मंजूर था और उसी ने उन्हें लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचा दिया। इस सिलसिले में पुलकित सम्राट कहते हैं, मुझे याद है मैंने साफ कहा था कि मैं टीवी सीरियल टाइप का काम नहीं करना चाहता, बल्कि मैं कुछ अलग और वर्सेटाइल करना चाहता था। लेकिन फिर कास्टिंग टीम ने मुझे समझाया कि यह किरदार बाकी टीवी रोल्स से अलग है। इसमें गहराई के साथ कुछ नया करने का मौका था और सबसे अहम बात यह थी कि मुझे एकता कपूर से मिलने का अवसर मिलने वाला था। इसी बात ने मुझे मुंबई आने के लिए राज़ी कर लिया और मैं रातों-रात दिल्ली से मुंबई आ गया। गौरतलब है कि एकता कपूर पहले ही पुलकित की तस्वीरें देख चुकी थीं और उनसे मुलाकात के बाद वे निश्चिंत हो चुकी थी कि उनके सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के लक्ष्य वीरानी वही होंगे। ऐसे में मुंबई आते ही उनकी ग्रूमिंग शुरू हुई। उन्हें नया हेयरकट दिया गया और स्क्रीन टेस्ट कराया गया और फुटेज देखते ही उनके नाम पर मोहर लगाते हुए एकता कपूर ने कहा, ओके, डन। रेडी।

हालांकि इस बड़ी सफलता के बीच भी पुलकित को रह-रहकर अपना परिवार याद आ रहा था, जिन्हें वे बिना बताए दिल्ली छोड़कर मुंबई चले आए थे। उनसे मिलने की तड़प और अपनी कामयाबी की खबर देने के लिए उन्होंने पीठ दर्द का बहाना बनाते हुए एक रात के लिए दिल्ली लौटने की इजाज़त मांगी और पहुँच गए अपने पैरेंट्स से मिलने। दिल्ली एयरपोर्ट पर अपने पैरेंट्स को देखते ही वे भावुक हो उठे। उस घटना को याद करते हुए पुलकित बताते हैं, आंखों में आंसू लिए मैं उनके गले लगा। शब्द बहुत काम थे, बस थी तो भावनाएं। हालांकि कुछ ही घंटों बाद मैं फिर से मुंबई लौट आया लेकिन इस बार एक नए आत्मविश्वास और बदली हुई ज़िंदगी के साथ लौटा था।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में पुलकित की एंट्री बेहद खास रही थी। शो की जेनरेशन लीप के साथ उन्हें लॉन्च किया गया था और वे 'वो कृष्णा है' गीत के साथ सीधे दर्शकों के दिलों में उतर गए। गौर करनेवाली बात ये भी है कि यह किसी टीवी किरदार के लिए बनाए गए शुरुआती फुल-लेंथ लॉन्च सॉन्ग्स में से एक था। और इस तरह मौनी रॉय के साथ मिलकर वह नई पीढ़ी का चेहरा बने। इस सिलसिले में पुलकित कहते हैं, रातों-रात मैं एक जाना-पहचाना नाम बन चुका था और फिर उसके बाद मैंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

चाहत पांडे ने ओटीटी की दुनिया में रखा कदम
हसरतें सीजन 3 में निभाया चुनौतीपूर्ण किरदार

टीवी और रियलिटी शो की दुनिया में अपनी पहचान बना रही एक्ट्रेस चाहत पांडे ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी डेब्यू किया है। हंगामा ओटीटी पर रिलीज हुई नई वेब सीरीज 'हसरतें सीजन 3' में उन्होंने एक चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है। उनका किरदार कई मायनों में महिलाओं की जटिल भावनाओं, उनकी इच्छाओं और उनके संघर्ष को बयां करता है। सीरीज के नए एपिसोड 'नया किराएदार' में चाहत पांडे ने स्मिता नाम की गृहिणी की भूमिका निभाई है। स्मिता एक ऐसी महिला है, जो अपने पति के अचानक गायब होने के बाद अकेली और भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस करती है। उसे अपनी दबंग सास के साथ रहना पड़ता है, जिससे उसके जीवन में दबाव और भी बढ़ जाता है। समाज की निगाहें, ऑफिस में हो रहे उत्पीड़न और अपनी अधूरी इच्छाओं को दबाने की मजबूरी ने उसकी जिंदगी को थमा दिया है। लेकिन कहानी में बदलाव तब आता

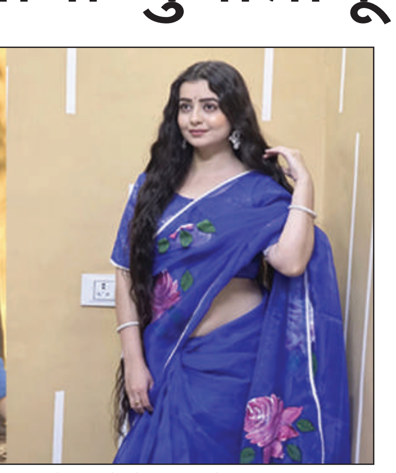

है, जब उसके घर में समर्थ नाम का एक युवा म्यूजिशियन किरायेदार बनकर आता है। उनकी बढ़ती दोस्ती स्मिता के भीतर छिपी हुई भावनाओं को फिर से जागृत करती है। जैसे-जैसे स्मिता समर्थ के करीब जाने लगती है, अचानक उसके पति की वापसी हो जाती है। स्मिता को अब यह तय करना होता है कि वह समाज की बनाई गई मर्यादाओं और पारिवारिक जिम्मेदारियों में बंधी रहे या अपनी खुशी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को चुने। यह कहानी दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करेगी कि कभी-कभी जीवन में अपनी खुशी चुनना गुनाह नहीं, बल्कि जीवित रहने का तरीका है।चाहत पांडे ने अपने किरदार को लेकर कहा, ''स्मिता मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार है। स्मिता ऐसी महिला है, जिसे बचपन से सिखाया गया कि उसे अपने दर्द और अधूरी इच्छाओं को कभी व्यक्त नहीं करना है। पति के गायब होने के बाद समाज उसे और भी सख्ती से नियंत्रित करने लगता है। इस किरदार के जरिए मैंने यह दिखाने की कोशिश की कि जब एक महिला अपनी आवाज सुनती है, तो उसके जीवन में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है।''चाहत ने आगे कहा, ''स्मिता की कहानी उसके अधिकारों को वापस पाने और यह स्वीकार करने की कहानी है कि अपनी खुशी चुनना कोई अपराध नहीं है। यह किरदार महिलाओं की भावनाओं, उनके संघर्ष और उनकी स्वतंत्रता की कहानी को बड़े ही संवेदनशील तरीके से पेश करता है।'' 'हसरतें सीजन 3' में चाहत पांडे का यह कदम ओटीटी की दुनिया में उनकी नई पहचान बनाने का भी अवसर है। दर्शक न केवल उनकी भावनाओं से जुड़ेंगे, बल्कि उनकी कहानी के माध्यम से समाज में महिलाओं की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत अधिकारों के महत्व को भी महसूस करेंगे।

बुध का कुंभ राशि में गोचर

10 अप्रैल तक कुंभ राशि में रहेगा बुध

बुध ग्रह मकर राशि से निकल कर कुंभ राशि में 3 फरवरी को चला गया। ये ग्रह 10 अप्रैल तक इसी राशि में रहेगा। मकर की तरह कुंभ भी शनि की ही राशि है। इस राशि में बुध के होने से कई लोगों की आर्थिक स्थिति में बदलाव होने के योग बनेंगे। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि मिथुन और कन्या राशि का स्वामी बुध 3 फरवरी की रात राशि बदलकर मकर से कुंभ में आ गया है। बुध बुद्धि, तर्क, संचार और व्यापार का कारक ग्रह है। शनि की कुंभ राशि में बुध के आने से लोगों के विचारों में नवीनता आती है और ज्ञान से जुड़े कामों में लाभ होता है। अब बुध 26 फरवरी वक्री होगा, 21 मार्च को मार्गी होगा और फिर 10 अप्रैल को मीन राशि में प्रवेश करेगा। इससे कुछ लोगों को लेन-देन और निवेश में नुकसान और विवाद होने के योग बनेंगे, वहीं कुछ लोगों के आर्थिक मामलों में रुकावटें आ सकती हैं। खरीदी-बिक्री, लेन-देन, निवेश, वाणी, अभिव्यक्ति, कैलकुलेशन और बुद्धि पर इस ग्रह का असर पड़ता है। बुध के राशि परिवर्तन से पत्रकार, वकालात, बिजनेस और शेयर मार्केट से जुड़े लोग ज्यादा प्रभावित होते हैं।

कुंभ राशि में प्रवेश के साथ ही बुध की राहु के साथ युति बन चुकी है। चूंकि बुध बुद्धि, तर्क, वाणी और निर्णय क्षमता के कारक हैं, जबकि राहु चतुराई, रणनीति और असामान्य सोच का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इन दोनों ग्रहों की युति से जड़त्व योग का निर्माण हुआ है। वैसे तो ज्योतिष शास्त्र में जड़त्व योग को शुभ नहीं माना जाता, लेकिन कलियुग में कूटनीतिक और व्यवहारिक बुद्धि को नकारात्मक नहीं बल्कि सफलता की कुंजी समझा जाता है। ऐसे में बुध-राहु की यह युति मेष और मिथुन सहित कई राशियों को तेज़ दिमाग, चतुर निर्णय लेने और मौके का फायदा उठाने की क्षमता दे सकती है। शुक्र 6 फरवरी 2026 को कुंभ राशि में प्रवेश कर बुध और राहु के साथ 'त्रिग्रही योग' बनाएंगे। जो प्रेम और आर्थिक जीवन में उतार-चढ़ाव और बड़े बदलावों का संकेत है। फरवरी माह में सूर्य और मंगल के भी कुंभ में आने से बनने वाला 'पंचग्रही योग' रिश्तों में तनाव, अहंकार और आर्थिक निर्णयों में तीव्रता लाएगा। प्रेम, सौन्दर्य और वैभव के कारक ग्रह शुक्र का यह संचरण, राहु की आकस्मिकता और मंगल-सूर्य की ऊर्जा के प्रभाव में आकर व्यक्तिगत संबंधों और धन प्रबंधन में परिवर्तनकारी दौर लेकर आएगा।

बुध कम्युनिकेशन का ग्रह है। बुध ग्रह के अधिदेवता भगवान विष्णु हैं। बुध व्यापार के देवता तथा व्यापारियों के रक्षक हैं। बुध चन्द्र और तारा के पुत्र है। बुध सौरमंडल के ग्रहों में सबसे छोटा और सूर्य से निकटतम है। बुध के हाथों में तलवार, ढाल, गदा तथा वरमुद्रा धारण की हुई है।

असर – बुध के राशि परिवर्तन से लोगों में रचनात्मकता बढ़ेगी। बिजनेस करने वाले लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। बड़े देशों के बीच इंपोर्ट-एक्सपोर्ट बढ़ेगा। बड़े एग्रीमेंट या बिजनेस समझौते होने के योग बन रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लेन-देन बढ़ेगा। कुछ देशों की करंसी मजबूत होगी। कुछ बड़े देश नई व्यापारिक रणनीति पर काम शुरू कर सकते हैं। बुध के प्रभाव से शेयर बाजार में स्थिरता के साथ-साथ खाद्यान्न वस्तुओं के भाव में स्थिरता एवं मूल्य वृद्धि रुकेगी। विद्यार्थियों के लिए यह समय शिक्षा ग्रहण के लिए श्रेष्ठ रहेगा। मौसम में भी सुखद बदलाव होगा। सेहत के नजरिये से लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। दूध का उत्पादन बढ़ने के साथ सब्जियों की पैदावार ज्यादा होने से किसानों को फायदा होगा। औद्योगिक क्षेत्र में भी ज्यादा उत्पादन होने से भाव में स्थिरता आने से लोगों को फायदा होगा। प्राप्त होगा।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

बुध के उपाय

बुध से पीड़ित व्यक्ति को मां दुर्गा की आराधना करनी चाहिए। बुधवार के दिन गाय को हरा चारा खिलाना चाहिए और साबुत हरे मूंग का दान करना चाहिए। बुधवार के दिन गणपति को सिंदुर चढ़ाएं। बुधवार के दिन गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं। दूर्वा की 11 या 21 गांठ चढ़ाने से फल जल्दी मिलता है। पालक का दान करें। बुधवार को कन्या पूजा करके हरी वस्तुओं का दान करें।

बुध के इस गोचर का सभी 12 राशियों पर शुभ-अशुभ प्रभाव।

मेष: रूके हुए काम पूरे होंगे। शुभ फलों के साथ उपलब्धियां मिलेंगी, कार्य क्षेत्र में विस्तार होगा। विवादास्पद मामलों में पक्ष मजबूत होगा।

वृष: सोचे हुए काम पूरे करेंगे। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। बुद्धिमानी से फायदे हासिल करेंगे। संकल्प मजबूत रहेगा और शुभ फल मिलेंगे।

मिथुन: नई आशा का संचार होगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा, अवसर हासिल होंगे और अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाएंगे।

कर्क: समय अच्छा रहेगा। निवेश में फायदा होने के योग हैं। बिजनेस बढ़ेगा। खोजबीन या शोध में सफलता मिलेगी। समझ विकसित होने के साथ कार्यक्षेत्र में प्रभाव बढ़ेगा।

सिंह: भरपूर परिश्रम करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। नकारात्मकता छोड़नी पड़ेगी और विवादों से बचना होगा।

कन्या: साझेदारी और व्यापार में लाभ कमाएंगे। दाम्पत्य जीवन में दूरियां मिटेंगी। शुभ फलदायक यात्राएं होंगी।

तुला: उच्च शिक्षा और कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। प्रेम प्रसंग बनेंगे, रचनात्मकता रहेगी और शुभ समाचार मिलेंगे।

वृश्चिक: परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के मौके मिलेंगे। सोचे हुए कामों को पूरा करेंगे। माता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा।

धनु: भरपूर ऊर्जा रहेगी। पराक्रम बढ़ेगा, कार्यस्थल पर वरिष्ठजनों द्वारा सम्मान और तारीफ मिलेगी।

मकर: आर्थिक लाभ मिलने के योग बनेंगे। व्यवसाय या कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। संपत्ति में विस्तार होना संभव है।

कुंभ: साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में उन्नति होगी, रचनात्मकता और कौशल का विकास होगा। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

मीन: सुख सुविधाओं पर खर्चा बढ़ेगा। सोच समझकर ही जोखिम उठाना चाहिए।

मकर से कुंभ में सूर्य का गोचर, शनि की राशि में सूर्य का प्रवेश क्यों माना जा रहा है खास, सभी 12 राशियों पर दिखेगा असर

ज्योतिष में सूर्य को आत्मविश्वास, पहचान और नेतृत्व से जोड़कर देखा जाता है। सूर्य हर महीने एक बार अपनी राशि बदलते हैं और इसी क्रम में फरवरी 2026 में सूर्य मकर राशि से निकलकर कुंभ राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। खास बात यह है कि मकर और कुंभ, दोनों ही शनि की राशियां मानी जाती हैं। यानी सूर्य लगातार दूसरी बार शनि की ही राशि में गोचर करेंगे। 13 फरवरी 2026 को सुबह 3 बजकर 49 मिनट पर सूर्य का यह राशि परिवर्तन होगा, जिसका असर करियर, आर्थिक स्थिति, पारिवारिक जीवन, रिश्तों और मानसिक स्थिति पर अलग-अलग रूप में देखने को मिल सकता है।

सूर्य गोचर का व्यापक प्रभाव

सूर्य के कुंभ राशि में प्रवेश से समाज, नेटवर्क, तकनीक, टीमवर्क और सामूहिक सोच से जुड़े विषय अधिक सक्रिय हो सकते हैं। यह गोचर कुछ राशियों के लिए अवसरों के नए द्वार खोल सकता है, वहीं कुछ लोगों को धैर्य और संतुलन बनाए रखने की जरूरत महसूस हो सकती है। अब जानते हैं मेष से लेकर मीन तक सभी 12 राशियों पर सूर्य गोचर का विस्तृत प्रभाव।

मेष राशि – मेष राशि वालों के लिए यह समय दोस्तों, सहयोगियों और नेटवर्क के जरिए आगे बढ़ने का संकेत देता है। किसी पुराने संपर्क के माध्यम से नया अवसर मिल सकता है। करियर में आपकी मेहनत पर ध्यान दिया जाएगा, जिससे जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे राहत महसूस होगी। निजी जीवन में संवाद बेहतर रहेगा और रिश्तों में स्पष्टता आएगी।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों के लिए करियर से जुड़े मामलों में हलचल बनी रह सकती है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी या भूमिका में बदलाव संभव है। संपत्ति या वाहन से जुड़े निर्णय सोच-समझकर लेने की जरूरत रहेगी। आय के मामले में स्थिति संभलने लगेगी। रिश्तों में खुलकर बातचीत करने से आपसी भरोसा मजबूत होगा।

मिथुन राशि– मिथुन राशि वालों के लिए शिक्षा, ट्रेनिंग और लंबी दूरी की यात्रा से जुड़े अवसर सामने आ सकते हैं। नौकरी बदलने या इंटरव्यू का विचार मन में आ सकता है। व्यवसाय में नए लोगों से जुड़ाव बढ़ेगा। धन के मामले में छोटे लाभ मिल सकते हैं, लेकिन सही योजना जरूरी रहेगी। रिश्तों में बातचीत से भ्रम दूर होंगे।

कर्क राशि –कर्क राशि के लिए यह गोचर थोड़ा दबाव वाला रह सकता है। कामकाज में जिम्मेदारी बढ़ने के साथ मानसिक तनाव महसूस हो सकता है। पैसों में उतार-चढ़ाव रहने की संभावना है, इसलिए खर्च पर नियंत्रण जरूरी होगा। पारिवारिक और निजी जीवन में संयम से काम लेने पर स्थितियां बेहतर रहेंगी।

सिंह राशि –सिंह राशि वालों के लिए साझेदारी और समझौतों से जुड़े मामलों में गति आएगी। नौकरी में नया प्रोजेक्ट या अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में किसी डील के फाइनल होने के संकेत हैं। रिश्तों में सहयोग और समझदारी बढ़ेगी, जिससे आत्मविश्वास मजबूत होगा।

कन्या राशि – कन्या राशि के जातकों को इस दौरान प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में लक्ष्य पूरे करने का दबाव रहेगा, लेकिन सही योजना से स्थिति संभाली जा सकती है। खर्च बढ़ने की आशंका है, इसलिए बजट पर नजर रखना जरूरी होगा। निजी जीवन में छोटी बातों को तूल देने से बचना बेहतर रहेगा।

तुला राशि– तुला राशि के लिए यह समय रचनात्मक कार्यों और पसंदीदा गतिविधियों पर ध्यान देने का है। नौकरी में स्थिरता बनी रहेगी, हालांकि बड़ी तरक्की के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होगा। रिश्तों में सुकून और संतुलन बना रहेगा।

वृश्चिक राशि– वृश्चिक राशि वालों के लिए घर और काम के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन या भूमिका बदलने की चर्चा हो सकती है। व्यापार में लाभ धीरे-धीरे बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में स्थिरता आएगी। पारिवारिक रिश्तों में भावनात्मक सहयोग मिलेगा।

धनु राशि– धनु राशि के जातकों के लिए संवाद और विचारों की ताकत बढ़ेगी। नौकरी में मीटिंग, प्रेजेंटेशन या नई जिम्मेदारी फायदेमंद साबित हो सकती है। व्यवसाय में सौदे तय होने के संकेत हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। रिश्तों में स्पष्टता आने से संबंध मजबूत होंगे।

मकर राशि – मकर राशि वालों के लिए परिवार और बचत से जुड़े विषय अहम रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत को सराहा जाएगा और वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। व्यापार में नए अवसर सामने आ सकते हैं। आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे बेहतर होगी, जिससे भविष्य की योजनाएं आसान होंगी।

कुंभ राशि– कुंभ राशि के जातकों के लिए यह गोचर आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहेगा। नौकरी में पहचान बनाने के मौके मिलेंगे और जिम्मेदारी बढ़ेगी। व्यवसाय में विस्तार के संकेत हैं। आय में बढ़ोतरी संभव है। निजी जीवन में नएपन का एहसास होगा और आप खुलकर अपनी बात रख पाएंगे।

मीन राशि – मीन राशि वालों के खर्च बढ़ सकते हैं, खासकर यात्रा या जरूरी कामों पर। कार्यक्षेत्र में नए मौके मिलेंगे, लेकिन मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है। व्यापार में सही रणनीति से लाभ मिलेगा। निजी जीवन में शांति बनाए रखने की जरूरत रहेगी और धैर्य से काम लेना फायदेमंद होगा।

परीक्षा में अच्छे परिणाम के लिए आजमाकर देखें वास्तुशास्त्र के इन उपायों को, मिलेगा लाभ

परीक्षा की शुरुआत होते ही बच्चे अपने रिजल्ट की टेंशन लेने लगते हैं। वहीं, उन पर थोड़ा प्रेशर भी रहता है। ऐसे में पढ़ाई के साथ-साथ अगर कुछ वास्तु के उपाय कर लें तो इससे एकाग्रता बढ़ती है। उत्तम फल प्राप्त करने के लिए कर्म करना सबसे जरूरी है। इसलिए पढ़ाई में अच्छे परिणाम लाने के लिए मेहनत करने के साथ ही कुछ उपाय भी किए जा सकते हैं। वास्तु के अनुसार इनसे बुद्धि तेज करने और एकाग्रता बढ़ाने में मदद मिलती है। साथ ही, आसपास का वातावरण सकारात्मक होने से पढ़ाई में भी अधिक मन लग पाता है। आइए विस्तार से जानें वास्तु के कुछ सरल और असरदार उपाय...

स्टडी रूम में यह कलर कराना होगा लाभकारी

बच्चों के स्टडी रूम का वातावरण सकारात्मक होना बेहद जरूरी है। नेगेटिविटी होने से बच्चे अपनी पढ़ाई पर ध्यान नहीं लगा पाते हैं और उनका मन विचलित रहता है। ऐसे में वास्तु की मानें तो स्टडी रूम में ग्रीन कलर का पेंट होना चाहिए। अगर ऐसा संभव न हो तो इसकी जगह आप हरे तोते की कोई सकारात्मक तस्वीर अपने रूम में लगा सकते हैं। हरे रंग को बुध ग्रह से संबंधित माना गया है जो बुद्धि, वाणी, स्मरण शक्ति, विवेक और ज्ञान का कारक है। ऐसे में हरे रंग का प्रयोग घर में रखने से विद्यार्थी को लाभ मिल सकता है।

सही दिशा में हो स्टडी टेबल

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में हर वस्तु का सही दिशा और स्थान पर होना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका सीधा प्रभाव हमारे जीवन पर भी पड़ता है। ऐसे में शिक्षा में बेहतर करने के लिए स्टडी टेबल का भी सही दिशा में होना आवश्यक है। मान्यता है कि इसे हमेशा ईशान कोण, पूर्व या उत्तर दिशा में रखना चाहिए। इसके अलावा, बुक्स के रैक को पश्चिम या दक्षिण दिशा में रखना सही माना जाता है। लेकिन इस बात का ख्याल रखें की टेबल दीवार से सटी न हो इसे वास्तु दोष माना जाता है।

स्टडी टेबल पर जरूर करें ये काम

छात्रों के स्टडी टेबल पर छोटे साइज की भगवान गणेश की प्रतिमा या देवी सरस्वती की प्रतिमा रख सकते हैं। ऐसा करने से लाभ प्राप्त होगा। इसके अलावा, टेबल पर ग्लोब या तांबे का पिरामिड भी रख सकते हैं। इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है और आसपास का वातावरण सकारात्मक बना रहता है। ऐसे में बच्चों का पढ़ाई में अधिक मन लग सकता है, जिससे परीक्षा में भी बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

स्टडी टेबल या अपनी किताबों में रखें यह एक चीज

एकाग्रता को बढ़ाने के लिए एक सरल उपाय किया जा सकता है। इसके लिए विद्यार्थियों को अपने स्टडी टेबल पर एक मोर पंख जरूर रखना चाहिए। इसके अलावा, आप अपनी बुक में भी मोर पंख रख सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए इसे बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा करने से बुध ग्रह मजबूत होता और इसका सकारात्मक प्रभाव जीवन पर भी पड़ता है। इससे बच्चे की एकाग्रता और स्मरण क्षमता में वृद्धि हो सकती है। आप घर में जिस भी स्थान पर पढ़ाई करें उसे हमेशा साफ और व्यवस्थित रखना चाहिए। ऐसा करने से सकारात्मकता बढ़ती है। साथ ही, आप अपने कमरे में पॉजिटिविटी के लिए गुलाब या चंदन की धूपबत्ती जलाकर रख सकते हैं।

फाल्गुन कृष्ण की पंचमी तिथि जानें शुभ-अशुभ समय

सनातन धर्म में पंचांग का बेहद महत्व है। पंचांग न केवल पूजा-पाठ बल्कि दैनिक कार्य, सूर्योदय, सूर्यास्त की जानकारी देता है, बल्कि दिन के शुभ-अशुभ मुहूर्त भी बताता है। 6 फरवरी शुक्रवार को फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि है। शुक्रवार को हस्त नक्षत्र और चंद्रमा कन्या राशि में रहेंगे, जो कुछ कार्यों के लिए अनुकूल माना जाता है, लेकिन राहुकाल और अन्य अशुभ कालों का विचार भी महत्वपूर्ण है। पंचांग के पांच मुख्य तत्वों में तिथि, नक्षत्र, योग, करण और वार हैं। दृक पंचांग के अनुसार, कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि 1 बजकर 18 मिनट से रात 6 फरवरी तक रहेगी। नक्षत्र हस्त है, जो 12 बजकर 23 मिनट से 7 फरवरी तक की रात तक रहेगा। चंद्रमा कन्या राशि में संचरण करेंगे। सूर्योदय 7 बजकर 6 मिनट और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 4 मिनट पर होगा।

शुक्रवार को योग धृति 11 बजकर 37 मिनट तक रहेगा। करण कौलव दोपहर 12 बजकर 45 मिनट तक और फिर तैतिल रात 1 बजकर 18 मिनट से 7 फरवरी तक रहेगा। शुभ कार्य करने वालों के लिए महत्वपूर्ण समय का विचार करना चाहिए, ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 22 मिनट से 6 बजकर 14 मिनट तक रहेगा।

अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 13 मिनट से 12 बजकर 57 मिनट तक रहेगा। विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 25 मिनट से 3 बजकर 9 मिनट तक रहेगा। वहीं, गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 2 मिनट से 6 बजकर 28 मिनट तक रहेगा। अमृत काल शाम 6 बजकर 2 मिनट से 7 बजकर 44 मिनट तक रहेगा। धर्म शास्त्र के अनुसार, अशुभ समय में किए गए कार्य फलित नहीं होते ऐसे में इनसे बचना चाहिए।

शुक्रवार को राहुकाल सुबह 11 बजकर 13 मिनट से दोपहर 12 बजकर 35 मिनट तक रहेगा यमगंड दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से 4 बजकर 42 मिनट तक रहेगा। वहीं, गुलिक काल सुबह 8 बजकर 29 मिनट से 9 बजकर 51 मिनट तक रहेगा। इस दौरान शुभ कार्य करने की मनाही रहती है। इसके अलावा, शुक्रवार विष्णुप्रिया को समर्पित है। विधि-विधान से गई पूजा से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और सुख-समृद्धि का वरदान देती हैं।

सप्त पुरियां: भारत के वो 7 पवित्र नगर, जहां जन्म-मरण के बंधन से मुक्ति का मार्ग है

भारत को केवल एक देश नहीं, बल्कि आध्यात्मिक भूमि भी माना जाता है। यहां हर नदी, हर पर्वत और हर नगर के साथ कोई न कोई धार्मिक मान्यता जुड़ी हुई है। इन्हीं मान्यताओं में से एक है सप्त पुरियों की अवधारणा। हिंदू धर्म में माना जाता है कि ये सात पवित्र नगर ऐसे हैं, जहां निवास करने, दर्शन करने या अंतिम समय बिताने से व्यक्ति को जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति यानी मोक्ष की प्राप्ति होती है। यही वजह है कि सदियों से श्रद्धालु इन नगरों की यात्रा को जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य मानते आए हैं। सप्त पुरियों में सबसे पहला नाम आता है अयोध्या का। यह भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है। सरयू नदी के तट पर बसी अयोध्या को धर्म, मर्यादा और आदर्श जीवन का प्रतीक माना जाता है। कहा जाता है कि यहां की पवित्र भूमि में एक कदम भी आत्मा को शुद्ध कर देता है। आज भी राम नाम का जाप अयोध्या की हवा में घुला हुआ महसूस होता है।

दूसरी पुरी है मथुरा, जो भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि के रूप में जानी जाती है। यमुना नदी के किनारे बसी मथुरा भक्ति, प्रेम और आनंद का केंद्र है। यहां की गलियों में कृष्ण लीलाओं की कहानियां आज भी जीवंत हैं। माना जाता है कि मथुरा की भूमि पर की गई भक्ति सीधे भगवान तक पहुंचती है।

तीसरी पुरी है माया नगरी हरिद्वार, जिसे गंगा द्वार भी कहा जाता है। यही वह स्थान है जहां गंगा नदी पहाड़ों से उतरकर मैदानों में प्रवेश करती है। हरिद्वार को आत्मा की शुद्धि का द्वार माना जाता है। गंगा स्नान और हर की पौड़ी की आरती मन को अद्भुत शांति देती है।

चौथी और सबसे प्रसिद्ध पुरी है काशी (वाराणसी), जिसे भगवान शिव की नगरी कहा जाता है। मान्यता है कि काशी में मृत्यु होने पर स्वयं भगवान शिव कान में तारक मंत्र देते हैं, जिससे मोक्ष की प्राप्ति होती है। यही कारण है कि काशी को मोक्षदायिनी नगरी कहा जाता है। यहां जीवन और मृत्यु दोनों को बेहद सहज भाव से स्वीकार किया जाता है।

पांचवीं पुरी है कांचीपुरम, जो दक्षिण भारत में स्थित है। इसे मंदिरों का शहर कहा जाता है। कांची ज्ञान, भक्ति और वैराग्य का केंद्र रही है। शंकराचार्य से लेकर अनेक संतों ने इसे साधना की भूमि माना है।

छठी पुरी है अवंतिका, यानी उज्जैन, जहां महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग स्थित है। शिप्रा नदी के तट पर बसा उज्जैन समय और मृत्यु के देवता महाकाल की नगरी है। यहां मृत्यु को भी एक उत्सव और नए आरंभ के रूप में देखा जाता है।

सातवीं और अंतिम पुरी है द्वारका, जो भगवान श्रीकृष्ण की राजधानी रही है। समुद्र के किनारे बसी द्वारका भक्ति, त्याग और कर्तव्य का संदेश देती है। माना जाता है कि द्वारका में किया गया स्मरण और साधना आत्मा को मुक्त करती है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

अमरीका में 'मेड इन इंडिया'

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने न तो टैरिफ 50 फीसदी से घटा कर 18 फीसदी करने का निर्णय अचानक लिया और न ही भारत के साथ व्यापार समझौते की घोषणा एकदम की। ट्रंप प्रशासन तब से विमर्श और मंथन कर रहा था, जब भारत ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ 'मुक्त व्यापार समझौते' करने में सफल रहा। राष्ट्रपति ट्रंप अपने कुछ नीतिगत फैसलों और 'दादागीरी' के कारण भी घरेलू स्तर पर और वैश्विक संदर्भों में विरोध झेल रहे थे, लिहाजा अकेले पड़ते जा रहे थे। भारत-अमरीका के रणनीतिक संबंध किसी प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के मोहताज नहीं हैं। वे निरंतर और स्वाभाविक हैं, क्योंकि वैश्विक समीकरण ही ऐसे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने व्यापार समझौते की घोषणा की और फोन पर प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत की। दोनों नेताओं के संबंध 'प्यारे दोस्त' वाले भी हैं, दोनों एक-दूसरे को 'ताकतवर' भी मानते हैं, लेकिन परस्पर-विरोधी फैसले भी लेते हैं, अंततः रणनीतिक साझेदार मानने लगते हैं। बहरहाल भारत-अमरीका के बीच व्यापार समझौता हुआ है। इसकी बातचीत बड़ी लंबी चली है, समझौता खटाई में भी पड़ता गया है, तीखे विरोधाभास रहे हैं, अंततः समझौते की घोषणा की गई है। हालांकि समझौते का पूरा मसविदा, तमाम ब्यौरे अभी तक सार्वजनिक नहीं हैं, क्योंकि समझौते पर अभी हस्ताक्षर किए जाने हैं और दोनों देशों का 'साझा बयान' भी प्रतीक्षित है। संभवतः इसी सप्ताह यह औपचारिकता भी निपटा ली जाएगी, भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने ऐसा बयान दिया है। व्यापार समझौता हुआ है, तो जाहिर है कि अब 30 ट्रिलियन डॉलर वाली दुनिया की सबसे बड़ी, ताकतवर अर्थव्यवस्था के बाजार में 'मेड इन इंडिया' सामान और उत्पादों के बिकने का रास्ता साफ हो गया है। भारत को वस्त्र, रेडिमेड कपड़े, रसायन, ऑटो, कालीन, आईटी हार्डवेयर, फार्मा, रत्न-आभूषण, पेट्रो उत्पाद, लोहा-इस्पात, प्लास्टिक, एल्युमीनियम, तांबा, चमड़ा-जूते और फर्नीचर आदि के क्षेत्र में फायदा होगा। 'व्यापार समझौता' कितना सकारात्मक और फलदायक है, वह इसी से स्पष्ट है कि 8 सालों में 'रुपया' पहली बार 122 पैसे चढ़ा है और अब एक डॉलर 90.27 रुपए तक लुढ़क आया है। शेयर बाजार में निवेशकों ने एक ही दिन में 12 लाख करोड़ रुपए कमाए हैं। विदेशी निवेशक और एफआईआई एक बार फिर भारत में अपने निवेश बढ़ाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप के निर्णय और घोषणा का हम भी स्वागत करते हैं, लेकिन उन्हें 'वाचाल दावों' से परहेज करना चाहिए। मसलन-उन्होंने दावा किया है कि भारत ने 500 अरब डॉलर (करीब 45.15 लाख करोड़ रुपए) के अमरीकी उत्पादों की खरीद का संकल्प लिया है। इनमें ऊर्जा, अत्याधुनिक तकनीक-प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य उत्पाद शामिल हैं। दरअसल भारत का कुल वैश्विक आयात 721 अरब डॉलर का है। भारत का आम बजट भी 53.47 लाख करोड़ रुपए का है। उसमें से 45 लाख करोड़ रुपए अकेले अमरीकी उत्पादों पर कैसे खर्च किए जा सकते हैं? राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी दावा किया है कि भारत टैरिफ, नॉन टैरिफ बाधाओं को दूर करते हुए अमरीकी उत्पादों पर 'शून्य' टैरिफ को भी सहमत हो गया है। यदि भारत 'शून्य' टैरिफ लगाएगा, तो उसकी कंपनियों का तो भ_ा ही बैठ जाएगा। हकीकत यह है कि भारत ने 'शून्य' टैरिफ पर सहमति ही नहीं दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी 'धन्यवाद' की जो पोस्ट लिखी है, उसमें भी सहमति का जिक्र नहीं है। सबसे संवेदनशील यह है कि भारत ने गेहूं, मक्का, सोयाबीन और डेयरी उत्पादों के लिए भारतीय बाजार नहीं खोला है। फिर अमरीका की कृषि मंत्री ब्रूक रोलिन्स क्यों उछल रही हैं कि अब अमरीका के कृषि उत्पाद भी भारत जैसे विशाल बाजार में बिकेंगे? रूसी तेल के मुद्दे पर भी ट्रंप ने गलतबयानी की है। बेशक भारत ने रूसी तेल खरीदना कम किया है, क्योंकि वह उतना सस्ता नहीं पड़ रहा है, लेकिन फिर भी भारत ने 13 जनवरी, 2026 तक 11.4 लाख बैरल तेल प्रतिदिन रूस से खरीदा है। मार्च में भी यह मात्रा 8-9 लाख बैरल प्रतिदिन की रहेगी। बहरहाल भारत-अमरीका के बीच एक नया अध्याय शुरू हो रहा है, लेकिन अभी यह जश्न मनाने का वक्त नहीं है।

> भारत-अमरीका के रणनीतिक संबंध किसी प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के मोहताज नहीं हैं। वे निरंतर और स्वाभाविक हैं, क्योंकि वैश्विक समीकरण ही ऐसे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने व्यापार समझौते की घोषणा की और फोन पर प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत की। दोनों नेताओं के संबंध 'प्यारे दोस्त' वाले भी हैं, दोनों एक-दूसरे को 'ताकतवर' भी मानते हैं, लेकिन परस्पर-विरोधी फैसले भी लेते हैं, अंततः रणनीतिक साझेदार मानने लगते हैं। बहरहाल भारत-अमरीका के बीच व्यापार समझौता हुआ है। इसकी बातचीत बड़ी लंबी चली है, समझौता खटाई में भी पड़ता गया है, तीखे विरोधाभास रहे हैं, अंततः समझौते की घोषणा की गई है। हालांकि समझौते का पूरा मसविदा, तमाम ब्यौरे अभी तक सार्वजनिक नहीं हैं, क्योंकि समझौते पर अभी हस्ताक्षर किए जाने हैं और दोनों देशों का 'साझा बयान' भी प्रतीक्षित है। संभवतः इसी सप्ताह यह औपचारिकता भी निपटा ली जाएगी, भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने ऐसा बयान दिया है। व्यापार समझौता हुआ है, तो जाहिर है कि अब 30 ट्रिलियन डॉलर वाली दुनिया की सबसे बड़ी, ताकतवर अर्थव्यवस्था के बाजार में 'मेड इन इंडिया' सामान और उत्पादों के बिकने का रास्ता साफ हो गया है।

कुछ अलग

संपर्क बिना जग सून...

हमें मालूम हो गया कि उनकी धरती के इस चौड़े सीने पर हमारे जैसों को कोई जगह नहीं मिलेगी। चंद महापुरुषों से मुलाकात हुई है, जो मिलते ही हमसे चरण वंदना की उम्मीद करने लगते हैं। नहीं कर पाते, तो हमें तुरंत अपने गुट से बाहर फेंक देते हैं। हमारे खिलाफ एकतरफा जंग का ऐलान कर देते हैं, लेकिन अब जो पहले ही आपके अखाड़े में पराजित बैठा हो, उसे जंग लडऩे के लिए कैसे उकसाओगे? जिंदगी के कामयाबी से जीने के आपके कुछ असूल हैं, जो उम्र भर उन पर चल ही नहीं पाया, उसके खिलाफ आपने अपना फौज फांटा खड़ा भी कर लिया, तो क्या किया। जो आपके अखाड़े में उतरा ही नहीं, उसे आपके अखाड़े का भगौड़ा घोषित कर दिया, यह क्या किया? वह मूर्ख था। उसने जो किताबों में पढ़ा था, उसे ही अपनी जिंदगी में ढालने का प्रयास करता रहा, इसलिए कभी न उधर का हो सका, न इधर का। कामयाबी ने उसके कभी पग तो क्या माथा भी नहीं चूमा, और असफलता तो उसका परिचय बनी। उसके साथ कोई अतिवादी मानक डिग्रियां कैसे जोड़ देता? हमने छक्कन से पूछा, 'कि आप किस की बात कह रहे हैं, भाई साहब। कहीं हमारी और हमारे लिखने की बात तो नहीं कर रहे, जिसे कभी किसी ने पढ़ा तो है न, और लेखक मानने से हमेशा इन्कार कर दिया।' इसके बावजूद आप मरते दम तक लिखने से बाज नहीं आए। वह अवश्य आश्वस्त हो गए होंगे, कि इस जन्मजात जुनूनी का शुरू से कोई पेंच ढीला था, देख तो मरते दम तक ढीला ही रहा। उन्होंने कह दिया होगा। अपने बारे में ऐसा सुनना कुछ अजीब नहीं लगता।

सुप्रिया के नियंत्रण में इन नेताओं का काम करना असहज होता

सत्ता की निष्कंटक राह बरास्ते सुनेत्रा की ताजपोशी

उमेश चतुर्वेदी

> महाराष्ट्र के राजभवन में जनवरी महीने के आखिरी दिन जो राजनीतिक इतिहास रचा गया, उसकी कहानी किसने लिखी थी। महाराष्ट्र में भले ही शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली हो, लेकिन राज्य की राजनीति के सबसे मंजे हुए खिलाड़ी शरद पवार हैं। यह बात छुपी हुई नहीं है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच सुलह और एकीकरण की बात चल रही थी। शरद पवार तो खुलकर स्वीकार भी कर चुके हैं कि उनकी ओर से जयंत पाटिल, अजित पवार से बात कर रहे थे। कहा तो यहां तक जा रहा है कि 12 फरवरी को दोनो पार्टियों के विलय पर अजित और शरद में सहमति हो चुकी थी। लेकिन अजित के न रहने के बाद समीकरण बदल गए। अजित के साथ गए अहम नेताओं प्रफुल्ल पटेल, आर आर पाटिल और सुनील तटकरे जैसे नेताओं की आशंकाएं बढ़ गईं। उन्हें डर था कि अगर विलय हुआ तो शरद पवार की पार्टी पर नियंत्रण बढ़ जाएगा।

राजनीति जज्बात से नहीं, हालात के हिसाब से चलती है। महाराष्ट्र में सुनेत्रा पवार का शपथ ग्रहण इसका उदाहरण है। सुनेत्रा के आंसू अभी सूखे भी नहीं, पति अजित पवार के निधन के शोक से उबरना तो दूर की बात है। फिर भी उन्होंने सियासी तकाजे को ही प्राथमिकता दी और महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनकर इतिहास रच दिया। पारिवारिक वज्रपात के बीच सिंहासन पर बैठने को लेकर उनकी आलोचना स्वाभाविक है, क्योंकि समाज के सोचने का अपना ढंग है। सियासी हस्तियों से भी उसे सामाजिक परंपराओं और पारिवारिक संस्कारों को अपनाने की उम्मीद रहती है। सुनेत्रा सामाजिक सवालों से बच नहीं सकतीं। लेकिन सवाल यह है कि सुनेत्रा की ताजपोशी से महाराष्ट्र की राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ने जा रहा है? प्रश्न यह भी उठता है कि आखिर क्या वजह रही कि सुनेत्रा ने आनन-फानन में शपथ ले ली। महाराष्ट्र के राजभवन में जनवरी महीने के आखिरी दिन जो राजनीतिक इतिहास रचा गया, उसकी कहानी किसने लिखी थी। महाराष्ट्र में भले ही शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली हो, लेकिन राज्य की राजनीति के सबसे मंजे हुए खिलाड़ी शरद पवार हैं। यह बात छुपी हुई नहीं है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच सुलह और एकीकरण की बात चल रही थी। शरद पवार तो खुलकर स्वीकार भी कर चुके हैं कि उनकी ओर से जयंत पाटिल, अजित पवार से बात कर रहे थे। कहा तो यहां तक जा रहा है कि 12 फरवरी को दोनो पार्टियों के विलय पर अजित और शरद में सहमति हो चुकी थी। लेकिन अजित के न रहने के बाद समीकरण बदल गए। अजित के साथ गए अहम नेताओं प्रफुल्ल पटेल, आर आर पाटिल और सुनील तटकरे जैसे नेताओं की आशंकाएं बढ़ गईं। उन्हें डर था कि अगर विलय हुआ तो शरद पवार की पार्टी पर नियंत्रण बढ़ जाएगा। इसके चलते सुप्रिया सुले की पार्टी पर पकड़ बढ़ जाएगी। सुप्रिया के नियंत्रण में इन नेताओं का काम करना असहज होता। प्रफुल्ल कभी शरद पवार के बेहद नजदीकी होते थे। अजित के साथ जाकर एक तरह से उन्होंने शरद पवार के साथ दगाबाजी ही की है। उन्हें ज्यादा आशंका थी कि विलय के बाद पार्टी पर पकड़ होने के चलते शरद के बहाने सुप्रिया का चाबुक उन पर चल सकता है। लेकिन अगर पार्टी अलग रहती है और सुनेत्रा के हाथ कमान रहती है तो इन नेताओं की सियासी सेहत बनी और बची रह सकती है। यही वजह है कि अजित के निधन के चलते हुए आधिकारिक शोक की मियाद खत्म होते ही प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे जैसे नेता सक्रिय हो गए। विधायक दल की बैठक बुलाई गई और सुनेत्रा को तत्काल उसका नेता चुनकर उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए तैयार

कर लिया गया। शरद पवार भले ही इस सियासी पटकथा का लेखक सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल को मानते हों, लेकिन महाराष्ट्र के सियासी हलकों में कहा जा रहा है कि असल में यह पटकथा राज्य की बीजेपी ने लिखा है। पटेल और तटकरे जैसे नेताओं ने सिर्फ इसे अमल में लाने में भूमिका निभाई है। सवाल उठ सकता है कि अगर सुनेत्रा शपथ नहीं लेतीं तो क्या बीजेपी की सियासी सेहत गड़बड़ा सकती थी, क्योंकि राज्य में बीजेपी के 132 और एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना के 57 विधायक हैं। राज्य में बहुमत के लिए महज 145 सीटें चाहिए होती हैं। इस लिहाज से देखें तो बीजेपी की अगुआई वाली सरकार को कोई खतरा नहीं होने जा रहा था। अजित समेत एनसीपी के 41 विधायक पिछले चुनाव में चुने गए हैं। अजित के न रहने पर यह संख्या 40 रह गई है। लेकिन बीजेपी की चिंता दूसरी है। शरद पवार की राजनीतिक स्थिति भले ही ठीक ना हो, लेकिन जैसे ही दोनों एनसीपी का विलय होता, शरद ताकतवर होकर उभरते। महाराष्ट्र का यह चाणक्य एक बार फिर स्थापित होता और बीजेपी के लिए नई सिरदर्दी खड़ी हो जाती। शरद पवार इतने प्रभावी और सियासी रूप से तिकड़मी हैं कि बीजेपी के लिए संकट बनकर उभर जाते। उनकी प्रभावी सक्रियता के चलते शिवसेना के गुटों को भी एक करने की वे कोशिश कर सकते थे। भले ही यह सोच कल्पना लग रही हो, लेकिन एकबारगी स्वीकार कर लें कि ऐसा होता तो महाराष्ट्र की राजनीति कैसी होती। महाराष्ट्र में जिला परिषदों के चुनाव हो रहे हैं। पहले विधानसभा और बाद में स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की अगुआई वाली महाविकास अघाड़ी को सफलता नहीं मिली। अजित पवार के न रहने के चलते कांग्रेस को सक्रिय होना चाहिए था। अजित की अगुआई वाले जिला परिषद उम्मीदवार उनके न रहने की वजह से थोड़े आशंकित और निराश भी हैं। इस निराशा को कांग्रेस भुना सकती थी। वह एनसीपी के उम्मीदवारों पर डोरे डाल सकती थी और अपने उम्मीदवारों को नए जोश से भर सकती थी। अजित बेशक सत्ता में थे, लेकिन उन्हें विपक्षी खेमे के लिए अब भी हसरतभरी निगाह से ताकतवर नेता के रूप में देखा जा रहा था। अजित के न रहने के बाद विपक्षी नेतृत्व के लिए आसमान खुल गया है। शरद पवार की उम्र हो गई है। शरद के बाहर जाने के बाद से ही कांग्रेस राज्य में कमजोर हुई है। सुप्रिया सुले का नेतृत्व ऐसा नहीं है कि वह राज्यव्यापी प्रभाव हासिल कर पाए। यह माहौल कांग्रेस के लिए ज्यादा उपयुक्त हो सकता है। ऐसे माहौल में कांग्रेस को अपने ताकतवर नेतृत्व को स्थानीय स्तर पर आगे लाना चाहिए था। लेकिन वह ऐसा करती नहीं दिख रही। 2014 के बाद से उसने जिस नैरेटिव युद्ध की शैली को अपनाया है, राष्ट्रीय स्तर पर उसी युद्ध प्रक्रिया को जारी रखे हुए है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के पास फुर्सत नहीं है कि वह महाराष्ट्र या किसी अन्य राज्य की राजनीति के बारे में स्थानीय जरूरतों के लिहाज से सोचे और स्थानीय समुदायों के लिए उन्हीं के बीच से प्रभावी नेतृत्व उभारे। रणनीतिक लिहाज से देखें तो महाराष्ट्र में बीजेपी सभी दलों पर एक बार फिर बीस पड़ती नजर आ रही है। उसने सुनेत्रा को अपने खेमे में लाकर एक तीर से दो निशाने साध लिए हैं। उसने एनसीपी की ओर निश्चिंतता हासिल कर ली है, शरद पवार को एक बार फिर किनारे रखने में सफल हुई है और अपने लिए खतरा बनने की शरद की संभावनाओं को एक तरह से नेस्तनाबूद कर दिया है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई देश की आर्थिक राजधानी भी है। इसी वजह से केंद्रीय सत्ता के बाद सबसे ज्यादा प्रभावशाली महाराष्ट्र की सत्ता मानी जाती है। माना जाता है कि कारपोरेट और औद्योगिक जगत पर सबसे ज्यादा पकड़ महाराष्ट्र के सिंहासन की होती है। मौजूदा राजनीति में आर्थिकी सबसे ज्यादा प्रभावी है। महाराष्ट्र की सत्ता पर पकड़ देश की आर्थिक ताकतों की नब्ज पर पकड़ बनाती है। यह बताने की जरूरत नहीं है कि बीजेपी अपनी इस पकड़ को कमजोर होते नहीं देखना चाहती। इसलिए उसने सुनेत्रा को साधने में देर नहीं लगाई। इसके लिए एनसीपी के ही नेताओं को अपना औजार बनाया और सफल रही। वैसे भी शरद पवार उम्र के उस पड़ाव पर हैं, जहां से उनके लिए गुंजाइश कम है। उनके पास सक्रिय रहने के लिए ज्यादा वक्त नहीं है। बेशक वे अब भी कमजोर हों, लेकिन बीजेपी के लिए सबसे बड़ी चुनौती उद्धव ठाकरे नहीं, शरद पवार ही हैं। सुनेत्रा को अपने खेमें में लाकर बीजेपी ने शरद की इस बची-खुची चुनौती भी खत्म करने में कामयाब रही है। सुनेत्रा के साथ से एकनाथ शिंदे के लिए महायुति से बाहर निकलने की सोचना या बीजेपी पर दबाव बढ़ाने का मौका खत्म हो जाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति शिंदे के साथ के चलते सुनेत्रा की भी रहेगी। बीजेपी सुनेत्रा के जरिए शिंदे को संतुलित करेगी तो शिंदे के जरिए सुनेत्रा को काबू में रखेगी।

देश दुनिया से

राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता

नीति निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया। यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मर्यादाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो। संसद के भीतर अप्रकाशित 'संस्मरण' के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मर्यादा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है। राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनिया एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। जबकि सच्चाई यह है और सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई। कांग्रेस की भूमिका पर भी गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है। एक समय देश को नेतृत्व देने वाली पार्टी आज बार-बार ऐसे प्रसंगों में उलझती दिखती है, जहां बयानबाजी मुद्दों पर भारी पड़ जाती है। राहुल गांधी एक प्रभावशाली वक्ता हैं, जनभावनाओं को छूने की क्षमता रखते हैं और युवाओं में संवाद स्थापित कर सकते हैं। किंतु यही कारण है कि उनसे अधिक जिम्मेदारी की अपेक्षा भी की जाती है। बार-बार ऐसे मुद्दे उठाना जिन्हें सत्ता पक्ष राष्ट्रीय एकता के लिए घातक बताता हो, कांग्रेस की छवि को गैर-जिम्मेदार विपक्ष के रूप में मजबूत करता है। यह धारणा चाहे पूरी तरह सही न हो, लेकिन राजनीति में धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है जितना तथ्य। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो परिपक्व लोकतंत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस के लिए अलग-अलग संसदीय समितियां, बंद सत्र और संस्थागत प्रक्रियाएं होती हैं। सार्वजनिक मंचों पर बयान देते समय नेता प्रायः संकेतों और नीतिगत प्रश्नों तक सीमित रहते हैं, विस्तृत सैन्य विवरणों से परहेज करते हैं। भारत में भी ऐसी परंपरा विकसित होनी चाहिए, जहां विपक्ष सरकार से जवाबदेही मांगे, परंतु सेना और सुरक्षा संस्थानों की साख को राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा न बनाया जाए। यही संतुलन लोकतंत्र को मजबूत करता है। लेकिन राहुल गांधी पूर्व में भी सैन्य बयानों से न केवल सुरक्षा के लिये खतरा बनते रहे हैं बल्कि हमारे जवानों के मनोबल को भी आहत करते रहे हैं। यह भी सच है कि सरकार को पारदर्शिता से घबराना नहीं चाहिए। यदि विपक्ष किसी पुस्तक, रिपोर्ट या बयान का हवाला देता है, तो उसका संस्थागत और तथ्यपरक उत्तर दिया जाना चाहिए।

आप का नज़रिया

जाति, न्याय और लोकतंत्र : एक असहज सच्चाई

भारत का लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि एक नैतिक संकल्प है—समानता, न्याय और बंधुत्व का। संविधान की प्रस्तावना इसी संकल्प का उद्घोष करती है। परंतु आज जब हम अपने चारों ओर देखते हैं, तो यह प्रश्न असहज रूप से सामने खड़ा होता है कि क्या हम उस संकल्प के साथ न्याय कर पा रहे हैं? या फिर लोकतंत्र का यह ढांचा भीतर से दरक चुका है, जहाँ कानून, व्यवस्था और सत्ता—तीनों ही जाति, वर्ग और पहचान की गिरफ़्त में हैं। आज कानून बनते हैं, संशोधन होते हैं, नए-नए प्रावधान जोड़े जाते हैं, परंतु उनके पीछे की मंशा पर सवाल उठना स्वाभाविक हो गया है। क्या ये कानून नागरिक के लिए हैं, या किसी विशेष समूह, वर्ग या वोट बैंक के लिए? जब विधायन का आधार तर्क और न्याय की जगह सामाजिक पहचान लेने लगे, तब लोकतंत्र का संतुलन बिगड़ना तय है। कानून का काम समाज को जोड़ना है, लेकिन यदि वही समाज को खाँचों में बाँटने का माध्यम बन जाए, तो यह स्थिति केवल चिंताजनक नहीं, बल्कि खतरनाक भी है। न्याय व्यवस्था की भूमिका किसी भी लोकतंत्र में सबसे पवित्र मानी जाती है। न्यायालय वह स्थान है जहाँ अंतिम उम्मीद जाकर टिकती है। लेकिन जब यह धारणा बनने लगे कि न्याय की दहलीज़ पर पहुँचने से पहले व्यक्ति की जाति, हैसियत और राजनीतिक संरक्षण देखा जा रहा है, तो विश्वास की नींव हिलने लगती है।

> आज कानून बनते हैं, संशोधन होते हैं, नए-नए प्रावधान जोड़े जाते हैं, परंतु उनके पीछे की मंशा पर सवाल उठना स्वाभाविक हो गया है। क्या ये कानून नागरिक के लिए हैं, या किसी विशेष समूह, वर्ग या वोट बैंक के लिए? जब विधायन का आधार तर्क और न्याय की जगह सामाजिक पहचान लेने लगे, तब लोकतंत्र का संतुलन बिगड़ना तय है। कानून का काम समाज को जोड़ना है, लेकिन यदि वही समाज को खाँचों में बाँटने का माध्यम बन जाए, तो यह स्थिति केवल चिंताजनक नहीं, बल्कि खतरनाक भी है। न्याय व्यवस्था की भूमिका किसी भी लोकतंत्र में सबसे पवित्र मानी जाती है। न्यायालय वह स्थान है जहाँ अंतिम उम्मीद जाकर टिकती है। लेकिन जब यह धारणा बनने लगे कि न्याय की दहलीज़ पर पहुँचने से पहले व्यक्ति की जाति, हैसियत और राजनीतिक संरक्षण देखा जा रहा है, तो विश्वास की नींव हिलने लगती है। न्याय केवल निर्णय नहीं होता; वह भरोसा होता है।

न्याय केवल निर्णय नहीं होता; वह भरोसा होता है। और जब यह भरोसा टूटता है, तो उसका असर केवल एक व्यक्ति पर नहीं, पूरे समाज पर पड़ता है। आज न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या, फैसलों में देरी, और कुछ मामलों में दिखता स्पष्ट या अप्रत्यक्ष पक्षपात—ये सब लोकतंत्र के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रश्नचिह्न हैं। लोकतंत्र के नाम पर सत्य का क्षरण एक धीमी लेकिन निरंतर प्रक्रिया है। यह एक दिन में नहीं होता। पहले असुविधाजनक सवालों को 'राष्ट्र-विरोधी' कहा जाता है, फिर आलोचना को 'षड्यंत्र' बताया जाता है, और अंततः सच बोलने वालों को हाशिए पर धकेल दिया जाता है। जब संसद में बहसें समाधान से अधिक शोर बन जाएँ, जब मीडिया का एक बड़ा हिस्सा सत्ता का विस्तार बन जाए, और जब सामाजिक विमर्श भावनाओं के उकसावे तक सिमट जाए—तो समझ लेना चाहिए कि लोकतंत्र केवल औपचारिक रूप से जीवित है, उसकी आत्मा संकट में है। समरसता की बातें हर मंच से होती हैं, लेकिन ज़मीनी सच्चाई इसके उलट दिखाई देती है। समाज में विभाजन गहराता जा रहा है—धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, भाषा और क्षेत्र के नाम पर। सत्ता इन विभाजनों को पाटने के बजाय, अक्सर इन्हें साधन की तरह इस्तेमाल करती है। 'फूट डालो और राज करो' अब इतिहास की किताबों में दर्ज कोई औपनिवेशिक नीति नहीं रही, बल्कि समकालीन राजनीति की एक प्रभावी रणनीति बन चुकी है। जब जनता आपस में उलझी रहती है, तब सत्ता से सवाल करने की ताक़त कमजोर पड़ जाती है। यह विडंबना ही है कि एक ओर जाति-पाति मिटाने की बातें होती हैं, दूसरी ओर हर राजनीतिक गणित जातिगत समीकरणों पर आधारित होता है। चुनावी टिकटों से लेकर नीतिगत फैसलों तक, जाति एक निर्णायक तत्व बनी हुई है। ऐसे में 'जाति से ऊपर उठने' का उपदेश खोखला प्रतीत होता है। यदि सचमुच जाति अप्रासंगिक होती, तो उसका उल्लेख हर नीति, हर बहस और हर चुनाव में इतनी प्रमुखता से क्यों होता? आशाओं के इस देश में निराशा का बढ़ता विस्तार केवल आर्थिक कारणों से नहीं है। बेरोज़गारी, महँगाई और संसाधनों की असमानता तो कारक हैं ही, लेकिन उससे भी बड़ा कारण है—विश्वास का टूटना। सत्ता का सच से मुँह फेर लेना किसी भी समाज के लिए शुभ संकेत नहीं है। जब शासन केवल अपनी छवि गढ़ने में व्यस्त हो जाए और वास्तविक समस्याओं से आँख चुराने लगे, तब झूठ एक समानांतर यथार्थ रच देता है। इस यथार्थ में आँकड़े चमकदार होते हैं, भाषण ऊँचे होते हैं, लेकिन आम आदमी की ज़िंदगी लगातार कठिन होती जाती है। सच को ढंकने के लिए प्रचार का सहारा लिया जाता है, और धीरे-धीरे जनता को यही सिखाया जाता है कि सवाल करना असभ्यता है। विधान सभाओं और संसद में सामाजिक न्याय की बातें अक्सर सुनाई देती हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर वही अन्याय नए-नए रूपों में सामने आता है। नीतियों में सुधार के नाम पर ऐसे प्रावधान लाए जाते हैं, जो या तो आधे-अधूरे होते हैं या फिर नए विवादों को जन्म देते हैं। यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब नीति-निर्माण में प्रभावित वर्गों की वास्तविक भागीदारी न हो, और फैसले ऊपर से थोपे जाएँ। लोकतंत्र की असली परीक्षा संकट के समय होती है।

दृष्टि कोण

केंद्रीय बजट : आरडीजी संकट से सांसत में प्रदेश सरकार

कहां तो हिमाचल प्रदेश सरकार के मुखिया सुखविंदर सिंह सुक्खू ये आस लगाए बैठे हुए थे कि पिछले 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों की भांति 16वें वित्त आयोग द्वारा भी राजस्व घाटा अनुदान मिलने से वे विकास कार्यों को गति और सरकारी कर्मचारियों के प्रति देनदारियों को पूरा कर अगले साल के अंत में होने वाले चुनावों में पूरे दमखम से उतरेंगे और कहां अब केंद्र सरकार ने अपनी बजट घोषणा में आरडीजी को ही एक झटके में खत्म कर हिमाचल सहित कई राज्यों की उम्मीदों को झटका दे दिया है। निश्चित रूप से राजस्व घाटा अनुदान का समाप्त होना हिमाचल की आर्थिक सेहत पर विपरीत प्रभाव डाल सकता है। क्या यह माना जाए कि राजस्व घाटा अनुदान का खत्म किया जाना एक राजनीतिक साजिश है? मुख्यमंत्री सुक्खू ने मीडिया के समक्ष आरडीजी ग्रांट पर अपनी व्यथा जाहिर करते हुए इसे हिमाचल की आर्थिकी के लिए 'काला दिन' बताया है। उनका यह भी कहना है कि हिमाचल के पानी, पर्यावरण और ऊर्जा का उपयोग पड़ोसी राज्य अपने फायदे के लिए करें और बदले में हिमाचल को आरडीजी अनुदान से भी वंचित कर दिया जाए। केंद्रीय बजट 2026-27 हिमाचल प्रदेश के लिए केवल एक सामान्य बजटीय दस्तावेज नहीं है, बल्कि उसके आर्थिक भविष्य पर गहरे प्रश्नचिह्न छोडऩे वाला ऐतिहासिक मोड़ बन गया है। भारत में वित्त आयोग 22 नवंबर 1951 से प्रचलन (गठन) में है। केसी नियोगी की अध्यक्षता में पहले वित्त आयोग का गठन किया गया था। यह संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत राष्ट्रपति द्वारा केंद्र और राज्यों के बीच करों के बंटवारे हेतु हर 5 साल में गठित किया जाने वाला एक संवैधानिक निकाय है। 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए केंद्र सरकार का रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट को खत्म करने वाला यह निर्णय हिमाचल जैसे छोटे, पहाड़ी और विशेष भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य पर पडऩा तय है। हिमाचल प्रदेश एक पर्वतीय राज्य है, जहां भौगोलिक दुर्गमता, सीमित औद्योगिक आधार, पर्यावरणीय

प्रतिबंध और बार-बार आने वाली प्राकृतिक आपदाएं विकास की राह को पहले ही कठिन बना देती हैं। ऐसे में राजस्व घाटा अनुदान राज्य के लिए केवल वित्तीय सहायता नहीं, बल्कि प्रशासनिक स्थिरता और विकास योजनाओं की रीढ़ रहा है। 15वें वित्त आयोग के दौरान हिमाचल को लगभग 39127 करोड़ रुपए का राजस्व घाटा अनुदान मिला था, जिससे वेतन, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं और बुनियादी ढांचा किसी तरह संतुलन में रहा। अब 16वें वित्त आयोग ने यह अनुदान पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इसका अर्थ है कि अगले पांच वर्षों में हिमाचल को लगभग 35 से 40 हजार करोड़ रुपए के संसाधनों से वंचित होना पड़ेगा। इसका सीधा असर राज्य की आर्थिक सेहत, विकास की गति और आम जनजीवन पर पड़ेगा। वित्त आयोग का तर्क है कि राजस्व घाटा अनुदान राज्यों को राजकोषीय सुधारों से दूर करता है और निर्भरता को बढ़ावा देता है। यह तर्क कागजों में भले ही आकर्षक लगे, लेकिन हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्यों की जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। पहाड़ी राज्यों के पास न तो बड़े महानगर हैं, न विशाल औद्योगिक क्लस्टर और न ही कर संग्रह बढ़ाने के असीम अवसर। यहां सडक़, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सेवाएं भी कहीं अधिक लागत में उपलब्ध करानी पड़ती हैं। केंद्रीय बजट 2026-27 में राज्यों को केंद्रीय करों में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी बरकरार रखी गई है और 1.40 लाख करोड़ रुपए के वित्त आयोग अनुदान का प्रावधान किया गया है, जिसमें स्थानीय निकायों और आपदा प्रबंधन शामिल हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएं बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। आप अचानक गुलाबों की ख़ुश्बू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे।कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आपका कोई खास ही आज आपके साथ विश्वासघात कर सकता है। जिसकी वजह से आप दिनभर परेशान रह सकते हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। दफ़्तर में आपको पता लग सकता है कि जिसे आप अपना दुश्मन समझते थे, वह दरअस्ल आपका शुभचिंतक है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करें। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। अपने जज़्बात दूसरों के साथ साझा करने से फ़ायदा मिलेगा। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। ऐसा लगता है कि पारिवारिक–मोर्चे पर आप ज़्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे। रिश्तेदारों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में परेशानी पैदा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। अगर आप हर किसी की मांग पूरी करने की कोशिश करेंगे, तो सिर्फ़ नाकामी आपके हाथ लगेगी। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आज जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। बढ़िया खाना, रोमानी पल और जीवनसाथी का साथ यही ख़ास है आज।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 फरवरी 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 01:21 तक
नक्षत्र : हस्त रात्रि 12:24 तक
योग : धृति रात्रि 11:36 तक
करण : कौलव दोपहर 12:47 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 06:13 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45, सूर्यास्त 06:22 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 06:14 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:36, सूर्यास्त 06:06 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : धनिष्ठा में रवि दोपहर 02:04 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पेपरलीक के प्रकरणों में 140 एफआईआर दर्ज

428 से अधिक अपराधी जेल की सलाखों के पीछे : भजनलाल

जयपुर, 05 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई बहस का जवाब देते हुए पहली बार दो वर्ष की उपलब्धियों का दस्तावेज सदन के पटल पर रखा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने दो साल में पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल की तुलना में अधिक कार्य किए हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य में सड़क, बिजली, पानी, कृषि, महिला, युवा कल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में वर्तमान सरकार द्वारा दो साल में किए गए कार्यों का तुलनात्मक ब्यौरा सदन के सामने रखा और कहा कि राज्य सरकार ने अर्थव्यवस्था को न केवल स्थिरता दी, बल्कि उसे गति और दिशा भी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का एकमात्र ध्येय जनकल्याण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित तीन कर्तव्य – उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना, लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना और उनकी क्षमताओं का निर्माण करना और सबका साथ, सबका विकास के मूलमंत्र पर हम प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। श्री शर्मा ने रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना एवं माही–बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र और भारत की यूरोपियन यूनियन और अमेरिका के साथ ट्रेड डील्स के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। कल्पवृक्ष खेजड़ी के लिए लाएंगे कानून मुख्यमंत्री ने कहा कि खेजडी राजस्थान का कल्पवृक्ष भी है, राजस्थान की पहचान भी है, जिसकी बढते हुए रेगिस्तान को रोकने में हमेशा सार्थक भूमिका रही है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार विकास और विरासत दोनों को संजोने का कार्य कर रही है। हम राज्य के कल्पवृक्ष खेजड़ी को बचाने के लिए कानून भी लाएंगे, जिससे प्रदेश में खेजड़ी संरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने वृक्षारोपण का महाअभियान चलाया और केवल दो वर्षों में 20 करोड़ पौधे लगाए। हमने लक्ष्य तय किया है कि पांच वर्षों में 50 करोड़ से अधिक पौधे लगाएंगे। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत बना चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में हमारे देश ने विकास, विश्वास और आत्मसम्मान का एक नया इतिहास रचा है। देश की अर्थव्यवस्था जो 2014 में दुनिया में 11 वें स्थान पर थी। प्रधानमंत्री के सफल प्रयासों, ठोस निर्णयों एवं कुशल नेतृत्व से चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

उन्होंने कहा कि ब्रिटेन एवं जापान की अर्थव्यवस्था को भी पछाड़कर हमारी अर्थव्यवस्था 4.18 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार करते हुए दुनिया की सबसे तेज रफ्तार से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है। दो वर्षों में ही राजस्व घाटे में आई 8 हजार करोड़ की कमी शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय वित्तीय कुप्रबंधन ने ऐसा हाल कर दिया था कि खजाना खाली, योजनाएं अधूरी और भरोसा टूटा हुआ था। पिछली सरकार ने हमें विरासत में 5 लाख 79 हजार 781 करोड़ रूपये का कर्ज दिया था। बडे.राज्यों की श्रेणी में पंजाब के बाद राजस्थान के ऊपर सर्वाधिक कर्ज था। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण 2025–26 में हमारी सरकार के आर्थिक प्रबंधन, सामाजिक स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचारों, बेस्ट प्रैक्टिसेज और प्रशासनिक सुधारों को विशेष रूप से रेखांकित किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023–24 में जो राजस्व घाटा 38 हजार 954 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था उसे 2025–26 के बजट अनुमानों में 31 हजार 9 करोड़ रुपये रहने की संभावना व्यक्त की गई है। हमारी सरकार 2 साल में ही राजस्व घाटे को करीब 8 हजार करोड़ रूपये कम करने में सफल रही है। डबल इंजन सरकार में 19 हजार करोड़ से अधिक की पूंजीगत निवेश सहायता मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे कुशल वित्तीय प्रबंधन से महंगाई पर लगाम लगी है और आम आदमी को राहत मिली है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में वर्ष 2020–21 से 2023–24 तक केन्द्र सरकार से 15 हजार 803 करोड़ रुपये की राशि पूंजीगत निवेश सहायता के रूप में राजस्थान को प्राप्त हुई थी। लेकिन जब डबल इंजन सरकार बनी, तो रफ्तार भी डबल हो गई। हम दो साल में ही 19 हजार करोड़ रुपये से अधिक की पूंजीगत निवेश सहायता केन्द्र सरकार से लेकर आए हैं तथा आगामी वित्तीय वर्ष में भी 2 हजार करोड़ रुपये की अतिरिक्त पूंजीगत निवेश सहायता केन्द्र से प्रदेश को मिलने जा रही है।

हमारे पत्थर मजबूत हैं, हमारी दोस्ती उससे भी ज्यादा मजबूत है : राठौड़

जयपुर, 05 फरवरी (एजेंसियां)। इंडिया स्टोनमार्ट–2026 स्टोन फॉर सस्टेनेबिलिटी के 13वें संस्करण का आज जयपुर में शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीतापुरा स्थित जेईसीसी के मुग्धा कन्वेंशन हॉल में भारत की सबसे बड़ी अन्तरराष्ट्रीय पत्थर उद्योग प्रदर्शनी इंडिया स्टोनमार्ट–2026 का उद्घाटन किया। 5–8 फरवरी तक चलने वाले इस आयोजन में उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में अपने संबोधन में कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि उद्योग विभाग की ओर से हर दिन 6–7 उद्योगपतियों को इंडस्ट्रियल प्लॉट्स दिए गए हैं। ये हमारे विभाग की तेज गति है काम करने की। हम हर दिन काम कर रहे हैं और मैं आगे के लिए भी आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि आप व्यापार करने वाले बनें, खासतौर से सस्टेनेबल स्टोन इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने में अपना हरसंभव सहयोग दें। पत्थर व्यवसायियों की कोशिश हो कि कम पानी इस्तेमाल हो, बेहतर टेक्नोलॉजी इस्तेमाल हो, बेहतर डिजाइनिंग हो और बेहतर अडॉप्शन हो। उन्होंने व्यापारियों–उद्योगपतियों को आश्वस्त किया कि आप एक्सपोर्ट का माध्यम बनें, राज्य सरकार हर तरह से आपकी मदद करेगी। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि हमारे जो फास्टट्रेक प्रोसेस हुए हैं, उसमें हमने काम करने की शैली को एकदम बदल दिया है और वो ये है कि अब सरकार में फाइलें दौड़ती हैं, उद्यमी नहीं।

अब फास्टट्रैक मैथड्स से तुरंत उद्योगों को क्लीयरेंस मिलेगीं, और आपका व्यवसाय आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित आर्किटैक्ट्स को शुभकामनाएं दी और आग्रह किया कि आप राजस्थान के पत्थर को ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करें क्योंकि यह ड्यूरेबल है सुंदर है। उन्होंने कहा कि मैं दुनिया के सबसे सुंदरतम शहरों में से एक जयपुर में विदेश से पधारे मेहमानों का मैं स्वागत करता हूं। यहां के पत्थर मजबूत हैं और हमारी दोस्ती उससे भी ज्यादा मजबूत है।

पूर्व विधायक बच्चू सिंह बंशीवाल के घर पर हमले का मामला

रुदावल पुलिस ने 4 और आरोपियों को किया गिरफ्तार

रुदावल (भरतपुर), 05 फरवरी (एजेंसियां)। रुदावल थाना क्षेत्र के गांव बसई में 11 सितंबर 2025 को बयाना के पूर्व विधायक बच्चू सिंह बंशीवाल के आवास पर हुए हिंसक हमले के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने इस प्रकरण में संलिप्त चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

रुदावल थाना प्रभारी नरेश शर्मा ने बताया कि 11 सितम्बर 2025 को गांव बसई में लगभग 50–60 लोगों की भीड़ ने पूर्व विधायक बच्चू सिंह बंशीवाल के घर पर हमला किया था। हमलावरों ने घर में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की और लाठी–डंडों व सरियों से हमला कर पूर्व विधायक के भाई कमलसिंह, चाचा चम्पालाल और चचेरे भाई सुनील सहित चार लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। आईजी कैलाश विश्नोई और एसपी दिगंत आनंद द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस टीम ने दबिश दी। पुलिस ने गांव बसई निवासी निम्नलिखित आरोपियों को गिरफ्तार किया है–लवकुश उर्फ भटकना, शंकरसिंह उर्फ सोनू, कृष्णा, रिक्षपालसिंह।

पुलिस इस हमले के मामले में बेहद सक्रियता से कार्य कर रही है। थाना प्रभारी ने जानकारी दी कि इस प्रकरण में 6 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। आज हुई 4 नई गिरफ्तारियों के साथ अब तक कुल 10 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। शेष फरार हमलावरों की तलाश के लिए पुलिस की टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

पुस्तकें सभ्यता और संस्कृति की उन्नति का सबसे बड़ा मार्ग : बागडे

जयपुर, 05 फरवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि पुस्तकें सभ्यता और संस्कृति की उन्नति का सबसे बड़ा मार्ग है। उन्होंने कहा कि आज भारतीय ज्ञान परम्परा से जुड़ी पुस्तकें केवल छपी हुई सामग्री रूप में ही नहीं डिजिटल माध्यमों में देश या समाज की सामूहिक चेतना और प्रतिभा का प्रतिबिम्ब बनती जा रही है। उन्होंने युगानुरूप प्राचीन पुस्तकों और पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए वृहद स्तर पर कार्य किए जाने का आह्वान किया। राज्यपाल बागडे गुरुवार को आगरा में केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा और भारतीय पुस्तकालय संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में पुस्तकालय सेवाओं का रूपान्तरण' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर केंद्रीय हिंदी संस्थान ज्ञानकोश का ऑनलाइन शुभारंभ किया।

सोनीपत में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली की अगुवाई में भाजपाइयों ने जलाया राहुल गांधी का पुतला

सोनीपत, 05 फरवरी (एजेंसियां)। सिख समाज के अपमान पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने दूसरे दिन भी राहुल गांधी का पुतला फूंका और जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। लगभग हर जिले में कांग्रेस और राहुल गांधी की सिख विरोधी मानसिकता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली की मौजूदगी में सुभाष चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला दहन किया और जमकर राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी की। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने सरदार रवनीत सिंह बिट्टू के अपमान को सिख समाज का अपमान बताया। बड़ौली ने राहुल गांधी का पुतला दहन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मोहन लाल बड़ौली ने राहुल गांधी द्वारा रवनीत सिंह बिट्टू पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की मानसिकता हमेशा सिख समाज की विरोधी रही है। 1984 में सिख विरोधी दंगे हुए, सिखों का सरेआम कत्लेआम हुआ, लेकिन कांग्रेस नेताओं ने आज तक अपने किए पर न तो माफी मांगी और न ही कोई पश्चाताप दिखाया। राहुल गांधी की मानसिकता आज भी वही है। बड़ौली ने राहुल गांधी पर आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी ने जानबूझकर सिख समाज को अपमानित करने के लिए केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को ''गद्दार'' कहा और सिख समाज की भावनाओं को आहत करने का काम किया।बड़ौली ने कहा कि सिख समाज का अपमान किसी भी परिस्थिति में सहन नहीं किया जाएगा। रवनीत सिंह बिट्टू एक सिख परिवार से आते हैं जिनके दादा एवं पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह देश के लिए शहीद हुए थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की गद्दार वाली टिप्पणी अस्वीकार्य है। केंद्रीय मंत्री के खिलाफ राहुल गांधी द्वारा इस तरह के शब्दों का प्रयोग न केवल असंवैधानिक है, बल्कि सिख समाज की गरिमा पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को सिख समाज से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।

एक सवाल पर बोलते हुए बड़ौली ने कहा कि जीरामजी गरीब और मजदूरों के लिए एक अच्छी योजना है। मनरेगा के तहत मजदूरों को 100 दिन का काम मिलता था, जबकि जीरामजी योजना के तहत 125 दिनों के काम की गारंटी मोदी सरकार ने दी है। जीरामजी योजना पारदर्शी योजना है और इसमें 10 हजार रुपये मजदूरों को अधिक मिलेंगे।

एक अन्य सवाल पर मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस मुद्दाविहीन पार्टी है। कांग्रेस को राजनीति करने का बहाना चाहिए। किस योजना का लोगों को क्या फायदा और क्या नुकसान है इसका कांग्रेस नेताओं को ज्ञान नहीं है। नगर निकाय चुनाव पर उन्होंने कहा कि भाजपा हर समय चुनाव के लिए तैयार रहती है। सोनीपत, अंबाला, पंचकूला तीनों नगर निकाय चुनाव में भाजपा का कमल खिलने जा रहा है और कांग्रेस जीरो पर ही आउट होगी।

शिक्षा और स्वास्थ्य पर घटता खर्च हरियाणा के भविष्य के साथ अन्याय : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 05 फरवरी (एजेंसियां)। हाल ही में आई रिपोर्ट से यह तथ्य सामने आया है कि हरियाणा में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों पर प्रति व्यक्ति खर्च राष्ट्रीय औसत से कम है। यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि यही दो क्षेत्र किसी भी राज्य के मानवीय विकास, सामाजिक सुरक्षा और भविष्य की नींव होते हैं। यह बात सिरसा की सांसद, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं पूर्व मंत्री कुमारी सैलजा ने आज जारी एक बयान में कही।

कुमारी सांसद ने कहा कि वर्षों से राज्य सरकार बड़े–बड़े दावे करती रही है, नए मेडिकल कॉलेज, बेहतर अस्पताल, आधुनिक विद्यालय और महाविद्यालय लेकिन जमीनी स्तर पर तस्वीर अलग दिखाई देती है। अनेक सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, दवाइयाँ और जांच सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं। इसी प्रकार, कई विद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षकों और प्राचार्यों के पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि जब सरकारी व्यवस्थाएँ कमजोर होती हैं, तो आम नागरिक को मजबूरन निजी संस्थानों की ओर रुख करना पड़ता है, जिससे शिक्षा और चिकित्सा का बोझ परिवारों पर बढ़ता है। यह स्थिति विशेष रूप से ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए कठिनाई पैदा करती है। कुमारी सैलजा ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट में ठोस वृद्धि करे, रिक्त पदों को शीघ्र भरे, अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों में आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए, और इन सेवाओं की गुण–वत्ता सुनिश्चित करे। उन्होंने यह भी कहा कि घोषणाओं से अधिक ज़रूरत है प्रभावी क्रियान्वयन और पारदर्शिता की, ताकि जनता को वास्तविक लाभ मिल सके। अंत में कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा के बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों का अधिकार है कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ मिलें। राज्य के विकास का वास्तविक पैमाना इन्हीं मानकों से तय होगा।

हरियाणा–कनाडा सहयोग को नई गति, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से अल्बर्टा प्रांत के प्रतिनिधिमंडल की भेंट

चंडीगढ़, 05 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से बुधवार देर सांय चंडीगढ़ स्थित उनके आवास 'संत कबीर कुटीर' पर कनाडा के अल्बर्टा प्रांत की स्वदेशी संबंध मंत्री राजन साहनी के नेतृत्व में आए उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल से भेंट की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच निवेश, नवाचार, शिक्षा, कौशल विकास और आर्थिक सहयोग को मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि हरियाणा वैश्विक सहयोगों के लिए हमेशा तैयार है, जिससे प्रदेश में कौशल वृद्धि, नवाचार और आर्थिक विकास को गति मिले। उन्होंने बताया कि हरियाणा के बड़ी संख्या में छात्र कनाडा में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिससे शैक्षणिक सहयोग दोनों पक्षों के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र बन गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि हरियाणा सरकार द्विपक्षीय सहयोग, शैक्षणिक आदान–प्रदान और आर्थिक साझेदारी को बढ़ावा देने वाले सभी विषयों को अपना पूरा समर्थन प्रदान करेगी। हरियाणा का विदेश सहयोग विभाग अंतरराष्ट्रीय संबंधों, नवाचार और विदेशी निवेश जैसे क्षेत्रों पर लगातार कार्य कर रहा है।

बैठक के दौरान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर विशेष चर्चा हुई। इस दौरान हरियाणा में कनाडा विश्वविद्यालय के परिसर बनाने पर विचार–विमर्श किया गया।कनाडा के अल्बर्टा प्रांत की स्वदेशी संबंध मंत्री राजन साहनी ने हरियाणा के औद्योगिक विकास, नवाचार और मानव संसाधन विकास से जुड़ी नीतियों की सराहना की।बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अल्बर्टा के उन्नत कौशल विकास तंत्र और शिक्षा एवं रोजगार के संबंध में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी, जिसमें मुख्य रूप से कौशल प्रशिक्षण, व्यावसायिक शिक्षा और उद्योग आधारित कार्यक्रमों में साझेदारी पर भी मंथन हुआ ताकि हरियाणा के युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हो सके।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

मंचेरियाल चुनाव: उम्मीदवारों की नयी चुनावी रणनीति पर जोर

मंचेरियाल, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। यहां नगरपालिका चुनाव में भाग ले रहे उम्मीदवार अब पारंपरिक तरीकों से हटकर हैदराबाद की एजेंसियों और विशेषज्ञों की मदद ले रहे हैं। ये उम्मीदवार जान चुके हैं कि सफलता के लिए नई तकनीकों और रणनीतियों का अपनाना जरूरी है।

कांग्रेस, बीआरएस और भाजपा के सभी उम्मीदवार, साथ ही निर्दलीय प्रतियोगी, मतदाता को आकर्षित करने के लिए विभिन्न नवीन उपाय अपना रहे हैं। इसके लिए वे भारी मात्रा में

पारिश्रमिक देकर विशेषज्ञों को अपने प्रचार में शामिल कर रहे हैं।एक उम्मीदवार ने नाम न बताए जाने की शर्त पर कहा, हमने चुनाव प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए हैदराबाद स्थित एक एजेंसी से चार विशेषज्ञों की एक टीम नियुक्त की है। चुनाव में सफलता हासिल करना ही नहीं, बल्कि प्रतिद्वंद्वी पर पर्याप्त बहुमत प्राप्त करना भी जरूरी है।

विशेष अब मतदाताओं के आंकड़ों का उपयोग करके उम्मीदवारों के लिए रणनीतियां तैयार कर रहे हैं, जिससे उन्हें प्रत्येक मतदाता तक पहुंचने और अपने संदेश को स्पष्टता से समझाने में मदद मिल रही है। इसके अलावा, टीमों को आ-लीशान होटलों में आवास और भोजन की व्यवस्था भी की जा रही है।उम्मीदवार अब अपने प्रचार के लिए पारंपरिक राजनीतिक नेता-ओं के चित्रों के बजाय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स पर ज्यादा निर्भर हो रहे हैं।

शांतिपूर्ण मतदान के लिए लोगों को प्रोत्साहन

आसिफाबाद, 5 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद के सीआई बालाजी वरप्रसाद ने कहा है कि लोगों को चुनाव के दौरान शांतिपूर्ण माहौल में अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग करना चाहिए, भले ही उन्हें कुछ प्रलोभनों का सामना करना पड़े।पुलिस ने इस आश्वासन को मजबूत करने के लिए एक विशाल फ्लैग मार्च का आयोजन किया, जिसमें मतदाताओं को सकारात्मक संदेश दिया गया। सीआई ने बताया कि यदि मतदाताओं को किसी भी प्रकार की समस्या होती है, तो पुलिस उनके समक्ष केवल 5 से 10 मिनट में उपस्थित होकर समस्या का समाधान करेगी।इस पहल का उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करना और संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए लोगों को तैयार करना है।

नि:शुल्क नेत्र व दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन

किनवट, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। लायन्स नेत्रालय नांदेड और श्री साईबाबा, श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर संस्थान के सहयोग से ओमसाई कल्याण मडपम में नि: शुल्क नेत्र जांच, मोतियाबिंद ऑपरेशन और दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में ग्रामीण और शहरी लोगों का नेत्र परिक्षण किया गया। पंजीकृत 70 लोगों में से 40 मरीजों को मोतियाबिंद सर्जरी के लिए चयन किया गया, जिन्हें नांदेड लायन्स नेत्रालय की टीम द्वारा नांदेड ले जाया गया। इसके अलावा, दंत चिकित्सा शिविर में 16 लोगों की नि:शुल्क जांच की गई।शिविर की शुरुआत श्री साईबाबा और श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर की विधिवत पूजा-अर्चना से हुई। नेत्र जांच का कार्य लायन्स नेत्रालय नांदेड के नेत्रतज्ञ डॉ. राम शिंदे और दंत तज्ञ डॉ. बालाजी धर्मकरे ने किया। इस अवसर पर मंदिर संस्थान के सच्चिदानंद पवार गुरु स्वामी, लायन्स क्लब किनवट के पूर्व अध्यक्ष अण्णा समेत अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

सच्चिदानंद पवार गुरु स्वामी ने बताया कि हर माह के पहले गुरुवार को नि:शुल्क नेत्र जांच, मोतियाबिंद सर्जरी और दंत चिकित्सा शिबीर आयोजित किया जाएगा।

सिंगरेनी का उत्पादन लक्ष्य से कम गुणवत्ता पर जोर

मंचेरियाल, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) डी कृष्णा भास्कर ने बुधवार को कहा कि कंपनी इस वर्ष अपने मासिक उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने में थोड़ी पीछे रह गई है। उन्होंने गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कृष्णा भास्कर ने कहा कि मौजूदा वित्तीय वर्ष के अंत तक प्रतिदिन कम से कम 2.20 लाख टन कोयले का उत्पादन, 2.40

लाख टन कोयले का परिवहन और 15.5 लाख घन मीटर ऊपरी परत को हटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस दिशा में सभी आवश्यक उपाय करने के लिए सभी क्षेत्रों के महाप्रबंधकों को निर्देश देते हुए, सीएमडी ने बुधवार शाम को हैदराबाद के सिंगरेनी भवन में निदेशकों और महाप्रबंधकों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान कोयला उत्पादन, परिवहन, गुणवत्ता और संबंधित मुद्दों की समीक्षा की।

कृष्ण भास्कर ने कहा कि वर्तमान कोयला बाजार में उपभोक्ता केवल वही कोयला स्वीकार करते हैं जो गुणवत्ता मानकों को पूरा करता हो। उन्होंने मात्रात्मक लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय कोयले की गुण-वत्ता में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि संगठन का भविष्य इस लक्ष्य की दिशा में मेहनत करने वाले प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी पर निर्भर करता है।

इस बैठक में विभिन्न क्षेत्रों के महाप्रबंधकों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चल रही उत्पादन गतिविधियों के बारे में सीएमडी को जानकारी प्रदान की।

दमरे महाप्रबंधक के दौरे पर पत्रकार संघ ने यात्रियों की मांगों का ज्ञापन सौंपा

किनवट, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने गुरुवार को स्पेशल निरीक्षण यान से आदिलाबाद से नांदेड तक का दौरा किया और रेलवे से जुड़े कार्यों का जायजा लिया। किनवट रेलवे स्टेशन पर महाप्रबंधक, नांदेड मंडल प्रबंधक तथा विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों के दौरे के दौरान किनवट पत्रकार संघ के सदस्यों ने यात्रियों की सुविधाओं से जुड़ी प्रमुख मांगों का एक ज्ञापन सौंपा।किनवट स्टेशन दक्षिण मध्य रेलवे की आदिलाबाद-नांदेड़ लाइन पर एक महत्वपूर्ण और अच्छी कमाई वाला स्टेशन माना जाता है। वर्तमान में केंद्र सरकार की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत यहां विकास कार्य चल रहे हैं, जिनसे भविष्य में यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। हालांकि, अभी यात्रियों को ट्रेन सेवाओं और उनके समय से संबंधित कई परेशानियों

का सामना करना पड़ रहा है।पत्रकार संघ की ओर से सौंपी गई मुख्य मांगें निम्नलिखित हैं: ट्रेन संख्या 57654 (आदिलाबाद-परली वैजनाथ पैसेंजर) का प्रस्थान समय सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे के बीच किया जाए (वर्तमान में यह किनवट से सुबह 4:10 बजे प्रस्थान करती है)।ट्रेन संख्या 77616 (आदिलाबाद-पूर्णा) और 77615 (पूर्णा-आदिलाबाद) के मौजूदा डिब्बों को हटाकर यात्री ट्रेनों के उचित डिब्बे लगाए जाएं।पुणे-नांदेड़ या हडपसर-नांदेड़ ट्रेनों को आदिलाबाद तक विस्तारित किया जाए।आदिलाबाद में निर्माण पिट लाइन का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए।नांदेड़ में तैनात ट्रेनों को आदिलाबाद तक बढ़ाया जाए।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि महाप्रबंधक का किनवट स्टेशन पर दौरा मात्र 15-20 मिनट का रहा, जबकि इस महत्वपूर्ण स्टेशन पर यात्रियों की समस्याओं को गहराई से समझने के लिए अधिक समय दिया जाना चाहिए था।

मंडल कृषि अधिकारी ने मक्का, मूंगफली और ज्वार फसलों का किया निरीक्षण, किसानों को दी गई रोकथाम की सलाह

मदनूर, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंडल कृषि अधिकारी राजू ने गुरुवार को मदनूर मंडल के मेनूर और अवलगांव गांवों में रबी मौसम में उगाई जा रही मूंगफली, मक्का और ज्वार की फसलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मक्के की फसल में नखजूरे (फॉल आर्मीवर्म) के प्रकोप के लक्षण देखे गए।

किसानों को इस कीट के प्रभावी नियंत्रण के लिए सलाह दी गई कि 80 ग्राम इमामेक्टिन बेंजोएट या 60 मिलीलीटर क्लोरेंट्रिनिप्रोले को एक लीटर नीम के तेल में मिलाकर 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ फसल पर छिड़काव किया जाए। अधिकारी ने बताया कि यह छिड़काव सही समय पर करने से फसल को होने वाले नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता है।इसके अलावा, रबी फसलों को सुरक्षित रखने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए किसानों को सलाह दी गई कि अपनी फसलों का पंजीकरण संबंधित गांवों के कृषि विस्तार अधिकारी (एईओ) के साथ अवश्य कराएं। इससे फसल बीमा, सब्सिडी और अन्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा।

इस निरीक्षण कार्यक्रम में एईओ संपथ, एईओ सौम्या और एफपीओ अध्यक्ष गोपाल भी मौजूद रहे। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे समय-समय पर फसल की निगरानी करें और किसी भी समस्या की सूचना तुरंत नजदीकी कृषि अधिकारी को दें।

मंचेरियाल में फिर बाघ का आतंक

महाराष्ट्र से पेनगंगा नदी पार कर आया वन्यजीव

मंचेरियाल, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले में एक बार फिर बाघ के भटकने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के तिपेश्वर वन्यजीव अभयारण्य से एक बाघ पेंगंगा नदी पार करके भीमपुर मंडल के जंगलों में प्रवेश कर गया है। इससे नदी किनारे बसे गांवों, विशेष रूप से पिप्पलकोटी, थम्सी (के), गोल्लाघाट और गुंजाला के निवासियों में भय का माहौल है।स्थानीय निवासियों के अनुसार, तीन दिन पहले बाघ ने एक खेत में चर रही गाय पर हमला कर उसे मार डाला। ग्रामीणों ने बताया कि बाघ जंगलों और खेतों के बाहरी इलाकों में शिकार की तलाश में घूम रहा है, जिससे किसान और पशुपालक लगातार डर में जी रहे हैं। उन्होंने वन विभाग से बाघ की गतिविधियों पर सतर्क नजर रखने और किसी भी संभावित हादसे को रोकने की मांग की है।वन अधिकारियों ने गाय की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि यह बाघ लगभग दो सप्ताह पहले पेंगंगा नदी पार कर जिले में आया है। बाघ की निगरानी के लिए 10 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं तथा प्रभावित गांवों के निवासियों को पहले ही सतर्क किया जा चुका है।

उम्मीदवारों के खर्चों का पारदर्शी रिकॉर्ड जरूरी : देवेंद्र रेड्डी

आसिफाबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। म्युनिसिपल इलेक्शन ऑब्जर्वर देवेंद्र रेड्डी ने कहा है कि म्युनिसिपल चुनावों में उम्मीदवारों के खर्चों की डिटेल स्पष्ट व पारदर्शी रूप से रिकॉर्ड की जानी चाहिए। गुरुवार को इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स के छब्बउ वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित दूसरे आम म्युनिसिपल इलेक्शन की रिव्यू मीटिंग में उन्होंने यह निर्देश दिए।

देवेंद्र रेड्डी ने कहा कि चेकपोस्ट पर हर वाहन की कड़ी जांच होनी चाहिए और 50,000 रुपये से अधिक नकद ले जाने पर उपयुक्त परमिटों की जांच आवश्यक है; बिना परमिट कैश पाए जाने पर उसे जब्त किया जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीदवारों के मीटिंग, सभाओं और रैलियों पर सतत् निगरानी रखने का निर्देश दिया तथा रोज़ाना पेड न्यूज, कैंपेन विज्ञापन और ब्रॉडकास्ट मीडिया में दिए जाने वाले प्रचार की डिटेल संबंधित उम्मीदवारों के नाम सहित रिपोर्ट करने को कहा।

ऑब्जर्वर ने जोर देकर कहा कि चुनाव में किए गए प्रत्येक खर्च का प्रविष्टि उम्मीदवारों के खाते में दर्ज हो और किसी भी प्रकार के प्रलोभन को रोकने के लिए फ्लाइंग स्कॉड टीम सक्रिय निगरानी करे। साथ ही चुनावों की शांति सुनिश्चित करने के लिए हर पहलू पर कड़ी नजर रखने और एक्साइज़ विभाग से रोज़ाना स्टोरेज व बिक्री रिपोर्ट मांगी जाने की आवश्यकता बताई।इस कार्यक्रम में लाइजन ऑफिसर नदीम, चुनाव टीम के अधिकारी और संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

दीपक तिवारी ने किया आसिफाबाद उर्दू मीडियम हाई स्कूल का निरीक्षण

आसिफाबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमराम भीम आसिफाबाद डिस्ट्रिक्ट के एडिशनल कलेक्टर (लोकल इंस्टीट्यूशन्स) दीपक तिवारी ने गुरुवार शाम को आसिफाबाद टाउन स्थित गवर्नमेंट उर्दू मीडियम हाई स्कूल का औचक निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से कक्षा 10वीं की शाम को चल रही स्पेशल क्लास (ईवनिंग क्लास) का निरीक्षण किया।दीपक तिवारी ने कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों से बातचीत की और उनकी तैयारी के स्तर का मूल्यांकन किया।उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे समय बर्बाद न करें और मेहनत से पढ़ाई करें, ताकि आगामी कक्षा 10वीं की एनुअल एग्जाम (एससीसी) में अच्छे परिणाम ला सकें।

बेल्लमपल्ली में वकीलों का विरोध प्रदर्शन

बेल्लमपल्ली, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेल्लमपल्ली बार एसोसिएशन की पहल पर गुरुवार को जूनियर सिविल कोर्ट के सामने एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। वकीलों ने अपने कर्तव्यों का बहिष्कार करते हुए रास्ता रोको कार्यक्रम के तहत अपनी आवाज उठाई।बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अंकेम शिवाकुमार ने इस अवसर पर कहा कि वे चेवेल्ला में बार एसोसिएशन की सदस्य श्री स्वप्ना की हत्या को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि हत्या में शामिल लोगों को तुरंत हिरासत में लिया जाए और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही, उन्होंने वकीलों की सुरक्षा की जिम्मेदारी उठाने की अपील की।

भाजपा उम्मीदवारों का दलबदल रोकने के लिए सख्त कदम

मंचेरियाल, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नगर निगम चुनावों के बाद अपने निर्वाचित उम्मीदवारों द्वारा संभावित दलबदल को लेकर चिंतित है। चुनाव के बाद के समीकरणों में बदलाव से नगर निकायों में सत्ता संतुलन बिगड़ने की आशंका है। ऐसा देखा गया है कि नगरपालिका या नगर निगमों में बहुमत से पीछे रहने वाली पार्टियां अक्सर अपने प्रतिद्वंद्वी पार्टियों के निर्वाचित प्रतिनिधियों को लुभाने का प्रयास करती हैं। मौजूदा चुनावों में इस स्थिति की आशंका को देखते हुए भाजपा ने एहतियाती उपाय किए हैं। भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान अपने उम्मीदवारों को शपथ दिलाना शुरू कर दिया है, जिसमें उम्मीदवार चुनाव जीतने के बाद पार्टी न छोड़ने और करीमनगर राष्ट्र तथा समाज के विकास के लिए समर्पित रहने का वचन देते हैं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने भी चुनाव प्रचार के दौरान इस शपथ ग्रहण समारोह का हिस्सा बने।पार्टी के सूत्रों के अनुसार, यह कदम उन घटनाओं के मद्देनजर उठाया गया है जब कुछ भाजपा पार्षद चुनाव जीतने के बाद अन्य राजनीतिक दलों में शामिल हो गए थे।इसके साथ ही, कांग्रेस, बीआरएस और भाजपा जैसी मुख्य पार्टियां पार्षद सीटों में बहुमत हासिल करने के लिए कड़े मुकाबले में हैं।

नियमों का पालन न करने वाले स्टाफ़ पर कार्रवाई की चेतावनी

आसिफाबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर के. हरिता ने स्पष्ट किया है कि जो अधिकारी और स्टाफ़ अपनी ड्यूटी के नियमों का सही तरीके से पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।गुरुवार को डिस्ट्रिक्ट सेंटर में स्थित इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट कलेक्टरेट बिल्डिंग परिसर में कई सरकारी विभागों के कार्यालयों का अचानक निरीक्षण किया गया। इस दौरान एक्साइज, सेंट्रल प्रोहिबिशन, सिविल सप्लाई, एग्रीकल्चर, ग्राउंड वॉटर, फिशरीज, मेडिकल हेल्थ, एजुकेशन और लैंड सर्वे विभागों के ऑफिस का निरीक्षण किया गया।अधिकारियों ने अटेंडेंस रिकॉर्ड की जांच की और गैरहाज़िर लोगों की जानकारी एकत्र की।

कुछ अधिकारियों ने रजिस्टर पर साइन नहीं किए, जिससे उनकी उपस्थिति को लेकर सवाल उठे।जिला कलेक्टर ने कहा कि बेहतर सरकारी सेवाओं के लिए अधिकारियों और स्टाफ़ को समय के नियमों का पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने यह भी कहा कि जो स्टाफ़ समय पर अपनी ड्यूटी पर नहीं आएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।इस कार्यक्रम में ट्रेनिंग आईएएस ऑफिसर भार्गव कुमार, विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी और स्टाफ़ शामिल हुए।

आदिवासियों का वन अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन

मंचेरियाल, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आदिवासियों ने आरोप लगाया है कि वन अधिकारियों ने बिना ठोस सबूत के एक युवक को हिरासत में लिया और उसे प्रताड़ित किया। गुरुवार को दांडेपल्ली मंडल मुख्यालय में वन अतिक्रमण के आरोप में हिरासत में लिए गए युवक की रिहाई की मांग को लेकर उन्होंने वन रेंज अधिकारी के कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया।सिंगरायपेट गांव के आदिवासियों ने आरोप लगाया कि वन अधिकारी युवक को उसके और अन्य लोगों के खिलाफ अतीत में दर्ज मामलों की जांच की आड़ में प्रताड़ित कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों पर आरोप लगाया कि युवक को उसके परिवार के सदस्यों की जानकारी के बिना हिरासत में लिया गया और उसे पांच घंटे से अधिक समय तक रोका गया।

आदिवासियों ने चेतावनी दी कि जब तक युवक को रिहा नहीं किया जाता, उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। हालांकि, वन अधिकारियों ने कहा कि युवक गांव के जंगल में पेड़ काटने में शामिल था और उसकी पूछताछ की जा रही है। इस मामले में कोडी सुधाकर नामक एक अन्य व्यक्ति को भी पूर्व वन अपराधों में उसकी भूमिका के लिए हिरासत में लिया गया है।

जगतियाल: मेटपल्ली में छह लूटपाट के सिलसिले में 7 आरोपी गिरफ्तार, 15 तोला सोना और 32 तोला चांदी बरामद

जगतियाल, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । मेटपल्ली शहर में हाल ही में हुई छह लूटपाट की घटनाओं का पुलिस ने बड़ा सफल ऑपरेशन चलाकर अंत किया है। जगतियाल जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) अशोक कुमार के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने मेटपल्ली कोठा बस स्टैंड पर दो आरोपियों को पकड़ने के साथ ही पूरे गिरोह को धर दबोचा।

मेटपल्ली सर्किल इंस्पेक्टर रामुलु के नेतृत्व में सीआई अनिल कुमार, एसआई किरण कुमार, अनिल, नवीन सहित विशेष टीमों ने मेटपल्ली, निज़ामाबाद और आसपास के इलाकों में छापेमारी शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और डॉग स्कॉड की मदद से जांच आगे बढ़ाई गई। आज 05 फरवरी 2026 को कोठा बस स्टैंड पर पंडित रमेश और पल्लेपु रमेश को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से पीड़ित द्वारा चुराया गया 3.5 तोला सोने का हार और एक लोहे की रॉड बरामद हुई।

आरोपियों की पूछताछ के आधार पर अन्य सदस्यों को भी पकड़ा गया। बरामदगी इस प्रकार है:

गुंजे गंगाधर से: 2 तोला सोने का हार और 1 तोला सोने की चेन ओरसु गंगामणि से: 2 तोला सोने का हार और 18 तोला चांदी की पट्टा चेन

गैनी किरण से: 11 तोला चांदी की पट्टा चेन

पेद्दुर मल्लेश्वरी से: 3 तोला चांदी का ब्रेसलेट

चोरी का सामान खरीदने वाले इंदुरी राकेश से: 3 तोला सोने का हार, 1 तोला सोने की चेन, 2 तोला सोने का हार और आधा तोला सोने की अंगूठियां

कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से लगभग 15 तोला सोने के गहने तथा 32 तोला चांदी के गहने जब्त किए गए।

इस सफल कार्रवाई के लिए जिला एसपी अशोक कुमार ने मेटपल्ली डीएसपी रामुलु, सीआई अनिल कुमार, एसआई किरण कुमार, अनिल, नवीन तथा पूरी टीम को विशेष बधाई दी है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की सराहना की है, जिससे शहर में लूटपाट के खिलाफ भय का माहौल कम हुआ है। पुलिस ने आगे की जांच जारी रखने और अन्य संभावित आरोपियों की तलाश का आश्वासन दिया है।

टी20 विश्व कप में सबसे कम स्कोर पर आउट हुई हैं यूगांडा और नीदरलैंड

मुम्बई, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

टी20 विश्वकप शुरु होने में अब कुछ ही दिन शेष हैं। विश्वकप मुकबले भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से खेले जाएंगे।इसमें कई नये रिकार्ड बन सकते है। अब तक हुए टी20 विश्व कप के आंकड़ों पर नजर डालें तो कि दो टीमें जिनके नाम विश्वकप में सबसे कम स्कोर का रिकार्ड है। 2 टीमें इसमें अब तक 50 रनों के अंदर आउट हुई हैं। ये टीमें यूगांडा और नीदरलैंड हैं।ये दोनो ही टीमें 50 रनों के अंदर ही आउट हुई हैं।ये दोनो ही एसोसिएट टीमें रही हैं। टी20 विश्व कप की शुरुआत साल 2007 में हुई थे। वहीं साल 2014 तक कोई भी टीम 50 या इससे कम के स्कोर पर नहीं सिमटी थी। नीदरलैंड की टीम साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 39 रनों पर आउट हो गई थी। इसके बाद 4 और बार टीमें 50 से कम के स्कोर पर सिमट गयीं। नीदरलैंड की टीम साल 2021 के टी20 विश्व कप में भी 50 से कम रनों पर आउट हुई थीं। सबसे कम स्कोर पर आउट होने के मामले में युगांडा की टीम सबसे आगे है, वह साल 2024 के टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 39 रन पर ही आउट हो गयी थी। वहीं नीदरलैंड की टीम भी साल 2014 में 39 रनों पर आउट हुई थी। वहीं साल 2024 में युगांडा की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 40 रन के स्कोर पर आउट हुई।युगांडा एकमात्र टीम है, जो दो बार 40 से कम रनों पर आउट हुई है। वहं सूची में सबसे कम रनों पर आउट होने के मामले में चौथे नंबर पर नीदरलैंड है।वह, साल 2021 में श्रीलंका के खिलाफ केवल 44 रन ही बना पायी थी।

अंडर-19 वर्ल्ड कपः भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

हरारे । हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए आईसीसी मेन्स अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में टीम इंडिया ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराकर फाइनल में धमाकेदार प्रवेश किया। भारत पूरे टूर्नामेंट में अब तक अजेय बना हुआ है और अब 6 फरवरी को इंग्लैंड से खिताबी मुकाबला खेलेगा। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 310 रन बनाए और भारत के सामने 311 का बड़ा लक्ष्य रखा। लेकिन टीम इंडिया ने रिकार्ड रनचेज कर इतिहास रच दिया। अंडर-19 विश्व कप इतिहास में पहली बार किसी टीम ने इतना बड़ा लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया है। टारगेट का पीछा करते हुए ओपनर वैभव सूर्यवंशी और एरान जार्ज ने भारत को धमाकेदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 90 रन जोड़े। वैभव सूर्यवंशी ने 33 गेंदों पर 68 रन ठोके, जिसमें 9 चौके और 4 छक्के शामिल थे। एरान जार्ज ने 104 गेंदों पर 115 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। उन्होंने 15 चौके और 2 छक्के जमाए। कप्तान आयुष म्हात्रे ने भी 59 गेंदों पर 62 रन बनाकर चेज़ को आसान बना दिया। उनके आउट होने के बाद जार्ज ने उप-कप्तान विहान मल्होत्रा के साथ तीसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी कर भारत को फाइनल में पहुंचा दिया। विहान 38 रन पर नाबाद रहे।

न्यूज ब्रीफ

कोपा इटालियाः इंटर मिलान ने टोरिनो को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

मिलान। इंटर मिलान ने बुधवार रात खेले गए कोपा इटालिया क्वार्टरफाइनल मुकाबले में टोरिनो को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। कड़े मुकाबले में फ्रांस के युवा खिलाड़ियों एंजे-योआन बानी और एंडी डियूफ ने इंटर की जीत में अहम भूमिका निभाई। मैच के 35वें मिनट में सेंटर-फारवर्ड एंजे-योआन बानी ने ताकतवर एंगल्ड हेडर के जरिए इंटर को बढ़त दिलाई। उनका शाट सीधे टोरिनो के गोलकीपर अल्बर्टो पालेयारी के हाथों से निकलकर गोल में चला गया। इसके बाद दूसरे हाफ की शुरुआत में ही इंटर ने बढ़त दोगुनी कर ली। 47वें मिनट में एंडी डियूफ ने मार्कस थुराम के शानदार क्रास पर आसान टैप-इन करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। हालांकि टोरिनो ने हार नहीं मानी। मैच के लगभग एक घंटे के करीब क्रोएशियाई स्ट्राइकर सैंड्रो कुलैनोविच ने ऊंची छलांग लगाकर शानदार हेडर से गोल दागा और अपनी टीम को मुकाबले में वापस ला दिया। इसके बाद टोरिनो ने बराबरी के लिए लगातार दबाव बनाया, लेकिन इंटर की मजबूत और अनुशासित डिफेंस के सामने उन्हें सफलता नहीं मिल सकी। इंटर मिलान के मुख्य कोच क्रिस्टियन कीवू ने इस मुकाबले में स्टार स्ट्राइकर लाउतारो मार्टिनेज को आराम दिया। यह मैच सैन सिरो स्टेडियम की बजाय मोंज़ा में खेला गया, क्योंकि सैन सिरो में शुक्रवार को होने वाले विंटर ओलंपिक्स के उद्घाटन समारोह की तैयारियां चल रही हैं। इस जीत के साथ इंटर मिलान कोपा इटालिया सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है।

अभ्यास मैच में ईशान और अभिषेक इस कारण हुए रिटायर

नवी मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां हुए एकमात्र अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका का 30 रनों से हरा दिया। इस मैच में टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने ईशान किशन के अर्धशतक से 20 ओवर में पांच विकेट पर 240 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण् अफ्रीकी टीम 210 रन ही बना पायी। इस मैच में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन रिटायर हो गये ताकि अन्य बल्लेबाजों को भी अवसर मिले सके। इस मैच में भारतीय टीम की पारी की शुरुआत अभिषेक शर्मा और ईशान किशन ने की जिससे साफ है कि विश्वकप में संजू सैमसन नहीं बल्कि ईशान को पारी शुरु करने का अवसर मिलेगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभिषेक शर्मा केवल 24 रन बनाकर रिटायर होकर मैदान से बाहर चले गये। ईशान ने अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करते हुए तेजी से रन बनाये। वह भी अभिषेक की ही तरह रिटायर्ड आउट होकर वापस लौट गए। इसके बाद तिलक वर्मा को बल्लेबाजी का अवसर मिला। वार्म-अप मैच में अधिक से अधिक बल्लेबाजों को खेलने का अवसर देने के लिए ही अभिषेक और ईशान रिटायर हुए। इस अभ्यास मैच में अभिषेक अपने स्वाभाविक अंदाज में नहीं दिखे। वह 25 रन तक ना नहीं पहुंचे थे।

अब पीएसएल में खेलेंगे स्मिथ

सिडनी। आस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को अब पाकिस्तान प्रीमियर लीग (पीएसएल) में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। स्मिथ इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी में उतरे थे पर उनपर किसी भी टीम ने बोली नहीं लगायी। ऐसे में स्मिथ अब पीएलएल 2026 सत्र में खेलना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने प्रयास भी शुरु कर दिये हैं। स्मिथ को एक टीम से प्रस्ताव भी मिला है जिससे उनका करार भी हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार स्मिथ पीएसएल के 10वें सीजन में सियालकोट स्टैलियंस की ओर से खेलते दिखेंगे। सियालकोट 7 फरवरी को अपने रिटेंशन प्लेयर्स की लिस्ट को जारी करेगी। उस सूची में स्टीव स्मिथ का नाम भी शामिल होने की संभावना है। अगर इस बीच आईपीएल में उन्हें अवसर मिल जाता है तो वह पीएसएल छोड़ भी सकते हैं। ऐसा पहले भी कई खिलाड़ियों ने किया है। स्मिथ काफी समय तक आईपीएल खेले हैं और उन्होंने दो टीमों की कप्तानी भी की है। गौरतलब है कि पीएसएल में 8 टीमें उतरेंगे जिसमें से 6 टीमों ने अपने खिलाड़ियों की सूची जाहिर कर दी है। वहीं मुल्तान सुल्तान्स टीम ने किसी को भी रिटेन नहीं किया है।

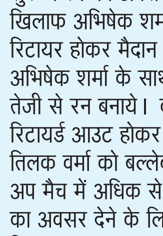

एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26 राउरकेला चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय हाकी टीम घोषित

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

हाकी इंडिया ने गुरुवार को एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26 के राउरकेला चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हाकी टीम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट का यह चरण 10 से 15 फरवरी 2026 तक ओडिशा के राउरकेला स्थित बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हाकी स्टेडियम में खेला जाएगा।

राउरकेला चरण में मेजबान भारत के साथ अर्जेंटीना और बेल्जियम जैसी मजबूत टीमें हिस्सा लेंगी, जिससे घरेलू दर्शकों के सामने बेहद रोमांचक और उच्च स्तरीय मुकाबलों की उम्मीद की जा रही है।

भारतीय टीम में अनुभव और युवा प्रतिभा का संतुलित मिश्रण देखने को मिलता है। टीम प्रबंधन ने सभी विभागों—गोलकीपिंग, डिफेंस, मिडफील्ड और फारवर्ड लाइन—में गहराई और संतुलन बनाए रखने पर खास ध्यान दिया है, ताकि प्रो लीग अभियान की घरेलू शुरुआत मजबूती से की जा सके।

गोलकीपिंग की जिम्मेदारी सूरज कारकेरा और पवन संभालेंगे। डिफेंस की कमान कप्तान हरमनप्रीत सिंह के हाथों में होगी। उनके साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, संजय और नीलम संजीप ज़ेस शामिल हैं, जो टीम को रक्षात्मक मजबूती और नेतृत्व प्रदान करेंगे। डिफेंस सूची में अमनदीप लकड़ा का नाम भी शामिल है, जिन्होंने हाल ही में संपन्न पुरुष हीरो हाकी इंडिया लीग 2025-26 में शानदार प्रदर्शन किया था और हीरो प्लेयर आफ द टूर्नामेंट चुने गए थे।

मिडफील्ड में राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, नीलकांत शर्मा और रोसन कुजूर शामिल हैं। यह यूनिट अनुभव, नियंत्रण और रचनात्मकता का बेहतरीन संयोजन पेश करती है। ओडिशा के 21 वर्षीय रोसन कुजूर को पहली बार सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। वह 2025 एफआईएच जूनियर वर्ल्ड कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय जूनियर टीम का हिस्सा थे और हीरो हाकी इंडिया लीग में वेदांता कलिंगा लांसरस के खिताबी अभियान में भी अहम भूमिका निभा चुके हैं।

फारवर्ड लाइन में अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लकड़ा, सेल्वम कार्थी, मनदीप सिंह, अराइजित सिंह हुंडल और आदित्य अर्जुन ललागे शामिल हैं, जिन पर गोल करने और आक्रामक बढ़त दिलाने की जिम्मेदारी होगी।

टीम की घोषणा पर मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, यह टीम अनुभव और युवा ऊर्जा का शानदार मिश्रण है। रोसन, मनमीत और अमनदीप जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ सीनियर खिलाड़ियों की मौजूदगी हमें संतुलन देती है। बेल्जियम और अर्जेंटीना मजबूत टीमें हैं, लेकिन हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है।

घरेलू दर्शकों के जोशीले समर्थन के बीच भारतीय टीम राउरकेला चरण में शानदार प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी।

एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26 (राउरकेला चरण) के लिए भारत की 24 सदस्यीय टीम

गोलकीपरः

सूरज कारकेरा, पवन।

डिफेंडर्सः

अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), सुमित, संजय, नीलम संजीप ज़ेस, अमनदीप लकड़ा

मिडफील्डर्सः

राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, नीलकांत शर्मा, रोसन कुजूर

फारवर्ड्सः

अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लकड़ा, सेल्वम कार्थी, मनदीप सिंह, अराइजित सिंह हुंडल, आदित्य अर्जुन ललागे।

ज़ाग्रेब रैंकिंग सीरीज़ कुश्ती अमन सहरावत को रजत, सुजीत कलकल ने जीता स्वर्ण

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

ज़ाग्रेब में जारी रैंकिंग सीरीज़ कुश्ती टूर्नामेंट में भारत ने शानदार शुरुआत की है। पुरुष फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं के पहले दिन बुधवार को भारत ने एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम करते हुए अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग सर्किट में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने 61 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर भारत को दिन का पहला बड़ा परिणाम दिलाया। अमन ने शुरुआती दोनों मुकाबलों में दमदार तकनीकी जीत दर्ज की। उन्होंने पहले मुकाबले में जार्जिया के जियोर्गी गोनियाशविली को 10-0 से और दूसरे मुकाबले में ईरान के रज़ा मोमेनिज़ूजादेह को 12-2 से मात दी। हालांकि तीसरे दौर में अमन को अमेरिका के आस्टिन डी-सैंटो के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जहां अमेरिकी पहलवान ने उन्हें 0-8 से फाल के जरिए पराजित किया।

भारत के लिए दिन का एकमात्र स्वर्ण पदक सुजीत कलकल ने दिलाया। सुजीत ने पुरुषों के 65 किग्रा भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। उनकी इस जीत से भारतीय दल को टूर्नामेंट के शुरुआती दिन ही बड़ा मनोबल मिला और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग अंक भी हासिल हुए।

70 किग्रा भार वर्ग में अभिमन्यु मंडवाल ने कांस्य पदक जीतकर भारत की पदक तालिका को और मजबूत किया। अभिमन्यु ने क्वार्टरफाइनल में अमेरिका के टायलर कासक को 10-0 से हराते हुए जबरदस्त प्रदर्शन किया। हालांकि सेमीफाइनल में उन्हें ईरान के सिना खलीली से 0-10 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद कांस्य पदक मुकाबले में उन्होंने अमेरिका के इयान पार्कर को 6-3 से हराकर पदक पक्का किया।

वहीं 86 किग्रा वर्ग में मुकुल दहिया कांस्य पदक से चूक गए। कांस्य पदक मुकाबले में उन्होंने कड़ा संघर्ष किया, लेकिन ईरान के अली सवदकूही से 5-6 के करीबी अंतर से हार गए।

कुल मिलाकर ज़ाग्रेब रैंकिंग सीरीज़ के पहले दिन भारतीय पहलवानों का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा और आने वाले मुकाबलों में टीम से और बेहतर नतीजों की उम्मीद की जा रही है।

जून में शादी के बंधन में बंध सकते हैं रिंकू और प्रिया

नई दिल्ली। क्रिकेटर रिंकू सिंह सपा सांसद प्रिया सरोज के साथ इसी साल जून में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। रिंक अभी आईसीसी टी20 विश्वकप के लिए टीम के साथ हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी शादी की तारीख शीघ्र ही सामने आयेगी। रिंकू और प्रिया की सगाई पिछले साल लखनऊ में हुई थी। इसमें कई दिग्गज राजनेता और क्रिकेटर भी शामिल हुए थे। पहले दोनों के शादी को लेकर 18 नवंबर 2025 की तारीख सामने आई थी पर रिंकू के व्यस्त होने के कारण इसे टाल दिया गया था। रिंकू की सगाई की तस्वीरों को प्रशंसकों ने खूब पसंद किया था। प्रिया के साथ उनके रिश्ते की खबर सोशल मीडिया पर छायी रही थी। सगाई की तस्वीरें और डांस के वीडियो भी प्रशंसकों ने जमकर पसंद किये थे। रिंकू आईपीएल 2024 के बाद से ही भारतीय टीम के साथ हैं। अभी वह टी20 विश्वकप में व्यस्त हैं। विश्वकप 7 फरवरी से शुरु होने वाला है। इसके बाद 26 मार्च से 31 मई के बीच आईपीएल मुकाबले होंगे। इसके बाद ही रिंकू और प्रिया की शादी होगी। रिंकू भारतीय टी20 टीम में शामिल हैं। इसके अलावा वह आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते हैं।

मैनचेस्टर सिटी काराबाओ कप के फाइनल में, आर्सेनल से होगी खिताबी जंग

मैनचेस्टर, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

मैनचेस्टर सिटी ने बुधवार रात काराबाओ कप (लीग कप) के सेमीफाइनल में न्यूकैसल को 3-1 से हराकर कुल 5-1 के एग्रीगेट स्कोर के साथ फाइनल में जगह बना ली। अब फाइनल मुकाबले में प्रीमियर लीग की शीर्ष दो टीमें आर्सेनल और मैनचेस्टर सिटी-22 मार्च को वेम्बली स्टेडियम में आमने- सामने होंगी। इस मुकाबले में सिटी के फारवर्ड ओमर मारमूश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे, जबकि एक गोल तिजानी रेंडर्स ने किया। पहले लेग में 2-0 की बढ़त लेने वाली सिटी ने घरेलू मैदान एतिहाद स्टेडियम में सेमीफाइनल को लगभग एकतरफा बना दिया। न्यूकैसल की ओर से सांत्वना गोल सब्स्टीट्यूट एंथनी एलांगा ने किया। मारमूश ने मैच के सातवें मिनट में सिटी को बढ़त दिलाई, जब डैन बर्न के टैकल से गेंद उनके शरीर से टकराकर गोल में चली गई। 29वें मिनट में कीरन ट्रिपियर की खराब क्लीयरेंस पर मारमूश ने हेडर से अपना दूसरा गोल किया। इसके तीन मिनट बाद रेंडर्स ने बाक्स के अंदर से जोरदार शाट लगाकर स्कोर 3-0 कर दिया। 62वें मिनट में एलांगा ने न्यूकैसल के लिए गोल किया, जिससे स्कोरलाइन थोड़ी सम्मानजनक हो सकी। मैच के बाद मारमूश ने स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, हम ट्राफी जीतने के लिए खेलते हैं और हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं ताकि फाइनल तक पहुंचें और सिल्वरवेयर उठा सकें। वहीं सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला ने आर्सेनल की तारीफ करते हुए कहा, आर्सेनल इस समय शायद यूरोप ही नहीं, दुनिया की भी सबसे बेहतरीन टीम है। उनके खिलाफ खेलना हमें और बेहतर बनाएगा। आर्सेनल ने मंगलवार को चेल्सी को 1-0 से हराकर कुल 4-2 के एग्रीगेट के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। प्रीमियर लीग में आर्सेनल फिलहाल छह अंकों की बढ़त के साथ शीर्ष पर है, जबकि सिटी दूसरे स्थान पर है। दोनों टीमें चैंपियंस लीग के राउंड आफ 16 और एफए कप के चौथे दौर में भी पहुंच चुकी हैं। यह फाइनल दोनों क्लबों के बीच हालिया प्रतिद्वंद्विता को और धार देगा। सिटी ने 2023 और 2024 में आर्सेनल को पीछे छोड़ते हुए लीग खिताब जीता था। आर्सेनल इस सीजन 2004 के बाद पहली बार लीग ट्राफी जीतने की कोशिश में है। काराबाओ कप जीतने पर मिकेल आर्टेटा को 2020 के एफए कप के बाद पहला बड़ा खिताब मिलेगा, वहीं गार्डियोला सिटी के साथ अपनी 16वीं बड़ी ट्राफी और पांचवीं लीग कप जीत सकते हैं।

एमसीजी करेगा ऐतिहासिक 150वां एनिवर्सरी टेस्ट की मेजबानी, टिकटों की रिकार्ड मांग

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में मार्च 2027 में खेले जाने वाले ऐतिहासिक 150वें एनिवर्सरी टेस्ट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाले इस खास मुकाबले के लिए टिकटों की मांग उम्मीद से कहीं ज्यादा रही है।

सार्वजनिक टिकट बैलेट इस सप्ताह बंद होने जा रहा है और उससे पहले ही भारी संख्या में आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

यह ऐतिहासिक टेस्ट मैच 11 मार्च 2027 से एमसीजी में खेला जाएगा और खास बात यह है कि यह पिंक बाल से डे-नाइट टेस्ट होगा। यह मुकाबला क्रिकेट के 150 साल के गौरवशाली इतिहास का जश्न होगा, जिसमें खेल की दुनिया के कई बड़े और प्रतिष्ठित नामों की मौजूदगी तय मानी जा रही है।

टिकटों की अत्यधिक मांग को देखते हुए क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने अपने इतिहास में पहली बार सार्वजनिक बैलेट सिस्टम अपनाया है।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अनुसार, इस बैलेट के लिए आवेदन की अंतिम तिथि शुक्रवार, 6 फरवरी को शाम 5 बजे (आस्ट्रेलिया समय के अनुसार) तय की गई है। बैलेट बंद होने के बाद सभी आवेदनों को रैंडमाइज किया जाएगा और सफल आवेदकों को 20 फरवरी तक सूचित किया जाएगा।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया को इस इवेंट के लिए न केवल विक्टोरिया बल्कि अन्य राज्यों और विदेशों से भी बड़ी संख्या में आवेदन मिले हैं। खास तौर पर विदेशों से आए अधिकतर आवेदन यूके से हैं। अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय आवेदनों को विक्टोरिया के निवासियों से अलग श्रेणी में गिना जा रहा है।

सीए इस ऐतिहासिक आयोजन में सभी जीवित पुरुष और महिला आईसीसी हाल आफ फेम इंडक्टी, आस्ट्रेलियन क्रिकेट हाल आफ फेम के सदस्य, 1977 के सेंटेनरी टेस्ट में खेलने वाले आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के सभी खिलाड़ी, पूर्व टेस्ट कप्तान और दोनों देशों के पूर्व टेस्ट क्रिकेटरों को आमंत्रित करने की योजना बना रहा है। अब तक 100 से ज्यादा पूर्व आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी और विश्व क्रिकेट की दिग्गज हस्तियां अपनी मौजूदगी की पुष्टि कर चुकी हैं।

150वां एनिवर्सरी टेस्ट उस ऐतिहासिक परंपरा की अगली कड़ी होगा जिसकी शुरुआत मार्च 1877 में एमसीजी पर आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच से हुई थी। इसके बाद 1977 में खेला गया सेंटेनरी टेस्ट भी ऐतिहासिक रहा, जिसमें डेविड हूक्स, टोनी ग्रेग और रिक मैककास्कर जैसे दिग्गजों ने यादगार प्रदर्शन किया था। खास बात यह है कि आस्ट्रेलिया ने पहला टेस्ट और सेंटेनरी टेस्ट दोनों ही 45 रन से जीते थे।

यह मुकाबला एमसीजी में खेला जाने वाला पहला पुरुष डे-नाइट टेस्ट भी होगा। आयोजन के दौरान दुनियाभर के क्रिकेट दिग्गजों को सम्मानित करने के लिए विशेष समारोह और मनोरंजन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे यह टेस्ट क्रिकेट इतिहास का एक अविस्मरणीय अध्याय बनने जा रहा है।

भारत जल्द ही सीमा शुल्क में सुधार का एक और दौर शुरू करेगा: सीतारमण

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की घोषणा के बाद अब भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश आवक की चुनौतियां खत्म हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि जब साल भर पहले निवेशकों ने पैसा निकालना शुरू किया था, तब भी भारत की वृहद आर्थिक बुनियाद मजबूत थी। उन्होंने कहा कि बुनियादी वृहद आर्थिक संकेतक तब मजबूत थे, बाद में मजबूत रहे और अब भी मजबूत ही हैं लेकिन निवेश की आवक के लिए कुछ और चाहिए।

ट्रेड डील की घोषणा के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेश आवक की चुनौतियां होंगी खत्म

वित्तमंत्री ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डानल्ड ट्रंप के बीच फोन बातचीत पर प्रतिक्रिया देखें तो पता चल जाएगा कि मौसम कितना बदल गया है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि देश में निवेश आएगा। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही सीमा शुल्क में सुधार का एक और दौर शुरू करेगा। इससे संकेत मिलता है कि वित्त वर्ष 2027 के बजट में घोषित सीमा शुल्क में कटौती प्रस्तावित बड़ी कवायद की पहली किस्त थी। उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क की व्यवस्था में कई स्तर हैं, जिन्हें सरकार सुधारों को एक साथ पूरा करने के बजाय जानबूझकर उन्हें चरणबद्ध तरीके से कर रही है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि मैं यह सब इस बजट में कर सकती थी, लेकिन जितने पर पूरा भरोसा था उसे किया। बाकी के लिए हम जल्दबाजी नहीं करना चाहते थे। कुछ बदलाव तृतीयक संशोधनों के जरिये भी लाए जा सकते हैं या ऐसा कहें कि मेरे पास अभी कुछ और भी है, जिसे बाद में एक साथ लाएंगे लेकिन जितनी जल्दी हो उतना अच्छा। बता दें वित्त वर्ष 2026 के बजट में सीमा शुल्क के स्लैब की संख्या 15 से घटाकर 8 करने के बाद वित्त मंत्री ने दुर्लभ खनिजों, स्वच्छ ऊर्जा उपकरण, इलेक्ट्रानिक्स और चिकित्सा उपकरणों सहित कई उत्पादों पर बुनियादी सीमा शुल्क में कटौती की थी।

वित्त मंत्री ने कहा कि सीमा शुल्क में सुधार बुनियादी तौर पर आयकर से अलग है क्योंकि इसमें कई अलग-अलग पहलू शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी बैंकों का विलय बैंकिंग पर प्रस्तावित उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों का इंतजार किए बिना कभी भी हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा 6 फरवरी को सुबह 10 बजे करेंगे मौद्रिक समीक्षा का ऐलान

मुंबई। रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा 6 फरवरी को सुबह 10 बजे तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के फैसले का ऐलान करेंगे। आर्थिक मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार आरबीआई एमपीसी की बैठक में पालिसी दरों रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करेगा। आरबीआई ने गुरुवार को एक्स पोस्ट पर बताया कि रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा 2026 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की 4 से 6 फरवरी तक चलने वाली मौद्रिक समीक्षा बैठक की लाइव टेलीकास्ट बयान सुबह 10:00 बजे से देंगे। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने फरवरी, 2025 से लेकर अबतक नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में कुल 125 फीसदी तक की कटौती कर चुका है, जिससे रेपो रेट घटकर 5.25 फीसदी पर आ गया है। जानकारों का कहना है कि महंगाई अब अपने निचले स्तर से दोबारा ऊपर आने लगी है, इसलिए केंद्रीय बैंक और जोखिम लेने से बचेगा और इस बार रेपो रेट को यथावत रखेगा।

रायल एनफील्ड ने बिक्री में किया 1 मिलियन यूनिट्स का आंकड़ा पार

नई दिल्ली। जनवरी 2026 में रायल एनफील्ड ने दमदार प्रदर्शन करते हुए मजबूत ग्रोथ दर्ज की है।

कंपनी ने वैश्विक स्तर पर 1 मिलियन यानी 10 लाख मोटरसाइकिलों की बिक्री का महत्वपूर्ण आंकड़ा पार कर लिया है। वहीं एक्सपोर्ट में भी 1 लाख यूनिट्स का स्तर छू लिया है। रायल एनफील्ड का 350सीसी और इससे ऊपर के इंजन वाला व्यापक पोर्टफोलियो लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहा है। हाल ही में पेश की गई नई गोअन क्लासिक 350 ने भी कंपनी की पकड़ को मजबूती दी है। वहीं डिजिटल स्पेस में कंपनी ने क्राफ्टन इंडिया के साथ साझेदारी करते हुए बीजीएमआई के वर्चुअल वर्ल्ड में अपनी लोकप्रिय मोटरसाइकिल बुलेट 350 और कान्टिनेंटल जीटी 650 को शामिल किया है, जिससे युवा वर्ग के बीच इसकी ब्रांड वैल्यू और बढ़ी है। जनवरी 2026 में रायल एनफील्ड की कुल बिक्री 1,04,322 यूनिट्स रही, जो जनवरी 2025 की 91,132 यूनिट्स की तुलना में 14.47फीसदी अधिक है। महीने-दर-महीने आधार पर यह आंकड़ा दिसंबर 2025 की 1,03,574 यूनिट्स से हल्की बढ़त के साथ ऊपर रहा। सब 350सीसी सेगमेंट ने कंपनी को सबसे ज्यादा वाल्यूम दिया, जिसमें 92,998 यूनिट्स की बिक्री के साथ 18फीसदी सालाना बढ़ोतरी दर्ज हुई। हालांकि इस सेगमेंट में महीने-दर-महीने 2.60 फीसदी की मामूली गिरावट देखी गई। बड़े 350सीसी से ऊपर वाले सेगमेंट में 11,324 यूनिट्स बिके, जो सालाना आधार पर 8.06 फीसदी अधिक रहे, जबकि दिसंबर की तुलना में लगभग 40 फीसदी की बड़ी बढ़त दर्ज की गई। घरेलू बाजार में कंपनी ने जनवरी 2026 में 93,781 यूनिट्स बेचीं, जो जनवरी 2025 की तुलना में 15.70 फीसदी की मजबूत वृद्धि है।

जनवरी 2026 में किआ की कुल 27,603 यूनिट्स की बिक्री दर्ज

नई दिल्ली। कैलेंडर ईयर 2026 की शुरुआत किआ इंडिया ने जनवरी 2026 में कुल 27,603 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो जनवरी 2025 की तुलना में 10.3फीसदी की साल-दर-साल वृद्धि को दर्शाती है। कंपनी ने नए साल की शुरुआत बेहद मजबूत प्रदर्शन के साथ की है।

इससे भी अधिक प्रभावशाली बात यह है कि दिसंबर 2025 की 18,659 यूनिट्स के मुकाबले कंपनी ने 47.9 फीसदी की महीने-दर-महीने तेज़ ग्रोथ हासिल की है। यह आंकड़े बताते हैं कि कंपनी के प्रमुख माडल लगातार बाजार में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उपभोक्ताओं का विश्वास किआ ब्रांड पर बढ़ रहा है। किआ की नई सेल्टोस ने कंपनी की बिक्री में सबसे ज्यादा योगदान दिया है। एसयूवी सेगमेंट में इसकी मजबूत पकड़ और ग्राहक-केन्द्रित फीचर्स ने इसे जनवरी में कंपनी का सबसे प्रमुख ग्रोथ ड्राइवर बनाया। वहीं, सोनेट काम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में लगातार बेहतर प्रदर्शन करती रही है। पावरट्रेन विकल्पों की विविधता, फीचर-लोडेड वैरिएंट्स और शहरी व अर्ध-शहरी बाजारों में बढ़ती लोकप्रियता ने इसे किआ का स्थायी वाल्यूम ड्राइवर बना दिया है। किआ की मल्टी-व्हीकल रणनीति भी सफल होती नजर आ रही है। कैरेंस क्लैविस और क्लैविस ईवी ने कंपनी की पोर्टफोलियो विविधता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। कैरेंस लाइनअप ने रिक्रिएशन व्हीकल सेगमेंट में किआ की उपस्थिति को और मजबूती दी है, वहीं क्लैविस ईवी भारतीय बाजार में किआ की इलेक्ट्रिक पेशकश के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रही है।

जनवरी में रेनो की कुल 3,715 यूनिट्स की बिक्री दर्ज

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

रेनो इंडिया कंपनी की साल के प्रथम महीने जनवरी में कुल 3,715 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई। यह बीते साल की तुलना में लगभग 33 प्रतिशत अधिक है। कंपनी की इस सफलता में ट्रीबर और काईगर जैसे माडलों की बढ़ती मांग सबसे बड़ी वजह रही। किफायती कीमत, बेहतर परफार्मेंस और फैमिली-फ्रेंडली डिजाइन ने ट्रीबर को बजट सेगमेंट में लोकप्रिय विकल्प बनाया है। यह तेज वृद्धि आटोमोबाइल इंडस्ट्री के औसत प्रदर्शन से काफी आगे है और यह दर्शाती है कि रेनो के माडल भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद में लगातार ऊपर चढ़ रहे हैं।

वहीं काईगर ने भी युवाओं और शहरी ग्राहकों के बीच अपनी मज़बूत पहचान बनाई है। इसके साथ ही, जनवरी के अंत में लान्च की गई नई जेनरेशन डस्टर ने रेनो ब्रांड के प्रति उत्साह को और बढ़ाया है। एसयूवी सेगमेंट में अपनी अलग पहचान रखने वाली डस्टर की नई अवतार में आधुनिक सुरक्षा फीचर्स, उन्नत तकनीक और अधिक केबिन स्पेस शामिल किए गए हैं।

हाइब्रिड इंजन विकल्प की संभावना ने भी ग्राहकों का ध्यान खींचा है, जिससे बिक्री के अनुमान और मजबूत हुए हैं। डीलरशिप पर पूछताछ और बुकिंग के शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि यह माडल ब्रांड को नई रफ्तार देने में अहम भूमिका निभा सकता है। रेनो इंडिया की चेन्नई स्थित मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और देशभर में फैले सेल्स और सर्विस नेटवर्क ने भी कंपनी की ग्रोथ को मजबूती दी है। आसान पहुंच और भरोसेमंद आफ्टर-सेल्स सपोर्ट के कारण ब्रांड की विश्वसनीयता बढ़ी है। जनवरी 2026 के प्रदर्शन और नए माडलों के प्रति बढ़ती दिलचस्पी से साफ है कि रेनो इंडिया भारतीय बाजार में अपनी पकड़ को फिर से मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

मारुति सुजुकी की ग्रांड विटारा लगातार सुर्खियों में

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी की ग्रांड विटारा भारतीय कार बाजार में माइलेज को लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। मारुति सुजुकी कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी फुल टैंक में करीब 1200 किलोमीटर तक चल सकती है। 10.76 लाख रुपये से 19.57 लाख रुपये की कीमत में उपलब्ध इस मिड-साइज एसयूवी का मुकाबला हुंडई क्रेटा, किया सेल्टोस और होंडा एलिवेट जैसे लोकप्रिय माडलों से होता है। इसके बावजूद ग्रांड विटारा मजबूत हाइब्रिड तकनीक और भरोसेमंद परफार्मेंस की वजह से अपनी अलग पहचान कायम कर चुकी है। बिक्री के आंकड़े भी इसकी सफलता की पुष्टि करते हैं। पिछले छह महीनों में 50 हजार से अधिक यूनिट्स की बिक्री के साथ यह एसयूवी हर महीने औसतन 8,355 ग्राहकों की पसंद बन रही है। मारुति और टोयोटा की साझेदारी में विकसित इस माडल में माइल्ड और स्ट्रान्ग दोनों तरह के हाइब्रिड इंजन विकल्प मिलते हैं। स्ट्रान्ग हाइब्रिड वेरिएंट पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर के संयोजन से 27.97 किमी प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है। इसमें दिया गया ईवी मोड पूरी तरह इलेक्ट्रिक मोटर पर कार चलाता है, जिससे ड्राइविंग न केवल शांत होती है बल्कि ईंधन की खपत भी काफी कम रहती है। फीचर्स के मामले में भी ग्रांड विटारा किसी से कम नहीं। पैनोरमिक सनरूफ, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस चार्जिंग, वेंटिलेटेड सीट्स, 360 डिग्री कैमरा और कनेक्टेड कार टेक्नोलाजी जैसे फीचर्स इसे आधुनिक और प्रीमियम अनुभव देते हैं। सुरक्षा के लिए मल्टीपल एयरबैग्स, एबीएस-ईबीडी, इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी कंट्रोल और हिल होल्ड असिस्ट जैसे फीचर्स शामिल किए गए हैं। बेहतर माइलेज, एडवांस्ड हाइब्रिड टेक्नोलाजी, भरोसेमंद सेफ्टी और मारुति के व्यापक सर्विस नेटवर्क के कारण ग्रांड विटारा तेजी से भारतीय ग्राहकों की पहली पसंद बनती जा रही है।

अब येस बैंक की कमान संभालेंगे टोंसे, बैंक वृद्धि बहाली अगले चरण में ले जाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

येस बैंक में प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्याधिकारी का पदभार संभालने जा रहे विनय मुरलीधर टोंसे पर बैंक को वृद्धि के अगले चरण में ले जाने की जिम्मेदारी है। वह प्रशांत कुमार की जगह लेंगे। हाल की तिमाहियों में बैंक के कारोबार की वृद्धि, खासकर खुदरा क्षेत्र में, सुस्त रही है, क्योंकि बैंक होम लोन और कार लोन जैसे ऋण क्षेत्र से हटकर मिल यील्डिंग सेग्मेंट की ओर बढ़ रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान की वित्त क्षेत्र की दिग्गज एसएमबीसी द्वारा बैंक में पिछले साल 25 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के बाद यह नियुक्ति होने जा रही है, जिसे देखते हुए इसे अहम माना जा रहा है। येस बैंक के मौजूदा एमडी और सीईओ प्रशांत कुमार की तरह मुरलीधर टोंसे भी भारतीय स्टेट बैंक में काम कर चुके हैं। वह नवंबर 2025 में स्टेट बैंक से प्रबंध निदेशक पद से सेवानिवृत्त हुए थे। टोंसे के येस बैंक के एमडी और सीईओ पद पर नियुक्ति पर एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि उन्हें हर क्षेत्र का अनुभव है। अपनी सेवाओं के दौरान उन्होंने कारपोरेट बैंकिंग, मार्केट्स, इंटरनैशनल बैंकिंग और खुदरा समेकत करीब सभी प्रमुख क्षेत्रों का कामकाज देखा है। इसकी वजह से वह इस पद के लिए बेहतर विकल्प हैं। सूत्रों ने कहा कि एमडी और सीईओ पद के लिए तीन उम्मीदवार दौड़ में थे, जिनमें से दो निजी क्षेत्र से थे। येस बैंक के बोर्ड ने टोंसे को चुना। टोंसे ने 1988 में स्टेट बैंक में प्रोबेशनरी आफिसर के रूप काम करना शुरू किया था। वह देश के सबसे बड़े ऋणदाता के साथ 30 से ज्यादा वर्ष तक जुड़े रहे। उन्होंने भारत और विदेश में कई स्थानों पर काम किया। अपने कार्यकाल में उन्होंने कारपोरेट क्रेडिट, ट्रेजरी, रिटेल और इंटरनैशनल बैंकिंग जैसे विभिन्न काम संभाले।

एमजी मोटर इंडिया की कुल 4,843 गाड़ियों की बिक्री दर्ज

नई दिल्ली। वर्ष 2026 की शुरुआत जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने सकारात्मक संकेतों के साथ की है। जनवरी 2026 में कंपनी ने कुल 4,843 गाड़ियों की रिटेल बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 9 फीसदी अधिक है। यह वृद्धि मुख्य रूप से एमजी की इलेक्ट्रिक वाहनों और प्रीमियम माडल्स की बढ़ती लोकप्रियता के कारण देखी जा रही है। कंपनी का कहना है कि भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग लगातार बढ़ रही है, जिसका सबसे बड़ा लाभ उसे अपनी विंडसर ईवी की सफलता के रूप में मिल रहा है। विंडसर ईवी, एमजी की अब तक की सबसे लोकप्रिय इलेक्ट्रिक कार बन चुकी है। इसकी दमदार रेंज, विशाल इंटीरियर और आक्रामक कीमत ने इसे उपभोक्ताओं के बीच बेहद पसंदीदा बना दिया है। इस माडल ने एमजी की कुल इलेक्ट्रिक बिक्री को मजबूती देने में अहम भूमिका निभाई है और यह लगातार कंपनी की टाप-सेलिंग ईवी बनी हुई है।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, चांदी ने लगाई जोरदार छलांग

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। इसी तरह चांदी भी मजबूती के साथ कारोबार कर रही है। कीमत में तेजी आने के कारण सोना 440 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 480 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 20,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की जोरदार तेजी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,54,420 रुपये से लेकर 1,54,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,41,550 रुपये से लेकर 1,41,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में जबरदस्त उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में तीन लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,54,570 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,420 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,550 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मंदिर...

इसके अलावा, संबंधित थाना से अनापत्ति प्रमाण पत्र की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया गया।नीति तैयार होने तक हाइकोर्ट ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वह आदेश की तिथि की स्थिति बनाए रखे और परिसर में कोई परिवर्तन न करे।

हैदराबाद त्रिविभाजन...

प्रशासनिक ढांचा: प्रत्येक निगम का अपना स्वतंत्र मेयर और कमिश्नर (आईएएस अधिकारी) होगा।

समय सीमा: वर्तमान मेयर विजयलक्ष्मी गदवाल का कार्यकाल 10 फरवरी, 2026 को समाप्त हो रहा है। इसके बाद, नए निगमों के गठन की प्रक्रिया तेज होगी और चुनाव अगस्त 2026 तक चुनाव कराए जाने की संभावना है।उद्देश्य: इस त्रिविभाजन (ढीळषींीलरींळेप) का मुख्य उद्देश्य नागरिक सेवाओं (सफाई, सड़क, स्ट्रीट लाइट) की आपूर्ति में सुधार करना और जनता की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। हालांकि ऐसा आरोप है कि कांग्रेस हैदराबाद में अपनी खोई साख पाने के साथ-साथ मजलिस (एमआईएम) को फायदा पहुँचाने के लिए जीएचएमसी के तीन हिस्से कर रही है।

भाजपा जीती...

सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास (एमपी लाड) निधि।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने प्रस्तावित मिनी-स्टेडियम जैसे विकास कार्यों में बाधा डाली है। साथ ही, उन्होंने संकल्प लिया कि चुनाव के तुरंत बाद निर्माण कार्य फिर से शुरू कराया जाएगा।

हुसैन सागर...

जहाँ भी पानी का रंग बदला हुआ दिखाई देता है, वहाँ ईएम तरल का छिड़काव किया जा रहा है। अधिकारी ने आगे जानकारी दी कि, भीषण गर्मी के दौरान हम दो टैंकरों का उपयोग करेंगे और फेरों की संख्या बढ़ाकर 20 से 25 कर देंगे। यह प्रक्रिया फरवरी से शुरू हो चुकी है और पूरी गर्मी के मौसम तक जारी रहेगी।

भारत हिंदू...

उन्होंने संवेदना को मनुष्य का मूल गुण बताते हुए कहा कि दूसरों के दुख की उपेक्षा कर सुख प्राप्त नहीं किया जा सकता।शिक्षा पर बोलते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि जन्मांतर का ज्ञान मनुष्य के मस्तिष्क में निहित होता है और शिक्षा का उद्देश्य उसी अंतर्निहित ज्ञान को बाहर लाना है। टंट्या मामा और गाडगे महाराज जैसे समाज सुधारकों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि औपचारिक शिक्षा के अभाव में भी उनके कार्यों के कारण आज समाज उन्हें सम्मान देता है। वास्तविक शिक्षा वही है जो विश्व मानवता का बोध कराए, आत्मनिर्भर बनाए और श्रम की प्रतिष्ठा सिखाए।उन्होंने कहा कि भारत का स्वभाव व्यक्ति से अधिक कर्म को महत्व देने का है तथा परिणाम से अधिक प्रामाणिक और उत्कृष्ट कार्य पर बल देता है। भारत की उन्नति का अर्थ केवल मानव विकास नहीं, बल्कि जल, जंगल, नदी, पहाड़, पशु और मानवसभी का समग्र विकास है।कार्यक्रम में 'गोष्ट-नर्मदालयाची' ऑडियोबुक का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, पद्मश्री महेश शर्मा, नर्मदा न्यास के अध्यक्ष नितिन कर्माकर सहित करीब 300 आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहे।इसके पूर्व श्री भागवत संस्था निमाड़ अभ्युदय के प्रवास पर पहुंचे। उन्होंने मंदिर दर्शन कर संस्था की सामाजिक, शैक्षणिक एवं सेवा गतिविधियों का अवलोकन किया तथा विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल टेक्नोलॉजी का भ्रमण कर ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों की सराहना की।

दो गज़ दूरी...

हाल ही में एक गंभीर मामला सामने आया है जहाँ वरंगल की एक 30 वर्षीय महिला को बेहद गंभीर स्थिति में सिकंदराबाद के एक कॉर्पोरेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके फेफड़ों में पूर्ण संक्रमण था और वह वर्तमान में ईसीएमओ-वेंटीलेटर सपोर्ट पर है। डॉक्टरों ने जिलों में इन्फ्लुएंजा जैसी स्थितियों की उचित निगरानी की कमी पर चिंता जताई है।

सावधानियाँ और बचाव के उपाय

वर्तमान में अधिकांश वायरल संक्रमण इन्फ्लुएंजा के मामले हैं, जिनमें एच3एन2 सबटाइप पिछले कई हफ्तों से सक्रिय है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने जनता को सतर्क रहने और निम्नलिखित सावधानियां बरतने की सलाह दी है:

-श्वसन स्वच्छता: खांसते या छींकते समय अपने मुंह और नाक को टिश्यू पेपर से ढकें।

-हाथों की सफाई: बार-बार साबुन और पानी से हाथ धोएं।

-स्पर्श से बचें विशेषकर आँखों, नाक या मुँह को बार-बार छूने से बचें।

-सामाजिक दूरी: बुखार या खांसी होने पर सार्वजनिक स्थानों से दूर रहें और घर पर आराम करें।

-पोषण और वेंटिलेशन: भरपूर पानी पिएं, पौष्टिक भोजन लें और संक्रमण कम करने के लिए कमरों में ताजी हवा का आवागमन सुनिश्चित करें।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 06 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव में भाग लेने के लिए

विभिन्न गौशाला संचालक, पदाधिकारी एवं सामाजिक-धार्मिक संगठन आमंत्रित

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूज्य श्री रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला के तत्वावधान में आयोजित होने वाले पूज्य डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव में भाग लेने के लिए विभिन्न गौशाला संचालकों, पदाधिकारियों, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारियों को विशेष रूप से निमंत्रित किया गया है।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में पूज्य श्री रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला के प्रधान संयोजक जसमत पटेल एवं अशोक पटेल ने बताया कि मेडचल पूडुरू गांव स्थित श्री उमिया धाम में आगामी 15 फरवरी 2026 (शिकरात्री के पावन दिवस) पर किशाल लोक डायरो एवं लोक संगीत का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जसमत पटेल ने कहा कि किशाल लोक डायरो में देश के जाने-माने साहित्यकार, किंवदंती लोक गायक किरेक सांखला, किंवदंती लोक गायिका श्रुति पटेल तथा किंवदंती हास्य कलाकार हक्का भा गढकी अपनी टीम के साथ भाग लेंगे। उन्होंने समस्त गौभक्तों से उपरोक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का हार्दिक अनुरोध किया है।

विभिन्न संगठनों के साथ आयोजित बैठकें एवं आमंत्रण

आगामी 15 फरवरी को रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला द्वारा आयोजित जन्म शताब्दी महोत्सव एवं किशाल लोक डायरो में भाग लेने हेतु विभिन्न समाजों के साथ बैठकें की गईं। सिकंदराबाद स्थित ताजमहल होटल में किशाल लोक डायरो के संदर्भ में एक बैठक श्री गुजराती सेका मंडल सिकंदराबाद के पदाधिकारियों एवं रानीगंज पंप डीलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ आयोजित की गई। इस बैठक में मंडल के मानद मंत्री जनकभाई ब्रह्मभट्ट, सदस्य रमेश नेगांधी, कौशीक पटेल, किश्नु पटेल, दिनेश लालगुरू, अजय ओझा, भिमजीभाई सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

हिमायतनगर एवं अन्य क्षेत्रों में भी चले आमंत्रण अभियान

हिमायतनगर में भुकानिया निवास में आयोजित एक अन्य बैठक अग्रणी महिला मंडल एवं कल्लभ यूथ ऑर्गनाइजेशन महिला मंडल की सदस्याओं के साथ की गई, जिसमें सुमन बेन भुकानिया, अंजना, अस्मिता, सुनैना, टीना, ज्योति, संगीता, सपना, प्रीति, रूपा, रितु, नीता, सोनिया तथा किशोरियों की अंजना मेहता, आस्मिता, ब्रिंदा, स्मिता, शारदा, बीना, सुमन आदि सदस्याएं उपस्थित थीं।कोठी में जय प्रभु डायमंड ग्रुप के भाकिन पटेल, निलेश पटेल, श्रेणिक पटेल; एल.बी. नगर में माली समाज संघ हैदराबाद के रामकृष्ण कच्छका सैनी, ओमप्रकाश कच्छका, मेघराज भाटी, पुखराज कच्छका, महेश भाटी आदि से भेंट कर आमंत्रित किया गया। निजामाबाद में संयोजक जसकंत सुराणी ने श्री कच्छ कडका पाटीदार समाज निजामाबाद के वरिष्ठ सदस्य नारायणभाई भादाणी से भेंट कर निमंत्रण दिया।

समिति के पदाधिकारियों द्वारा व्यापक प्रचार

डोंगरेजी गौशाला समिति की ओर से प्रधान संयोजक जसमत पटेल एवं अशोक पटेल, कसंत पटेल, जयसुख पटेल, रिद्धीश जागीरदार, जसकंत सुर-ाणी, जयंती पटेल, चमन पटेल, बलदेव पटेल, प्रभु पटेल, हसमुख पटेल, सतीश जाजू, आनंद बोहरा एवं अन्य पदाधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों में गणमान्य व्यक्तियों से भेंट कर किशाल लोक डायरो के लिए विशेष निमंत्रण दिया। समिति ने सभी गौभक्तों, समाजसेवियों एवं भक्तजनों से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक जन्म शताब्दी महोत्सव एवं सांस्कृतिक संध्या में सक्रिय रूप से भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

लंदन में ब्रिटिश संसद द्वारा अंतर्राष्ट्रीय भारत गौरव पुरस्कार प्राप्त डॉ. अजय कुमार अग्रवाल ने दुबई में ग्लोबल आइकन पुरस्कार और अंतर्राष्ट्रीय जनसंपर्क चैंबर के राष्ट्रीय अध्यक्ष, हैदराबाद में मोतीलाल ओसवाल ग्रुप ऑफ कंपनीज के अध्यक्ष रामदेव अग्रवाल को अपनी पुस्तक पीआर ए टूल फॉर सक्सेस भेंट की।

सेवा से समाज को दिशा देता राधे-राधे ग्रुप : गोविंद राम पचेरिया

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी मां के मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित रूप से संचालित अन्नदान कार्यक्रम समाजसेवा की एक सशक्त मिसाल बनता जा रहा है। इसी क्रम में आयोजित नित्य अन्न सेवा कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी गोविंद राम पचेरिया ने अपने विचार साझा किए।

गोविंद राम पचेरिया ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा किया जा रहा सेवा कार्य अत्यंत सराहनीय, अनुकरणीय और प्रेरणादायी है। समाज और देश के प्रति सोच रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इस निस्वार्थ सेवा से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि निशुल्क अन्न सेवा को समय पर और नियमित रूप से करना ही सच्ची सेवा की पहचान है।उन्होंने कहा कि यह राधे रानी की विशेष कृपा है कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा यह सेवा कार्य पिछले डेढ़ से दो वर्षों से निरंतर, अनुशासित और समर्पित भाव से चलाया जा रहा है। ऐसे सेवा कार्य न केवल जरूरतमंदों को राहत प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में मानवीय संवेदनाओं, सेवा भावना और आपसी सद्भाव को भी मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने श्रद्धा और सेवा भाव के साथ अन्नदान किया तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने के संकल्प को दोहराया।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल भाई, गोविंद राम पचेरिया, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, अर्चना शास्त्री, रेणु शर्मा, मीना अग्रवाल एवं सुनीता अग्रवाल सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

राजस्थान के पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेंद्र गोयल 7 फरवरी को एक दिवसीय हैदराबाद प्रवास पर रहेंगे

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेंद्र गोयल 7 फरवरी को एक दिवसीय हैदराबाद प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे प्रवासी समाज बंधुओं, कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न संगठनों से मिलेंगे तथा सामाजिक-राजनीतिक चर्चाओं में भाग लेंगे।सी. आर. कुमावत के अनुसार, श्री गोयल का विमान सुबह 10 बजे शमशाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आगमन होगा।

आगमन के बाद वे हैदराबाद में प्रवासी समाज के प्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं तथा गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात समाज के विभिन्न मुद्दों, संगठनात्मक मजबूती तथा आगामी योजनाओं पर केंद्रित रहेगी।

एनएमडीसी ने कौशल विकास के माध्यम से विकसित भारत में योगदान दिया

बस्तर के युवाओं के लिए 100% प्लेसमेंट का मनाया समारोह

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड ने रोजगार-उन्मुख कौशल प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर 100% प्लेसमेंट प्राप्त करने वाले बस्तर प्रभाग के 80 युवाओं के पहले बैच का स्वागत किया। यह छत्तीसगढ़ के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और कौशल विकास, समावेशी विकास और राष्ट्र निर्माण के लिए एनएमडीसी की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है।यह कार्यक्रम एनएमडीसी के सीएसआर प्रयासों के हिस्से के रूप में केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईपीईटी) के सहयोग से लागू की गई कौशल विकास पहल के तहत किया गया था। इस पहल का उद्देश्य बस्तर के बेरोजगार और वंचित आदिवासी युवाओं को उद्योग-प्रासंगिक कौशल से लैस करके स्थायी आजीविका में सक्षम बनाकर सशक्त करना है। यह सम्मान समारोह और चर्चा सत्र एनएमडीसी के वरिष्ठ नेतृत्व की उपस्थिति में आयोजित किया गया जिसमेंअमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी) और निदेशक (वाणिज्यिक, अतिरिक्त प्रभार), जॉयदीप दासगुप्ता, निदेशक (उत्पादन) और निदेशक (कार्मिक, अतिरिक्त प्रभार), पी.श्याम, महाप्रबंधक (सीएसआर) और बी. रवि, प्रधान निदेशक, सीआईपीईटी, एनएमडीसी और सीआईपीईटी के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों और साध-ारण परिवारों (दंतेवाड़ा, बस्तर, सुकमा, नारायणपुर, कोंडागांव और बीजापुर सहित) से आए छात्रों ने वहां के जीवन के बारे में बात की, जहां अवसर सीमित थे और विकल्प कम थे। उन्होंने कहा कि कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल रोजगार प्रदान करता है, बल्कि अपने गृहनगर से बाहर निकलकर अपनी शर्तों पर आय अर्जित करने का आत्मविश्वास भी प्रदान करता है।बस्तर से आए कक्षा 12 उत्तीर्ण युवक सुखराम ने बताया कि किस प्रकार उनका बचपन शुरुआत में हुए नुकसान और सीमित साधनों में बीता था।

उन्होंने कहा कि नौकरी मिलने से उनके परिवार के जीवन की दिशा बदल जाएगी। उन्होंने कहा, मुझे कभी नहीं पता था कि मैं अपना गृहनगर कैसे छोड़ूंगा। आज, मैं नौकरी करने और कमाने जा रहा हूं।इस अवसर पर बोलते हुए, एनएमडीसी के अध्यक्ष अमिताभ मुखर्जी ने कहा कि बस्तर के युवाओं को औपचारिक रोजगार में कदम रखते देखना इस यह दर्शाता है कि अवसर क्या कर सकता है। उन्होंने कहा कि 80 प्रशिक्षुओं में से अनेक इस क्षण तक पहुंचने के लिए लगन और आत्मविश्वास दोनों के साथ लंबी यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने कहा, यह सिर्फ नौकरियों के बारे में नहीं है। यह युवा लोगों के बारे में है जो महसूस करते हैं कि वे कार्यबल और देश की विकास यात्रा में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षण इस बात की पुष्टि करते हैं कि आत्मनिर्भर बस्तर और अधिक समावेशी विकसित भारत के निर्माण के लिए युवाओं को कुशल बनाना केंद्रबिंदु में क्यों है। विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी) और निदेशक (वाणिज्यिक, अतिरिक्त प्रभार) ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ वर्षों में हुआ परिवर्तन स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एनएमडीसी अपनी स्थापना के बाद से ही इस परिवर्तन यात्रा का एक अभिन्न अंग रहा है। उन्होंने छात्रों को उनकी पेशेवर करियर की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं।

जयदीप दासगुप्ता, निदेशक (उत्पादन) और निदेशक (कार्मिक, अतिरिक्त प्रभार) ने प्लेसमेंट को एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताते हुए इसे छात्रों के जीवन में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने छात्रों को निरंतर सीखने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हुए भविष्य में उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के तहत पात्रता को समावेशी रखा गया था, जिसमें न्यूनतम योग्यता कक्षा 8 थी और यह सुनिश्चित किया गया कि स्कूल छोड़ देने वाले और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवा कौशल पारिस्थितिकी तंत्र से बाहर नहीं रहने पाएं। पहले बैच में 80 प्रायोजित छात्र शामिल थे, जिनमें से सभी को अब सफलतापूर्वक नियोजित कर दिया गया है। यह कार्यक्रम की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

एनएमडीसी-सीआईपीईटी कौशल विकास कार्यक्रम के बारे में

अपने सीएसआर कार्यक्रम के तहत, एनएमडीसी ने दंतेवाड़ा और बस्तर जिलों के 500 युवाओं को निशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी) के साथ भागीदारी की है। एनएमडीसी द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित, यह पहल प्रतिभागियों को विभिन्न योग्यता स्तरों पर उद्योग-प्रासंगिक कौशल के साथ सुसज्जित करती है, जिसमें ऑपरेटर-स्तर (अल्पकालिक) पाठ्यक्रम से लेकर प्लास्टिक प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम शामिल हैं, जिसका उद्देश्य रोजगार क्षमता को बढ़ाना और स्थानीय कार्यबल को मजबूत करना है।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 160वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप 8 को

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी साउथ जोन, चारमीनार डिवीजन तथा अग्रवाल समाज तेलंगाना घांसी बाजार झूला शाखा के सहयोग से 160वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर रविवार, 8 फरवरी 2026 को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक घांसी बाजार स्थित गायत्री भवन में चलेगा। अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मुफ्त जांच एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध होगी। किम्स सनशाइन हॉस्पिटल, बेगमपेट द्वारा जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, बीपी जांच तथा आरबीएस (रैंडम ब्लड शुगर) की सेवाएं दी जाएंगी।

नेत्र जांच एवं अन्य विशेष सेवाएं

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा नेत्र जांच की जाएगी। योग्य मरीजों को निशुल्क चश्मे वितरित किए जाएंगे तथा मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था भी की जाएगी। सामान्य जांच डॉ. अखिल क्लिनिक पूरणदास रणछोडदास के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी द्वारा प्रदान की जाएगी।फिजियोथैरेपी सेवाएं बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा दी जाएंगी। दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत राज एवं डॉ. एस. निशिल राज द्वारा की जाएगी।

विकलांग सहायता एवं डायलिसिस सुविधा

शिविर में श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा कृत्रिम अंग, कैलिपर्स, हैंड क्रच, कृत्रिम हाथ आदि की निशुल्क व्यवस्था की जाएगी।

साथ ही, मरीजों के लिए निशुल्क डायलिसिस की सुविधा भी उपलब्ध होगी। डायलिसिस एवं अन्य विशेष सहायता के इच्छुक मरीजों को अपनी पूर्व की चिकित्सा रिपोर्ट साथ लानी अनिवार्य होगी ताकि उन्हें उचित परामर्श दिया जा सके।

शिविर का समय: सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगा और नाम पंजीकरण की अंतिम समय सीमा: दोपहर 12 बजे तक होगी।

शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, श्रीकिशन शर्मा, के.ए. मोइजुद्दीन, गोपाल दास, अनिल धरसूवाला, योगेंद्र कटारुका एवं शिव भगवान से संपर्क किया जा सकता है।

आयोजकों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इस निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने परिवारजनों को भी जागरूक करें।

जन सेवा संघ की स्टीयरिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जन सेवा संघ के मीडिया प्रभारी श्री राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संघ की स्टीयरिंग कमेटी की बैठक स्टीयरिंग कमेटी संयोजक श्री डी.डी. तिवारी के नेतृत्व में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की विभिन्न समितियों के गठन, कार्यक्रमों की रूपरेखा, सदस्यता विस्तार, अनुशासन एवं शिकायत निवारण जैसे अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई और ठोस निर्णय लिए गए।

सांस्कृतिक एवं उत्सव कार्यक्रमों की तैयारी

सांस्कृतिक कार्यक्रम का ढांचा जल्द ही श्री अनिल श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। सांस्कृतिक समिति को उत्सव समिति के साथ मिलकर फरवरी या मार्च में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें सभी आजीवन सदस्यों को आमंत्रित किया जाएगा। श्री अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि एक सप्ताह के भीतर कल्चरल कमेटी का गठन किया जाएगा और होली मिलन कार्यक्रम भी शीघ्र आयोजित होगा।

समितियों के गठन एवं जिम्मेदारियां

आईटी सेल समिति का गठन एक सप्ताह के भीतर किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी बिनीत सिंह एवं राजेश शर्मा को सौंपी गई है। वेबसाइट प्रबंधन आईटी सेल द्वारा किया जाएगा।

मेडिकल कमेटी (सीताराम ठाकुर), स्पोर्ट्स कमेटी (सुबोध सिंह), प्रोटोकॉल कमेटी (श्रीकांत पांडे), स्पॉन्सरशिप कमेटी (राजेश शर्मा) का गठन एक सप्ताह के अंदर किया जाएगा।डिसिप्लिनरी कमेटी के कन्वीनर पी.पी. पांडे ने सदस्यों की सूची जमा कर दी है।ग्रीवेंस कमेटी की सूची परमानंद शर्मा द्वारा जल्द जमा की जाएगी। शिकायतें ऑफिस में जमा होंगी और तीन महीने पहले सदस्यता लेने वाले सदस्यों की शिकायतों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।मीडिया प्रभारी का पद राजीव चौबे के पास ही रहेगा, जबकि प्रवक्ता की नियुक्ति जल्द होगी।

सदस्यता विस्तार, नवीनीकरण एवं संगठनात्मक मजबूती

स्टीयरिंग कमेटी संयोजक डी.डी. तिवारी ने कहा कि सदस्यों की संख्या बढ़ाना सभी सदस्यों की साझा जिम्मेदारी है। प्रत्येक सदस्य को 100 सदस्यों की सूची देने और नवीनीकरण के लिए फॉलो-अप करने का निर्देश दिया गया। के.डी. चौबे ने जोन को सक्रिय करने पर जोर दिया, जिससे सदस्यता और शिकायत निवारण में मजबूती आएगी। डी.डी. तिवारी ने बताया कि डीजी साहब के निर्देशानुसार जोनल प्रेसिडेंट के साथ अंतिम बार प्रयोग किया जाएगा; यदि सफल नहीं हुआ तो सभी क्षेत्रों की जिम्मेदारी सेंट्रल कमेटी को सौंपी जाएगी।

अन्य महत्वपूर्ण निर्णय

संरक्षक समिति एवं स्टीयरिंग कमेटी के सदस्यों को अपनी पसंद के अनुसार केवल एक समिति में शुल्क देना होगा। प्रत्येक समिति को स्वतंत्र निर्णय लेने की छूट है, लेकिन प्रोटोकॉल उल्लंघन या समस्या होने पर केंद्रीय समिति से सहायता ली जा सकती है। फरवरी में रक्तदान शिविर (प्रकाश चौधरी) आयोजित किया जाएगा।

जन सेवा संघ का बैच, टी-शर्ट या विशेष आईडी कार्ड बनाने का सुझाव राजीव चौबे ने दिया।

महिला विंग गठन का सुझाव बिस्वजीत सिंह ने दिया।

नवीन बिहारी सेंट्रल कमेटी में शामिल होने में रुचि नहीं रखते, उनकी जगह नए सदस्य को शामिल किया जाएगा। व्यापक प्रचार के लिए सोशल मीडिया, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का उपयोग किया जाएगा तथा हर महीने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी।

उपस्थित प्रमुख सदस्य

बैठक में बिस्वजीत सिंह (अध्यक्ष), प्रकाश चौधरी, सुशील श्रीवास्तव, राधे श्याम राय यादव, कपिराज सिंह, डी.डी. तिवारी, पी.पी. पांडे, राजीव चौबे, के.एल. श्रीनिवास राव, एल.एम. चौधरी, वी.डी. चौबे, सुरेश पंडित, गोविंद तिवारी, के.डी. चौबे, जी.डी. पाठक, दिनेश चंदन, बिनीत सिंह, अरुण सिंह राजपुरोहित, मोहम्मद मुनव्वर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

तेलंगाना भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने राहुल गांधी की टिप्पणी की कड़ी निंदा की, कार्रवाई की माँग

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । संसद के गेट नंबर 1 के पास 4 फरवरी को निलंबित कांग्रेस सांसदों के प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को ङ्गङ्घगद्दारङ्गङ्घ कहने पर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। तेलंगाना भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और कांग्रेस से राहुल गांधी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई तथा सार्वजनिक माफी की मांग की है।भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जगमोहन सिंह ने आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान करना, गरिमा को ठेस पहुंचाना तथा केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू की देशभक्ति पर सवाल उठाना पूरी तरह राजनैतिक मूल्यों के विरुद्ध है। उन्होंने कहा, देश के लिए आवाज उठाना देशभक्ति है, देशद्रोह नहीं। राहुल गांधी की यह टिप्पणी अहंकार और असहिष्णुता को दर्शाती है। भाजपा राष्ट्रप्रथम, एकता और अखंडता की नीति पर चलती है, जबकि कांग्रेस अपमान और विभाजन की राजनीति कर रही है।जगमोहन सिंह ने घटना का विस्तार से जिक्र करते हुए बताया कि राहुल गांधी ने रवनीत सिंह बिट्टू को यहाँ से ये जा रहा है गद्दार, उसका चेहरा देखो कहकर संबोधित किया और मेरे गद्दार मित्र कहकर हाथ मिलाने की कोशिश की, जिसे केंद्रीय मंत्री ने ठुकरा दिया। उन्होंने इस व्यवहार को गैरजिम्मेदाराना और अपमानजनक करार दिया।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने कांग्रेस पार्टी से तत्काल राहुल गांधी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने तथा उन्हें सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है।इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के हरप्रीत सिंह गुलाटी, सतपाल सिंह छाबड़ा, सिमरप्रीत सिंह खंडूजा, गुरचरण सिंह, मोहिंदरपाल सिंह, सोनू छाबड़ा, गजनीजी, शेख शाहजहां, रोड़ा कुदोस, सतीश हुंडिया, सविता रायसोनी सहित मोर्चा के अन्य सदस्य एवं भाजपा नेता उपस्थित रहे।

भाजपा नेताओं ने कहा कि ऐसी घटनाएं संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं और राजनीतिक बहस को निम्न स्तर पर ले जाती हैं। वे लोकतंत्र में असहमति का सम्मान करने की अपील करते हुए कांग्रेस से जिम्मेदाराना रवैया अपनाने की उम्मीद जताई।

शाकद्विपीय ब्राह्मण संघ के सामाजिक कार्यक्रम में रामदेव नागला का हुआ सम्मान

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। शाकद्विपीय ब्राह्मण संघ द्वारा आयोजित एक सामाजिक कार्यक्रम में राजस्थानी ब्राह्मण सभा हैदराबाद-सिकंदराबाद एवं विप्र फाउंडेशन जोन 16 के महामंत्री रामदेव नागला को विशेष सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान संघ के परामर्शदाता पदाधिकारीगणों- विक्रम आशिवाल, मुकेश शांडिल्य, महेंद्र शर्मा भोजक, नवलकिशोर शर्मा एवं अन्य पदाधिकारियों ने रामदेव नागला को शाल, माला एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

यह सम्मान उनके सामाजिक एवं संगठनात्मक योगदान के प्रति आभार व्यक्त करने के रूप में दिया गया।

कार्यक्रम में शाकद्विपीय ब्राह्मण संघ के सदस्यों, राजस्थानी ब्राह्मण सभा एवं विप्र फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी ने श्री नागला के समाज सेवा एवं ब्राह्मण समुदाय के उत्थान में किए गए प्रयासों की सराहना की तथा भविष्य में ऐसे सहयोगपूर्ण कार्यक्रमों को जारी रखने की बात कही।

भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम है राधे-राधे ग्रुप : किरण गोयल

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित स्टेट पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर-1265 ए के समीप नियमित अन्नदान कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और मानवीय संवेदनाओं के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवाभावी सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीमती किरण गोयल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य वास्तव में भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम हैं। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना ही सच्ची भक्ति है और राधे-राधे ग्रुप इस भाव को नियमित अन्नदान के माध्यम से जीवंत बनाए हुए है।

श्रीमती गोयल ने आगे कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में करुणा, सहयोग और मानवीय मूल्यों को सशक्त करते हैं। राधे-राधे ग्रुप का यह प्रयास न केवल भूख को मिटाने का कार्य कर रहा है, बल्कि समाज को सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दे रहा है।

कार्यक्रम में उपस्थित राधे-राधे ग्रुप के सेवाभावी सदस्यों ने पूरे समर्पण के साथ अन्न वितरण में सहयोग किया। प्रमुख रूप से रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भगतराम गोयल, गौरव गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, श्यामसुंदर अग्रवाल, राजेश योगा सिरजी, कैलाशचंद केडिया, निर्मला केडिया, जयप्रकाश सारडा, मनीष अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही।

कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया तथा सेवा ही साधना और अन्नदान ही धर्म के संदेश के साथ समाजसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

मलेशिया में कुआलालम्पुर में बटु केव में कार्तिकेय भगवान के दर्शन के बाद उपस्थित अरुणा-राकेश गुप्ता।

भाजपा महिला मोर्चा मंचेरियाल जिला चुनाव प्रभारी नियुक्ति होने पर नित्या पारीक का अभिनंदन

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) द्वारा आगामी नगर पालिका एवं निगम चुनावों के लिए बीजेपी महिला मोर्चा मंचेरियाल जिला इलेक्शन इंचार्ज के रूप में नित्या पारीक की नियुक्ति पर उनका जोरदार अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों के प्रमुखों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने बधाई देते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, जिण माता संघ के चेयरमैन राकेश बंसल, सतीश जाजू, आनंद बोहरा, आरएसएस नेता बालु स्वामी सहित अन्य प्रमुख कार्यकर्ताओं ने नित्या पारीक की इस जिम्मेदारी पर खुशी जताई और कहा कि उनकी नियुक्ति से पार्टी की महिला मोर्चा इकाई और मजबूत होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि नित्या पारीक आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महिला मोर्चा को प्रभावी ढंग से नेतृत्व प्रदान करेंगी तथा पार्टी को मजबूती से आगे बढ़ाएंगी।

नित्या पारीक की इस महत्वपूर्ण भूमिका से मंचेरियाल जिले में बीजेपी महिला मोर्चा की गतिविधियां और तेज होने की उम्मीद जताई जा रही है। अभिनंदनकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपनी नई जिम्मेदारी का निर्वहन कुशलतापूर्वक करेंगी और पार्टी के लक्ष्यों को हासिल करने में योगदान देंगी।

भजन चाँदनी ग्रुप की एक दिवसीय आध्यात्मिक यात्रा सम्पन्न

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भजन चाँदनी ग्रुप बेगम बाजार द्वारा आयोजित एक दिवसीय आध्यात्मिक, धार्मिक एवं पर्यटन यात्रा मेडचल स्थित दक्षिण बद्रीनाथ धाम के दर्शन के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यात्रा में शामिल सदस्यों ने धाम में भगवान बद्रीनाथ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया, उसके बाद अनुकृष फार्म हाउस में आयोजित कार्यक्रम में आनंद से भरपूर खान-पान, हुड़दंग, खेल-कूद एवं अन्य मनोरंजन गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया।

यह यात्रा भक्ति, आध्यात्मिकता और सामूहिक आनंद का सुंदर संगम साबित हुई। फार्म हाउस में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने विशेष उत्साह दिखाया और विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की।

कार्यक्रम में लीलाबजाज, अनुराधा नावंदर, विजयलक्ष्मी दरक, सुशीला-ईंदरा, संतोष-प्रमीला-सुशीला बजाज, मंजु-किरण परवाल, प्रेमा तापड़िया, शोभा तोष्नीवाल, ऊर्मीला अवस्थी, पुष्पा बियाणी, शोभा सारड़ा, ईंदरा राठी, संतोष बंग, ऊषा राठी, चंद्रकांता सारड़ा, झंवर, कांकाणी, कृष्णा जोशी सहित अनेक अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

सभी प्रतिभागियों ने यात्रा को यादगार बताया और भजन चाँदनी ग्रुप के ऐसे आयोजनों की सराहना की, जो आध्यात्मिक उन्नति के साथ-साथ सामाजिक बंधन को भी मजबूत करते हैं।

ग्रुप के सदस्यों ने भविष्य में भी ऐसी धार्मिक एवं मनोरंजक यात्राओं को जारी रखने की बात कही।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा एवं आरती सम्पन्न

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के प्रसिद्ध कासु ब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) पार्क में बुधवार को इच्छापूर्ति गणेशजी की भव्य पूजा एवं आरती का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भक्तों की उपस्थिति में विधि-विधान से पूजा संपन्न हुई और सभी ने गणेशजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

पूजा में मुख्य रूप से वी.ए. प्रसाद, विजय रेड्डी, सेसैया गारु, सुदर्शन, किशन दास डागा, विजय कुमार तंबी एवं अन्य भक्तों ने सक्रिय भागीदारी की। आरती के दौरान भक्तों में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेव, किशन दास डागा, विजय कुमार अग्रवाल (एडवोकेट), सेसैया गारु, सुदर्शन रेड्डी, विनोद टिकमणि, विजय तंबी, अशोक कुमार सरायवाला, राहुल सिंघल, अशोक कुमार रुंगटा, पीसी जैन, प्रमोद कुमार सरायवाला, दीपक कुमार सरायवाला, अशोक लाखोटिया, पीसी जैन, विजय रेड्डी, संध्या अग्रवाल, विजय लक्ष्मी एवं अन्य भक्तगण उपस्थित रहे।

भक्तों ने सामूहिक आरती में भाग लेकर गणेशजी से सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं शांति की प्रार्थना की। आयोजन के दौरान पार्क में भक्ति का सुंदर माहौल बना रहा और सभी भक्तों ने इस धार्मिक आयोजन से आध्यात्मिक शांति प्राप्त की।

विजय विष्णु पंत ने संभाला जीएसआई दक्षिणी क्षेत्र के उप महानिदेशक का पदभार

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) गुरुवार को विजय विष्णु पंत ने हैदराबाद स्थित भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के दक्षिणी क्षेत्र के उप महानिदेशक का पदभार ग्रहण किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर अखिल भारतीय भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा उनका जोरदार अभिनंदन और स्वागत किया गया।

पदभार ग्रहण समारोह में संघ के अध्यक्ष श्री अदारला महेश ने श्री पंत को गुलदस्ता और शंख भेंट कर बधाई दी। अध्यक्ष ने विजय विष्णु पंत से अनुरोध किया कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु प्रत्येक छह महीने में नियमित त्रैमासिक बैठकें आयोजित की जाएं, ताकि उनकी शिकायतों का त्वरित निस्तारण संभव हो सके।इस अवसर पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निदेशक (पी एंड ए) एवं कार्यालय प्रमुख श्री हरमोहन मिश्रा, क्षेत्रीय सचिव अखिल भारतीय जीएसआई एससी/एसटी कर्मचारी कल्याण संघ श्री जे. राजशेखर, तथा संघ के अन्य प्रमुख सदस्यों श्री बी. श्रीनिवास राव, बी. लिंग्या, ई. चंद्रैया, बी. आनंद कुमार, ए. शिव शंकर, जी. मल्लेश, ए. मेघराज, एस. देवैया नायडू, बी. प्रभाकर, जी. प्रकाश राव, बी. नरेश, जी. रमेश, डी. जयचंद्र बाबू, एम. रविंदर, बी.के. अमरनाथ सहित कई अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्री पंत के पदभार ग्रहण से दक्षिणी क्षेत्र में भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के कार्यों में नई गति आने की उम्मीद जताई जा रही है, जबकि एससी/एसटी कर्मचारी कल्याण संघ ने उनके साथ सहयोग और समन्वय बनाए रखने का आश्वासन दिया है।

दमरे महाप्रबंधक ने आदिलाबाद-मुदखेड़-पूर्णा सेक्शन का किया निरीक्षण

हैदराबाद/नांदेड़, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने आज 5 फरवरी 2026 को नांदेड़ मंडल के आदिलाबाद – मुदखेड़ – पूर्णा सेक्शन का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ नांदेड़ मंडल रेल प्रबंधक श्री प्रदीप लक्ष्मणराव कामले तथा प्रधान कार्यालय एवं मंडल कार्यालय के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महाप्रबंधक ने अपना निरीक्षण आदिलाबाद रेलवे स्टेशन से आरंभ किया। यहां उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने क्रू लॉबी, कंबाइंड क्रू रनिंग रूम का निरीक्षण किया तथा रनिंग स्टाफ को उपलब्ध सुविधाओं की भी जांच की। इस दौरान आदिलाबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पायल शंकर ने महाप्रबंधक से भेंट की और क्षेत्र में रेल विकास परियोजनाओं पर चर्चा की। बाद में कई जनप्रतिनिधियों ने भी भेंट कर अपने अनुरोध प्रस्तुत किए।

महाप्रबंधक ने आदिलाबाद-किनवट सेक्शन के बीच समपार फाटक संख्या-23 का निरीक्षण किया। उन्होंने गेट बूम, रिकॉर्ड तथा संरक्षा उपस्करों के कार्य करने की प्रक्रिया की जांच की और रखरखाव की स्थिति देखी। उन्होंने चौकीदार से बातचीत कर कार्य करने की परिस्थितियों के बारे में जानकारी ली।

किनवट रेलवे स्टेशन पर विस्तृत निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने यात्री सुख-सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने बुकिंग काउंटर, प्रतीक्षालय, स्टेशन मास्टर कार्यालय तथा परिचालन क्षेत्र का जायजा लिया। अमृत स्टेशन योजना के तहत किनवट पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति पर मंडल अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट ली गई। महाप्रबंधक ने कार्यों में तेजी लाने तथा परियोजना को निर्धारित समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

महाप्रबंधक ने नगाड़ा-नालाह पर पुल (पुल संख्या 110) का विस्तृत निरीक्षण किया तथा संरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की। कर्व संख्या 40 पर ट्रैक अनुरक्षण एवं संरक्षा का भी जायजा लिया और गैंग-मैन से बातचीत की।

हिमायतनगर रेलवे स्टेशन पर अमृत स्टेशन योजना के तहत चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके बाद भोकर और मुदखेड़ अमृत स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों से भेंट कर अभ्यावेदन प्राप्त किए गए।

निरीक्षण के अंतिम चरण में महाप्रबंधक ने पूर्णा अमृत स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को यात्री सुख-सुविधाओं में सुधार के लिए समय पर कार्य पूरा करने तथा तेजी लाने के निर्देश दिए। पूर्णा रेलवे स्टेशन पर चिकित्सा राहत यान (एमआरवी) तथा दुर्घटना राहत ट्रेन (एआरटी) की तत्परता एवं उपलब्ध सुविधाओं का भी निरीक्षण किया गया।

महाप्रबंधक ने समग्र निरीक्षण के दौरान सुरक्षा, यात्री सुविधा, परियोजना प्रगति एवं रखरखाव पर विशेष जोर दिया तथा मंडल अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राधे रानी की कृपा से निरंतर जारी है सेवा कार्य : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क में नियमित रूप से संचालित अन्नदान कार्यक्रम सेवा और समर्पण का प्रेरक उदाहरण बना हुआ है। इस अवसर पर समाजसेवी सुभाष अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त किए।

सुभाष अग्रवाल ने कहा कि यह राधे रानी की विशेष कृपा है कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा यह सेवा कार्य बिना किसी रुकावट के निरंतर और नियमित रूप से संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से किया गया अन्नदान केवल भूख मिटाने का कार्य नहीं, बल्कि समाज में मानवता, करुणा और सेवा संस्कारों को मजबूत करने का माध्यम है।उन्होंने राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि समय की पाबंदी, अनुशासन और समर्पण के साथ किया जा रहा यह कार्य अन्य सामाजिक संगठनों के लिए भी अनुकरणीय है। ऐसे सेवा कार्य समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते हैं।इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत जी गुप्ता, तेजप्रकाश अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, हरीश टोलाराम हिंदुजा, संजय गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

चुनाव प्रभारी अशोक परनामी का जोरदार स्वागत

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना में आगामी नगर निकाय चुनावों की तैयारियों को लेकर बुलाई गई महत्वपूर्ण बैठक में भाजपा के जिला चुनाव प्रभारी अशोक परनामी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ताओं ने श्री परनामी को पुष्पगुच्छ, शाल एवं सम्मानित कर उनके नेतृत्व में चुनावी रणनीति तैयार करने की प्रतिबद्धता जताई। स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से-सतीश जाजू, सुरेश शर्मा, आनंद बोहरा, पवन मिश्रा, आर.पी. शर्मा, उमेश शर्मा सहित अन्य भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता शामिल थे।

बैठक में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी की मजबूत स्थिति सुनिश्चित करने, बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की भूमिका एवं मतदाता जागरूकता अभियान जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। श्री अशोक परनामी ने सभी नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एकजुट होकर कार्य करने से भाजपा तेलंगाना के स्थानीय निकाय चुनावों में शानदार प्रदर्शन करेगी।

हाईकोर्ट फैसले पर सुप्रीम मुहर

IAMC भूमि आवंटन रद्द

नई दिल्ली/हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार द्वारा इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन एंड मीडिएशन सेंटर (IAMC हैदराबाद को मुफ्त में भूमि आवंटित करने के फैसले को रद्द करने वाले तेलंगाना हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है। शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के तर्क में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए IAMC की विशेष अनुमति याचिकाओं को खारिज कर दिया।

यह मामला 2021 और 2022 के बीच तेलंगाना सरकार द्वारा जारी किए गए सरकारी आदेशों (GO) को चुनौती देने वाली जनहित याचिकाओं से उत्पन्न हुआ था।

सरकारी खजाने को नुकसान का आरोप

इस आवंटन को चुनौती देने की तीन मुख्य वजहें ये थी कि हैदराबाद के रायदुर्ग गांव में 3.70 एकड़ भूमि बिना किसी बाजार मूल्य के खअचउ को आवंटित करना। केंद्र को 3 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान करना।

सरकारी विभागों को 3 करोड़ से अधिक के विवादों को अनिवार्य रूप से मध्यस्थता के लिए IAMC भेजने का निर्देश देना। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि यह सरकारी संपत्ति का मनमाना वितरण है और भूमि

हस्तांतरण नियमों का उल्लंघन है, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ है।

नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं

जस्टिस के. लक्ष्मण और जस्टिस के. सुजाना की हाई कोर्ट खंडपीठ ने अपने विस्तृत फैसले में स्पष्ट किया कि यद्यपि मध्यस्थता को बढ़ावा देना एक वैध सार्वजनिक उद्देश्य हो सकता है, लेकिन सरकार वैधानिक नियमों की अनदेखी करके इसे पूरा नहीं कर सकती।

नियमों का उल्लंघन: कोर्ट ने माना कि यह आवंटन आंध्र प्रदेश (तेलंगाना क्षेत्र) राज्य भूमि और भू-राजस्व नियमों, 1975 का उल्लंघन करता है। ये नियम अनिवार्य करते हैं कि किसी निजी संस्था को भूमि केवल बाजार मूल्य के मूल्यांकन और संग्रह के बाद ही दी जा सकती है।

निजी ट्रस्ट: कोर्ट ने नोट किया कि आवंटन के समय IAMC एक निजी ट्रस्ट था, न कि कोई पंजीकृत कंपनी।

नीतिगत फैसलों पर हस्तक्षेप से इनकार

दिलचस्प बात यह है कि हाई कोर्ट ने 3 करोड़ की वित्तीय सहायता और सरकारी विवादों को खअचउ को सौंपने के नीतिगत निर्णय में हस्तक्षेप नहीं किया। अदालत ने कहा कि ये मामले सरकारी नीति के दायरे में आते हैं और इनमें किसी कानूनी उल्लंघन का प्रमाण नहीं मिला है। हालांकि, कोर्ट ने जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सरकार को IAMC की गतिविधियों की समय-समय पर समीक्षा करने का निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट में पैरवी

सुप्रीम कोर्ट में IAMC का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन और विक्रम पूसरला ने किया, जबकि तेलंगाना राज्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए। शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के फैसले को पूरी तरह सही ठहराते हुए इस मामले को समाप्त कर दिया।

हिलेस, बच्चन अकादमी एवं कबीर चिंतन के संयुक्त तत्वावधान में कवि गोष्ठी व साहित्यिक संगोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 5 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद की 612वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन हिलेस, बच्चन अकादमी एवं कबीर चिंतन के संयुक्त तत्वावधान में मौज़मजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल के कैलाश डायग्नोस्टिक सेंटर, सेलार सभागृह में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कवि गोष्ठी के साथ-साथ देश के विख्यात गीतकार गोपालदास ङ्कनीरजफ के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर एक सारगर्भित साहित्यिक संगोष्ठी आयोजित की गई।संगोष्ठी में कवि अशोक दोशी, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, अंजनी कुमार गोयल एवं ठाकुर दिनेश सिंह ने नीरज के साहित्यिक योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने नीरज को हिंदी गीत परंपरा का प्रमुख हस्ताक्षर बताते हुए उनके रचनात्मक व्यक्तित्व, मानवीय संवेदना एवं सरल जीवन शैली पर प्रकाश डाला।कवि अंजनी कुमार गोयल ने नीरज से जुड़े अपने संस्मरण साझा करते हुए बताया कि उनके गीतों ने पीढ़ियों को प्रेरित किया है। डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने हैदराबाद में हिंदी साहित्य के विकास में वरिष्ठ साहित्यकारों के योगदान को रेखांकित किया। कवि ठाकुर दिनेश सिंह ने कहा कि नीरज की कविता मानव प्रेम और सहज अभिव्यक्ति की मिसाल है।कार्यक्रम का कुशल संचालन गोलकोंडा दर्पण के संपादक एवं कवि गोविंद अक्षय ने किया। द्वितीय सत्र में आयोजित कवि गोष्ठी का शुभारंभ कवयित्री आशा ठाकुर की सरस्वती वंदना से हुआ। इस अवसर पर खलिश हैदराबादी, चंपालाल बैद, अशोक जोशी, राजकुमार यादव, सत्यनारायण काकड़ा, ममता मिश्रा सहित अनेक कवियों ने काव्य पाठ किया।

कार्यक्रम के अंत में चंपालाल बैद, ठाकुर दिनेश सिंह एवं डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने सभी कवियों एवं साहित्य प्रेमी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विश्वनाथ पेंढारकर एवं सुंदरम तिवारी का विशेष योगदान रहा।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपीएससी को डीजीपी नियुक्ति में देरी पर राज्यों को चेतावनी देने का अधिकार दिया

तेलंगाना के लिए 4 सप्ताह की समयसीमा

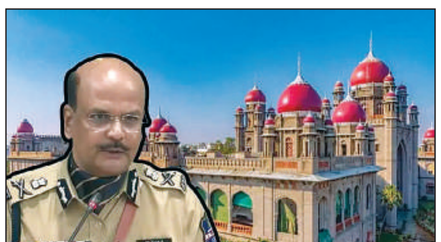

नई दिल्ली, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । सर्वोच्च न्यायालय ने कई राज्यों द्वारा पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव भेजने में लगातार हो रही अत्यधिक देरी पर गंभीर संज्ञान लेते हुए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को ऐसे मामलों को सीधे अदालत के संज्ञान में लाने और राज्यों को पत्र लिखकर समयबद्ध प्रस्ताव मांगने का अधिकार प्रदान किया है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने प्रकाश सिंह मामले में जारी दिशानिर्देशों की अवहेलना पर चिंता जताते हुए यूपीएससी को विशेष रूप से तेलंगाना के लिए डीजीपी नियुक्ति की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए। अदालत ने यूपीएससी को चार सप्ताह के भीतर पैनल समिति की बैठक बुलाने और राज्य के लिए डीजीपी की सिफारिश करने का आदेश दिया।

प्रकाश सिंह दिशानिर्देशों की अवहेलना पर कड़ी टिप्पणी

पीठ ने कहा कि प्रकाश सिंह मामले में निर्धारित नियमों के अनुसार डीजीपी का चयन तीन सबसे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की यूपीएससी द्वारा तैयार सूची में से किया जाना अनिवार्य है और उन्हें दो वर्ष का निश्चित कार्यकाल दिया जाना चाहिए। लेकिन कई राज्य इन निर्देशों की लगातार अनदेखी कर रहे हैं और नियमित नियुक्ति के बजाय कार्यवाहक (एक्शन) डीजीपी की व्यवस्था को बढ़ावा दे रहे हैं।यूपीएससी ने अदालत को बताया कि राज्यों की देरी के कारण योग्य एवं वरिष्ठ अधिकारी डीजीपी पद के लिए विचार से बाहर हो रहे हैं, कई सेवानिवृत्त हो चुके हैं या उन्हें पदावनत किया जा रहा है। तेलंगाना में आखिरी नियमित डीजीपी की नियुक्ति नवंबर 2015 में हुई थी, जो नवंबर 2017 में सेवानिवृत्त हुए थे। तब से पद पर कार्यवाहक व्यवस्था चल रही है।

तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश पर सुनवाई

यह फैसला तेलंगाना उच्च न्यायालय के 9 जनवरी 2026 के आदेश के खिलाफ यूपीएससी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान आया। उच्च न्यायालय ने यूपीएससी को प्रकाश सिंह दिशानिर्देशों के अनुसार और राज्य द्वारा शुरू की गई प्रक्रिया को जारी रखते हुए चार सप्ताह में डीजीपी चयन प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया था।सुप्रीम कोर्ट ने यूपीएससी की चिंताओं पर सहमति जताते हुए कहा, 'हम बिना किसी संकोच के मानते हैं कि यूपीएससी को जल्द से जल्द पैनल समिति की बैठक बुलानी चाहिए और तेलंगाना के लिए डीजीपी की सिफारिश करनी चाहिए।' अदालत ने आयोग को आवश्यक कार्रवाई के लिए चार सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया है।

यूपीएससी को मिला नया अधिकार

पीठ ने स्पष्ट किया कि यदि कोई राज्य समय पर प्रस्ताव नहीं भेजता है, तो यूपीएससी पहले राज्य सरकार को पत्र लिखकर अनुरोध करेगा।

भाजपा और बीआरएस के बीच है 'फेविकोल जैसा मजबूत जोड़': रेवंत रेड्डी आरोप

करीमनगर, 5 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को भाजपा और बीआरएस पर कड़ा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि दोनों पार्टियों के बीच फेविकोल जैसा रिश्ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों दल तेलंगाना के हितों की अनदेखी करते हुए एक-दूसरे का गुप्त रूप से समर्थन कर रहे हैं।मुख्यमंत्री करीमनगर जिले के गुमलापुर में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जानकारी दी कि पिछले दो वर्षों में 123 नगर पालिकाओं और सात निगमों में विकास कार्यों पर 17,442 करोड़ खर्च किए गए हैं।

सोनिया गांधी के योगदान को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने तेलंगाना राज्य का वादा पूरा किया। उन्होंने बीआरएस सरकार की आलोचना करते हुए कहा, कांग्रेस ने तेलंगाना राज्य दिया, लेकिन बीआरएस ने 10 साल तक शासन करने के बावजूद गरीबों को बुनियादी लाभ नहीं पहुँचाए। जनता ने बीआरएस शासन के दौरान लगभग 20 लाख करोड़ रुपये का टैक्स दिया, लेकिन इसके बावजूद गरीबों के लिए दो बेडरूम वाले घर तक नहीं बनाए गए।

रेवंत रेड्डी ने नगर निकाय चुनावों में प्रचार कर रही भाजपा से सवाल किया कि उन्होंने कालेश्वरम और पालमुरु-रंगा रेड्डी जैसी परियोजनाओं के लिए राष्ट्रीय दर्जा क्यों नहीं हासिल किया? उन्होंने मेट्रो रेल फेज-खख और मूसी नदी के पुनरुद्धार के लिए फंड न मिलने पर भी केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव पैसों से नहीं बल्कि जनता के विश्वास से जीते जाते हैं। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं से सरकार की प्रमुख योजनाओं को जनता तक ले जाने का आग्रह किया, जिनमें शामिल हैं: पात्र परिवारों के लिए राशन कार्ड और बारीक चावल का वितरण। महिलाओं के लिए मुफ्त आरटीसी बस यात्रा।

DAILY शुभ लाभ Classifieds

CHANGE OF NAME
I, GIRIJA KUMARI V Mother of Service No. 16122418A L/Nk JIJIN M G, Residing at TC-54/1006, Jeeja Bhavan, Kallakonam, Vill:Nemom, PO:Karumom, Teh and Dist:Thiruvananthapuram, Kerala-695002 have changed my name from GIRIJA to GIRIJA KUMARI V vide affidavit dt:05-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, BANDI LAKSHMIDEVI Mother of Service No. 2610809L Hav BANDI THIRUPATHAIAH, Residing at H.No.1-287, Reddy Palli, Bukkarayasamudram, Dist: Anantapur, Andhra Pradesh - 515701 have changed my name from LAXMI DEVI to BANDI LAKSHMIDEVI vide affidavit dt:05-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, VARGHESE Father of Service No. JC 313665N Sub JINCE VARGHESE, Residing at Valiyaveettil (H), Marigiri, Therthalli PO, Thirmiri, Alakode, Kannur, Kerala-670571 have changed my name and DOB from VARGHESE, DOB:01-07-1963 to VARGHESE VALIYAVEETTIL, DOB:15-05-1959 vide affidavit dt:30-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF DOB
I, BANDI LAKSHMIDEVI Mother of Service No. 2610809L Hav BANDI THIRUPATHAIAH, Residing at H.No.1-287, Reddy Palli, Bukkarayasamudram, Dist: Anantapur, Andhra Pradesh-515701 have changed my Date of Birth from 15-06-1967 to 01-01-1960 vide affidavit dt:05-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 6949136P Nk(SHGD) ANOOP KUMAR, R/o. Veveakand Pally, Dakhineswar Bagdogra, P.S Bagdogra, Dist:Darjeeling, West Bengal-734014 that my wife name is to be changed from REENA KUJUR to REENA CHIK BARAIK KUJUR vide affidavit dt:28-01-2026 before Executive Magistrate, Siliguri.

CHANGE OF NAME
I, P PRAMILA Spouse of Service No. 616188G Ex Sgt PAMIREDDY VENKATESWARA REDDY, Resident of H.No.7-220/1, Plot No.86, Sri Shakthi Nagar, Jillelaguda, Meerpet, Balapur Mandal, Ranga Reddy Dist-500097, Telangana have changed my name from P PRAMILA to PAMIREDDY PRAMEELA vide affidavit dt:4-2-2026 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, HEERA BHAI Spouse of Service No. 13935610 Ex Sep Late DURBAS ARJUN SINGH, Resident of H.No.1-312/2A, VPO:Medchal, Medchal Malkajgiri Dist-501401, Telangana have changed my name from HEERA BHAI to DURVAS HEERA BAI vide affidavit dt:4-2-2026 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

गनफाउंड्री डिवीजन में 5.59 करोड़ के विकास कार्यों का उद्घाटन

जनसुविधाओं को मिलेगा बढ़ावा : राजा सिंह

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
गनफाउंड्री डिवीजन में गुरुवार को बुनियादी ढांचे को मजबूती देने के उद्देश्य से 5.59 करोड़ की लागत वाले बड़े पैमाने पर विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक टी. राजा सिंह रहे, जिन्होंने डिवीजन की कॉर्पोरेटर डॉ. सुरेखा ओम प्रकाश के साथ इन परियोजनाओं का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर एससी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष ओम प्रकाश बिश्वा, कॉर्पोरेटर शंकर यादव और डिप्टी कमिश्नर उमा भी उपस्थित रहे।

प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की शुरुआत

इस पहल के तहत कई महत्वपूर्ण सार्वजनिक उपयोगिता परियोजनाओं की शुरुआत की गई है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं–

सामुदायिक भवन: बिरला मंदिर नवाब पहाड़ बस्ती में एक कमेटी हॉल का उद्घाटन और गन फाउंड्री कम्युनिटी हॉल का नवीनीकरण।

सड़क एवं मार्ग निर्माण: दुर्गा भवानी मंदिर के पास तांदूर पत्थर का कार्य, प्रगति सोसाइटी (रामकोटी), कंडा स्वामी लाइन और रामकोट महाकाली मंदिर के पास सीसी (उउ) रोड का निर्माण।

जल निकासी: नेताजी नगर कॉलोनी में वर्षा जल नाला (RainwateAnala) कार्य का शुभारंभ।

खेल सुविधाएं: स्थानीय युवाओं के लिए नवीनीकृत विक्टोरिया खेल मैदान (VictoAia PlaygAound) को फिर से खोलना।

इन परियोजनाओं का प्राथमिक उद्देश्य नागरिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, जल निकासी व्यवस्था में सुधार और क्षेत्र के निवासियों के लिए आवागमन को सुगम बनाना है।

जनप्रतिनिधियों और स्थानीय निवासियों की भारी उपस्थिति

कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उपस्थित नेताओं में शैलेंद्र यादव, निर्मल राज, श्रीकांत, किशोर साई, नितिन जायसवाल, सुदर्शन, श्याम राव, विवेक, विजय सिंह, विजय, महेंद्र, श्रीकांत, राकेश, काव्या और राजलक्ष्मी शामिल थे।

इसके अलावा, विभिन्न कल्याणकारी संघों (WelfaAe Associations) के सदस्यों, सामुदायिक प्रतिनिधियों और बस्ती के बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने भाग लिया, जो इन विकास कार्यों के प्रति जन-समर्थन को दर्शाता है।

वरंगल, आदिलाबाद और पेद्दापल्ली में भी एयरपोर्ट

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना राज्य अपने विमानन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए तैयार है। हैदराबाद के शमशाबाद स्थित अंतरराष्ट्रीय राजीव गांधी हवाई अड्डे के अलावा, अब वरंगल, आदिलाबाद और पेद्दापल्ली में तीन नए हवाई अड्डे विकसित किए जाएंगे।

परिवहन, सड़क और भवन विभाग के विशेष मुख्य सचिव विकास राज के कार्यालय के अनुसार, पिछले महीने तेलंगाना सरकार ने आदिलाबाद के जिला कलेक्टर राजर्षि शाह को प्रस्तावित हवाई अड्डे के लिए आवश्यक 700 एकड़ भूमि अधिग्रहित करने के लिए अधिकृत किया है। यह कदम राज्य भर में प्रस्तावित बहु-विमानन परियोजनाओं की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

एक दशक में दोगुना हुआ विमानन नेटवर्क

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत में 2014 तक लगभग 70 हवाई अड्डे थे, जिनकी संख्या अब 160 को पार कर गई है। अधिकारी ने कहा, देश ने केवल एक दशक में दोगुने से अधिक हवाई अड्डों का निर्माण किया है। तेलंगाना में प्रस्तावित ये तीन हवाई अड्डे तेजी से बढ़ते विमानन उद्योग में और विस्तार करेंगे।

दिसंबर 2025 में आयोजित तेलंगाना ग्लोबल समिट के दौरान, सड़क एवं भवन विभाग ने अपनी दो साल की प्रगति रिपोर्ट में खुलासा किया कि इन तीनों हवाई अड्डों को चालू करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

वरंगल हवाई अड्डे से अगले साल तक कार्गो सेवाएं (माल ढुलाई) शुरू होने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्रीय व्यापार और निर्यात को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

प्रस्तावित हवाई अड्डों की वर्तमान स्थिति और विकास कार्य

1. मामनूर हवाई अड्डा, वरंगल जिला: वरंगल जिला कलेक्टर और जन प्रतिनिधि वर्तमान में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में हैं। यहाँ रनवे के मार्ग में कुछ जल निकाय (टैंक) और सिंचाई नहरें बाधा बन रही हैं। सिंचाई विभाग ने आयकचट को प्रभावित किए बिना धारा को मोड़ने का प्रस्ताव दिया है, जिसके पुनर्निर्माण के लिए 68.81 करोड़ की आवश्यकता होगी। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा मांगे गए अतिरिक्त 253 एकड़ भूमि का अधिग्रहण भी सरकार द्वारा कर लिया गया है।

2. आदिलाबाद हवाई अड्डा, आदिलाबाद जिला: यह हवाई अड्डा रणनीतिक रूप से महत्व-पूर्ण है। भारतीय वायु सेना ने आदिलाबाद हवाई पट्टी से नागरिक हवाई संचालन के प्रस्ताव पर सैद्धांतिक सहमति दे दी है। रक्षा मंत्रालय को इसे एक संयुक्त उपयोगकर्ता हवाई अड्डे (आईएएफ और एएआई द्वारा साझा उपयोग) के रूप में विकसित करने पर कोई आपत्ति नहीं है। शुरुआती चरण में एक बड़े रनवे, एटीसी (एटीसी) और टर्मिनल बिल्डिंग जैसी बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान दिया जाएगा।

3. (अंतरागाँव) पेद्दापल्ली जिला: इससे पहले बसंत नगर में प्रस्तावित स्थल को अनुपयुक्त पाया गया था क्योंकि वहां चारों ओर पहाड़ियां और हाई-टेंशन बिजली की लाइनें थीं। इसके बाद, पेद्दापल्ली कलेक्टर ने 12 नवंबर 2024 को अंतरागाँव मंडल में 591.24 एकड़ भूमि का वैकल्पिक प्रस्ताव दिया। एएआई की टीम ने दिसंबर 2025 में यहाँ का दौरा किया है और इसकी व्यवहार्यता रिपोर्ट जल्द ही आने की उम्मीद है।

भू-जल स्तर में भारी उछाल

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राज्य भूजल विभाग द्वारा जारी नवीनतम आकलन के अनुसार, जल वर्ष 2025-26 के दौरान हुई अत्यधिक वर्षा के कारण तेलंगाना के भूजल परिदृश्य में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।

राज्य भूजल स्तर परिदृश्य – जनवरी 2026 पर संक्षिप्त नोट के अनुसार, जनवरी 2026 में राज्य का औसत भूजल स्तर 6.28 मीटर (mbgl) दर्ज किया गया, जबकि जनवरी 2025 में यह 7.46 मीटर था। यह वार्षिक आधार पर 1.18 मीटर की शुद्ध वृद्धि दर्शाता है। मानसून पूर्व अवधि (मई 2025) की तुलना में, जब औसत गहराई 10.07 मीटर थी, मानसून के बाद सुधार काफी उत्साहजनक है।

37% अधिक वर्षा ने बदला परिदृश्य

भूजल स्तर में यह सकारात्मक बदलाव राज्य में हुई भारी वर्षा का परिणाम है। 1 जून, 2025 से 31 जनवरी, 2026 के बीच तेलंगाना में 1,178 मिमी वर्षा हुई, जो सामान्य वर्षा (859 मिमी) से 37% अधिक है। राज्य के 33 जिलों में से 28 में अत्यधिक वर्षा दर्ज की गई, जबकि केवल 5 जिलों में सामान्य वर्षा हुई।

जिला (जनवरी 2026)	भूजल स्तर (औसत)	स्थिति
खम्मम	3.50 mbgl	सबसे उथला (Shallowest)
विकाराबाद	9.82 mbgl	सबसे गहरा (deepest)
यदाद्री भोनगिर	+4.51 मीटर की वृद्धि	सर्वाधिक सुधार

मंडल-वार विश्लेषण और दशकों का रिकॉर्ड

दशक के औसत (2016-2025) से तुलना करने पर पता चलता है कि राज्य के 88% मंडलों (621 में से 549) में भूजल स्तर में सुधार हुआ है।

हालांकि, 12% मंडलों (72 मंडल) में गिरावट भी देखी गई है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कुछ क्षेत्रों में अभी भी स्थानीय हस्तक्षेप और निगरानी की आवश्यकता है।

बेहतर वर्षा और रिचार्ज का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम गहरे भूजल क्षेत्रों का कम होना है।

20 मीटर से अधिक गहरे क्षेत्र: मई 2025 में यह क्षेत्र 3,639 वर्ग किमी था, जो अब घटकर केवल 558 वर्ग किमी रह गया है।

उथला भूजल स्तर: वर्तमान में राज्य का लगभग 39% हिस्सा उथले भूजल स्तर (5 मीटर से कम) के अंतर्गत आता है।

मध्यम उथला स्तर: लगभग 49% क्षेत्र में भूजल 5 से 10 मीटर की गहराई पर उपलब्ध है।

इसका अर्थ है कि तेलंगाना का लगभग 90% भौगोलिक क्षेत्र अब बेहतर भूजल उपलब्धता की स्थिति में है।

एसआईआर से पहले बूथ एजेंट जरूरी

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने गुरुवार को राज्य के सभी राजनीतिक दलों से आगामी मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) से पहले प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए कम से कम एक बूथ स्तर का एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने का आग्रह किया है।

मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ अपने कार्यालय में आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए, सुदर्शन रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि एसआईआर की सफलता के लिए बूथ स्तर पर मजबूत समन्वय अनिवार्य होगा।

बीएलओ और बीएलए (बीएलए) के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता

उन्होंने कहा कि बूथ स्तर के एजेंट (बीएलए) अधिमानतः संबंधित मतदान केंद्र क्षेत्र के स्थानीय निवासी होने चाहिए। ये एजेंट संशोधन प्रक्रिया में सटीकता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बूथ स्तर के अधिकारियों (बीए-लओ) के साथ मिलकर काम करेंगे।

सीईओ ने सूचित किया कि वर्तमान में 12 राज्यों में SIR की प्रक्रिया चल रही है। तेलंगाना सहित शेष राज्यों के लिए कार्यक्रम अप्रैल-मई 2026 के दौरान घोषित होने की उम्मीद है। अधिसूचना जारी होने के बाद

मिलने वाले सीमित समय को देखते हुए, राज्य में तैयारी का काम अभी से शुरू कर दिया गया है।

सत्यापन प्रक्रिया और घर-घर मैपिंग का कार्य

अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2025 की मतदाता सूची में शामिल मतदाताओं को 2002 के डखठ के आंकड़ों से जोड़ने के लिए टेबल-टॉप मैपिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसके बाद, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में बीए-लओ द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन के माध्यम से जमीनी स्तर की मैपिंग की जा रही है।

एसआईआर के दौरान, बीएलओ प्रत्येक मतदान क्षेत्र का तीन से चार बार दौरा करेंगे। पहला दौरा: गणना फॉर्म का वितरण। अगले चरण: शेष परिवारों और छूटे हुए मतदाताओं का कवरेज।

शिकायतों के समाधान और पारदर्शिता पर जोर

मतदाताओं की चिंताओं को स्पष्ट करते हुए, मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जो मतदाता तैयारी के चरण के दौरान मैप नहीं हो पाए हैं, उन्हें एसआईआर के दौरान अपना विवरण जमा करने का पूरा अवसर मिलेगा। उन्होंने दोहराया कि राजनीतिक दलों द्वारा बीएलए की समय पर नियुक्ति से शिकायतों को कम करने में मदद मिलेगी और यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से बाहर न छूटे।इस बैठक में अतिरिक्त सीईओ वासम वेंकटेश्वर रेड्डी, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरि सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एक ही दिन में दो जगहों पर आग, कोई हताहत नहीं

हैदराबाद, 05 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
गुरुवार को शहर में आग लगने की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आईं, लेकिन दोनों ही मामलों में किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई सूचना नहीं है। पहली घटना गांधीनगर स्थित एक महिला छात्रावास में और दूसरी लेनिन नगर के एक फूड कोर्ट में हुई।

सुबह करीब 11:48 बजे गांधीनगर के एक महिला छात्रावास में आग लग गई। उस समय हॉस्टल में लगभग 10 लोग मौजूद थे, जो सभी सुरक्षित बाहर निकल आए। मुशीराबाद अग्निशमन केंद्र के एक अधिकारी ने बताया कि आग का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।घटना की सूचना मिलते ही मुशीराबाद अग्निशमन केंद्र से एक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची। बाद में गांधीनगर और गौलीगुडा से दो और अग्निशमन वाहन भेजे गए। अग्निशमन दल ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूर्ण नियंत्रण पा लिया। इस दौरान छात्रावास के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी व्यक्ति को चोट नहीं आई।

लेनिन नगर फूड कोर्ट में भीषण आग

दूसरी घटना मीरपेट पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत लेनिन नगर स्थित मटेस्टी फूड वर्ल्डफ नामक फूड कोर्ट में सुबह करीब 7:49 बजे हुई। यहां भी आग लगने का मुख्य संदेह बिजली के शॉर्ट सर्किट से है। आग तेजी से फैली और फूड कोर्ट के अधिकांश हिस्से को प्रभावित किया।

अग्निशमन दल ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया। घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन फूड कोर्ट को लगभग 3 से 5 लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

कार्टून कॉर्नर

Sri Khare Kiran Prabhakar, IPS DCP Charminar Zone | Sri Kishan Sharma All Zone General Secretary | Khaja Abdul Moiz President Charminar Zone | Md.Ajaz Qaudri. | Dr. Zain ul Abedin | Gopal Das | P. Chandrasheker ACP Charminar | A. Anjaneyulu SHO Hussaini Alam

In coordination with

Central Peace & Welfare Committee Charminar Zone Division Charminar

Manav Seva Badrivishal Pannalal Pitti Trust — Madhav Seva Agarwal Seva Dal

Organises FREE MEGA MEDICAL CAMP 160th CAMP

In association with LCH Sadhuram Eye Hospital, Domalguda, Hyd. | KIMS Sunshine Hospitals, Begumpet, Hyd.
Shri Bhagwan Mahaveer Viklang Sahayata Samiti, Hyd.

EYE CHECKUP | GENERAL PHYSICIAN | PHYSIOTHERAPHY | DENTAL | ORTHOPAEDIC | CARDIOLOGY | ECG/2D ECHO / BMD | RBS/BP CHECKUP

FREE DIALYSIS SERVICE WILL BE ARRANGED FOR NEEDY PATIENTS

PLEASE BRING ALONG YOUR PAST HEALTH RECORDS FOR A DETAILED EVALUATION AND FOR YOUR CONVENIENCE.

On Sunday, 8th February 2026 from 10.00 am to 2.00 pm Venue : Gayatri Bhavan, Ghansibazar, Hyderabad.

Pradeep Agarwal 92465 04222 | Sudheer Gupta 95505 22277 | Surender Goel 98664 93222 | Sri Kishan Sharma 98493 50162 | K A Moiz 98480 54304 | Govind Jaju 98490 29993 | Kapil Sharma 99495 99577 | Gopal Lal Sharma 92913 07551 | Praveen Kumar 90145 92020 | Chetan Mundada 93465 15649

Registration for Medical Camp till 10.00 am to 12.00 Noon only

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.